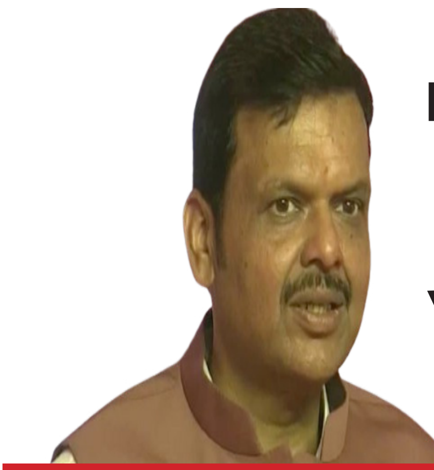

राष्ट्रीय दैनिक

प्रातः किरण

दिल्ली एवं पटना से प्रकाशित

हर खबर पर पकड़

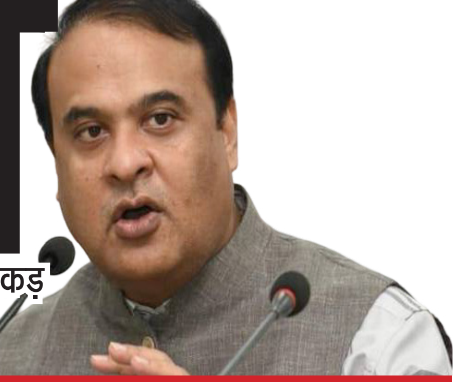

/Pratahkiran /Pratahkiran /Pratahkiran

12 हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती........

चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो? यह पूरी तरह से....... 12

वर्ष : 16 | अंक : 30 | नई दिल्ली, बुधवार, 04 जून, 2025 | विक्रम संवत् 2082 | पेज : 12 | मूल्य ₹ : 03.00 | www.pratahkiran.com

मादक पदार्थ का नेटवर्क खत्म करने के लिए एआई-संचालित तरीका अपनाए डीआरआई: सीतारमण

नई दिल्ली,, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) से तस्करी, मादक पदार्थों और अवैध व्यापार से निपटने के लिए एक समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित दृष्टिकोण अपनाने की अपील की। सीतारमण ने कहा कि एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के अनुरूप विकसित होना चाहिए।

सीतारमण ने राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली के वसंत कुंज क्षेत्र स्थित केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के तहत डीआरआई के नए मुख्यालय भवन के उद्घाटन के अवसर पर उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि प्रवर्तन एजेंसियों को वैश्विक व्यापार और सुरक्षा खतरों की बढ़ती जटिलता के

अनुरूप विकसित होना चाहिए। इसके दृश्यमान और अंतिम परिणाम सामने आने चाहिए। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के शब्दों को दोहराते हुए कहा कि सुधार, प्रदर्शन और परिवर्तन- यही वह भावना है जिसके साथ हमें आगे बढ़ते रहना है।

वित्त मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि डीआरआई उन चुनिंदा भारतीय एजेंसियों में से एक है जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा तंत्र की रक्षा करती है। हम सोना के बारे में जितना बोलते हैं, नारकोटिक्स सबसे बड़ा खतरा है जो हर राज्य और यहां तक कि छोटे शहरों में भी घुसपैठ कर चुका है। स्कूल और कॉलेज इसके पहले शिकार हैं। डीआरआई को इसे रोकना होगा और फिर राज्य पुलिस के साथ समन्वय करना होगा। हमें खतरे के आकार और दायरे के बारे में बेहतर समन्वय और बेहतर समझ की आवश्यकता है। उन्होंने प्रवर्तन अधिकारियों से कहा, बड़ी तस्वीर को ध्यान में रखते हुए समग्र रूप से जांच करें। आपको गहरे प्रणालीगत जोखिमों और खतरों को उजागर करने के लिए अव्यक्त बिंदुओं को जोड़ना होगा।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि तस्करी के पूरे नेटवर्क को खत्म करना ही किसी भी जांच का अंतिम लक्ष्य होना चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल छोटी-छोटी जब्तियों या गिरफ्तारियों तक ही सीमित न रहें। वित्त मंत्री ने कहा, अगर आप छोटी मछलियों को पकड़ते हैं तो यह अच्छा नहीं है। बड़ी तस्करी श्रृंखला का पता लगाना होगा और उस पर कार्रवाई करनी होगी। ठोस नतीजे सामने आएं और उन्हें तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाया जाए। इससे पहले निर्मला सीतारमण ने वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी के साथ डीआरआई मुख्यालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव, सीबीआईसी के अध्यक्ष संजय अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जम्मू कश्मीर में तीन सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर। देश की सुरक्षा को खतरा बताते हुए जम्मू कश्मीर सरकार ने तीन सरकारी अधिकारियों को बर्खास्त कर दिया गया है। धिकारियों के मुताबिक उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मंगलवार को यह आदेश जारी किया। केंद्र शासित प्रदेश में सुरक्षा के लिए खतरा उत्पन्न करने वाले अब तक कुल 80 सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त किया जा चुके हैं। आज बर्खास्त किए गए कर्मचारियों में पुलिस कांस्टेबल मलिक इश्फाक नसीर, स्कूल शिक्षा विभाग में शिक्षक एजाज अहमद और श्रीनगर के सरकारी मेडिकल कालेज में कार्यरत कनिष्ठ सहायक वसीम अहमद खान शामिल हैं। तीनों फिलहाल जेल में है। न लोगो की बर्खास्तगी संविधान के अनुच्छेद 311(2)(सी) के तहत की गयी है जो सरकार को स्पष्टीकरण मांगे बिना या किसी व्यक्ति के आचरण की जांच किए बिना ही सरकारी कर्मचारियों को बर्खास्त करने का अधिकार देता है।

मोदी के छह जून को संभावित जम्मू दौरे के मद्देनजर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था

जम्मू। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आगामी छह जून को संभावित जम्मू दौरे और बहुप्रतीक्षित कटरा-श्रीनगर रेल लिंक के उद्घाटन किये जाने की संभावना के मद्देनजर जम्मू-कश्मीर में, विशेष रूप से रेलवे लाइनों, रेलवे स्टेशनों और प्लेटफार्मों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गयी है। इससे पहले गत 19 अप्रैल को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा इस रेल लिंक को उद्घाटन खराब मौसम के पूवार्नुमान के कारण स्थगित कर दिया गया था।

पूर्व अग्निवीरों को पुलिस और पीएसी भर्ती में मिलेगा 20 फीसदी आरक्षण, योगी कैबिनेट ने लगाई मुहर

लखनऊ, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट बैठक में अग्निवीरों को लेकर बड़ा फैसला लिया गया है। कैबिनेट बैठक में फैसला लिया गया कि अब यूपी पुलिस और पीएसी में भर्ती के दौरान अग्निवीरों को 20 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। साथ ही इन्हें आयु सीमा में भी विशेष छूट दी जाएगी। योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी, पीएसी, आरक्षी घुडसवार और फायरमैन की सीधी भर्ती में पूर्व अग्रिवीरों को (4 साल की सेवा के पश्चात) 20 प्रतिशत पदों को आरक्षित रखते हुए क्षैतिज आरक्षण प्रदान किए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। भूतपूर्व सैनिक की तरह अग्निवीर के रूप में की गई सेवा अवधि को घटाते हुए अधिकतम आयु सीमा में तीन वर्ष की छूट प्रदान की जाएगी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि भारत सरकार द्वारा अग्निपथ योजना शुरू की गई है, जो देशभक्त और प्रेरित युवाओं को सशस्त्र बलों (भारतीय सेना, भारतीय नौसेना और भारतीय वायु सेना) में सेवा करने का अवसर देती है। इसके तहत अग्निवीरों का पहला बैच 2026 में सेवा से बाहर आएगा। उत्तर प्रदेश के पूर्व अग्निवीरों को प्रदेश सरकार के इस निर्णय का लाभ

मिलेगा। इसके अलावा योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश औयोको गिक निवेश एवं रोजगार प्रोत्साहन नीति-2017 के तहत मेगा श्रेणी के औद्योगिक उपक्रमों के द्वारा 5 इकाईयों को प्रोत्साहन धनराशि दिए जाने का निर्णय लिया गया। इसके तहत, एसएलएमजी बेवरेज प्रा. लि., बाराबंकी को अनुमानित वितीय प्रोत्साहन / सुविधाओं की प्रथम किस्त के रूप में 38,73,01,888 रुपए, सिल्वरटन पल्प एंड पेपर्स प्रा. लि. मुजफ्फरनगर को 1,88,99,905 रुपए, एसीसी लि., अमेठी को 17,28,07,828 वंडर सीमेन्ट लि. अलीगढ़ को 38,32,30,659 और मून वेबरेजेज हापुड़ को अनुमानित वित्तीय प्रोत्साहन / सुविधाओं की प्रथम किस्त की धनराशि 8,68,31,672 रुपए की वित्तीय स्वीकृति दी गई। योगी कैबिनेट ने उत्तर प्रदेश बेड एंड ब्रेकफास्ट (बीएंडबी) एवं होमस्टे नीति-2025 को भी मंजूरी दे दी है। इस नई नीति का उद्देश्य राज्य के धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को ठहरने की बेहतर और सुलभ सुविधा प्रदान करना है। पर्यटन विभाग के प्रस्ताव के अनुसार, अक्सर देखने में आता है कि प्रमुख धार्मिक या पर्यटन स्थलों पर होटल फुल हो जाते हैं, जिससे पर्यटकों को रुकने में परेशानी होती है। इसी समस्या के समाधान के लिए यह नीति तैयार की गई है। लोकभवन के सभागार में आयोजित कैबिनेट बैठक में कुल 11 प्रस्ताव अनुमोदन के लिए रखे गए, जिसमें कैबिनेट ने 10 प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की। बीएंडबी एवं होमस्टे नीति-2025 के अनुसार धार्मिक और पर्यटन स्थलों में कोई भी व्यक्ति अपने 1 से 6 कमरों तक की इकाई को होमस्टे के रूप में रजिस्टर करा सकता है। इसके तहत, अधिकतम 12 बेड की अनुमति होगी। कोई भी पर्यटक लगातार 7 दिन तक इस सुविधा का लाभ उठाते हुए यहां ठहर सकता है। इससे अधिक ठहरने की स्थिति में रिन्यूअल की भी व्यवस्था होगी। अनुमति की प्रक्रिया जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की अगुवाई वाली कमेटी के माध्यम से पूरी की जाएगी। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में होमस्टे इकाइयों के लिए 500 से 750 रुपए तक का नाममात्र शुल्क लिया जाएगा। वहीं, शहरी या सिल्वर श्रेणी के होमस्टे के लिए 2,000 रुपए का आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जीवंत सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थलों के कारण यह राज्य विदेशी और घरेलू पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। राज्य में पहले ऐसी कोई नीति न होने के कारण होमस्टे संचालकों को केंद्र सरकार के निधि प्लस पोर्टल पर पंजीकरण कराना पड़ता था। अब राज्य सरकार की इस नई नीति के तहत वे स्थानीय निकायों की अनापत्ति लेकर सरल प्रक्रिया से पंजीकरण कर सकेंगे। सुरेश खन्ना ने बताया कि इसके अतिरिक्त, इस नीति में वित्तीय प्रोत्साहन और अनुदान की भी व्यवस्था की गई है ताकि राज्य के निवासियों को प्रोत्साहित किया जा सके कि वे अपने घरों को पर्यटन हित में उपयोग करें। इस नीति के लागू होने से न केवल पर्यटकों को सस्ते और सुविधाजनक ठहरने का विकल्प मिलेगा, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आय के नए अवसर भी सृजित होंगे। यह नीति प्रदेश की अर्थव्यवस्था और पर्यटन अवसंरचना को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होगी। सार्वजनिक वितरण प्रणाली को सुदृढ करने एवं राशन कार्ड धारकों को खाद्यान्न सुचारू रूप से उपलब्ध कराने के लिए मॉडल उचित दर दुकानों/अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा रहा है। इन भवनों के निर्माण में गति लाने के लिए राजकोषीय बचत से भी अन्नपूर्णा भवनों के निर्माण का निर्णय लिया गया है। अब मनरेगा के अतिरिक्त राज्य वित्त आयोग, सांसद निधि, विधायक निधि, पूर्वांचल विकास निधि, बुन्देलखण्ड विकास निधि या अन्य किसी राज्य या केन्द्र सरकार की योजना, जिसमें इनका निर्माण अनुमानित है, अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण कराया जा सकेगा। जहां इन योजनाओं के माध्यम से धनराशि की उपलब्धता नहीं हो सकेगी, वहां खाद्य एवं रसद विभाग द्वारा बचत से धनराशि की व्यवस्था की जाएगी। इस प्रकार प्रति जनपद 75-100 अन्नपूर्णा भवनों का निर्माण प्रति वर्ष कराया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त इस भवनों के अनुरक्षण इत्यादि की व्यवस्था का भी प्रावधान किया गया है।

पीयूष गोयल ने सिंगापुर के साथ भारतीय शिपिंग क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा की

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गायल ने मंगलवार को सिंगापुर के उप-प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ मुलाकात की। उन्होंने आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने तथा भारतीय शिपिंग क्षेत्र में व्यापक अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। इसके साथ ही उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों, विशेष रूप से शिपिंग क्षेत्र में भारत की ओर से प्रदान किए जाने वाले जबरदस्त अवसरों पर प्रकाश डाला। इससे पहले गोयल ने तीन दिवसीय फ्रांस की आधिकारिक यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांसीसी नेताओं और कारोबारियों से मुलाकात की थी। वाणिज्य मंत्री ने देर रात पेरिस में शीर्ष फ्रांसीसी मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) के साथ कई उच्च स्तरीय बैठकें कीं। इसके अलवा गोयल ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। वाणिज्य मंत्री ने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के ईडी फतिह बिरोल, नाइजीरिया के व्यापार मंत्री जुमोके ओडुवोले, फ्रांस के अर्थव्यवस्था और वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड, ऑटोमोटिव आपूर्तिकर्ता कंपनी वेलियो ग्रुप के सीईओ क्रिस्टोफ पेरिलाट और लोरियल ग्रुप के सीईओ निकोलस हिरोनिमस सहित शीर्ष सीईओ और मंत्रियों के साथ कई बैठकें की हैं और भारत में निवेश के विशाल अवसरों पर प्रकाश डाला है। पेरिस में हुई बैठक में अक्षय ऊर्जा, ऑटोमोबाइल विनिर्माण, इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) और उपभोक्ता उत्पादों जैसे प्रमुख क्षेत्रों में भारत के विकास के लिए नए अवसरों का पता लगाया गया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) के कार्यकारी निदेशक के डॉ. फतिह बिरोल से भी मुलाकात की। उन्होंने बताया कि बिरोल से मिलकर खुशी हुई। इस दौरान समग्र वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य और भारत और आईईए के बीच गहरी होती साझेदारी पर अच्छी चर्चा हुई। गोयल ने कहा कि अपने कार्यक्रमों के एक भाग के रूप में ईडीएफ एनर्जी के अध्यक्ष और सीईओ बर्नार्ड फोंटाना से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अक्षय ऊर्जा क्षेत्र में भारत के बढ़ते नेतृत्व और हमारे विकास रोडमैप में सतत ऊर्जा समाधानों को और एकीकृत करने के रीकों पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने ऑटोमोटिव विनिर्माण और ईवी पारिस्थितिकी तंत्र में भारत की क्षमता पर प्रकाश डालने के लिए रेनॉल्ट समूह के सीईओ लुका डी मेओ से भी मुलाकात की।

तुर्की की कंपनी सेलेबी का मध्यस्थता आवेदन भारत में खारिज

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। तुर्की की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी का भारत में मध्यस्थता आवेदन खारिज हो गया है। यह जानकारी तुर्की की प्रवर्तक कंपनी की ओर से एक्सचेंज फाइलिंग में दी गई। सेलेबी ने अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट द्वारा कंपनी से करार रद्द किए जाने के बाद मध्यस्थता आवेदन अहमदाबाद की वाणिज्यिक अदालत में दायर किया था। जब भी दो कंपनियों के बीच कोई विवाद हो जाता है, तो उसे सुलझाने के लिए मध्यस्थता आवेदन को वाणिज्यिक अदालत में एक पक्ष के द्वारा दायर किया जाता है। सेलेबी ग्राउंड हैंडलिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में 61 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाली सेलेबी एयरपोर्ट होल्डिंग ने कहा, अहमदाबाद वाणिज्यिक अदालत में अदाणी अहमदाबाद इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के विरुद्ध 27 मई को दायर मध्यस्थता आवेदन को 02 जून को खारिज कर दिया गया था। कंपनी ने कहा कि इस मुद्दे के खिलाफ अब वह सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर करेगी। पहलगाम आतंकवादी हमलों और 26 पर्यटकों की हत्या का बदला लेने के लिए भारत द्वारा शुरू किए गए ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की द्वारा पाकिस्तान को दिए गए समर्थन के मद्देनजर भारत सरकार ने भारतीय हवाई अड्डों पर तुर्की की ग्राउंड-हैंडलिंग कंपनी सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज की सुरक्षा मंजूरी रद्द कर दी है। सुरक्षा मंजूरी रद्द करते समय नागर विमानन मंत्रालय ने कहा, राष्ट्रीय सुरक्षा के हित में सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड की सिक्योरिटी क्लियरेंस को तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के निदेर्शानुसार, दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डीआईएएल) ने इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट (आईजीआईए) पर ग्राउंड हैंडलिंग और कार्गो ऑपरेशन के लिए जिम्मेदार सेलेबी के साथ कॉन्ट्रैक्ट रद्द कर दिया था। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स ने मुंबई और अहमदाबाद एयरपोर्ट पर तुर्की की कंपनी सेलेबी के साथ ग्राउंड हैंडलिंग समझौते को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दिया था।

राहुल ने कांग्रेस विधायक दल की बैठक को किया संबोधित

भोपाल/ एजेंसी । लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने आज अपने एकदिवसीय भोपाल प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश कांग्रेस विधायक दल को संबोधित करते हुए उनका मार्गदर्शन किया। श्री गांधी ने यहां प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में इस बैठक को संबोधित किया। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस प्रभारी हरीश चौधरी, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवार और विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी उपस्थित रहे। बैठक के संबंध में श्री सिंघार ने सोशल मीडिया पर बताया कि आज संगठन सृजन अभियान के तहत श्री गांधी ने प्रदेश कांग्रेस कार्यालय (इंदिरा भवन) में कांग्रेस विधायक दल की बैठक को संबोधित किया। इस बैठक में मध्यप्रदेश कांग्रेस के सभी विधायक दल के नेता साथ मौजूद रहे। संगठन सृजन अभियान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी द्वारा संचालित एक व्यापक संगठनात्मक पुनर्गठन कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य पार्टी को बूथ स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक सशक्त बनाना है। इसके साथ ही श्री गांधी ने पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति की बैठक को भी संबोधित किया। इस दौरान संगठन सृजन अभियान के साथ मध्यप्रदेश में कांग्रेस की संगठन विस्तार योजनाओं पर चर्चा की गई।

देश में कोरोना संक्रमण से पांच और मरीजों की मौत, सक्रिय मामलों 4026 पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। देशभर में कोराना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या मंगलवार सुबह बढ़कर 4026 तक पहुंच गयी। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से पांच और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 37 पहुंच गयी है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से आज सुबह आठ बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार देश में कोरोना के सक्रिय मामलों की संख्या बढ़कर 4026 पहुंच गयी। अभी तक 2700 मरीजों को स्वस्थ्य होने पर अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और एक जनवरी से अब तक 37 लोगों की मौत हुयी है। पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 65 सक्रिय मामले सामने आये हैं और 512 मरीजों के स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गयी है लेकिन इस अवधि के दौरान पांच और मरीजों की जान चली गयी। जिन पांच मरीजों की मौत हुई उनमें केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के एक-एक, महाराष्ट्र के दो मरीज हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि कोविड की स्थिति पर निरंतर नजर रखी जा रही है। मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि उन्हें घबराने की आवश्यकता नहीं हैं और भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचना चाहिये, या फिर मास्क का इस्तेमाल करने तथा कोरोना के नियमों का पालन करने को कहा है। कुल सक्रिय मामलों के सबसे अधिक 1416 केरल में और उसके बाद 494 महाराष्ट्र में हैं। दिल्ली में 393 मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा गुजरात में 397, पश्चिम बंगाल में 372, कर्नाटक में 311, तमिलनाडु में 215, उत्तर प्रदेश में 138, राजस्थान में 75, हरियाणा में 44, आंध्र प्रदेश में 28, पुडुचेरी में 27, मध्य प्रदेश में 21, झारखंड, छत्तीसगढ और बिहार में 11-11, ओडिशा में 15, जम्मू-कश्मीर और पंजाब नौ-नौ, गोवा में आठ, असम में छह, सिक्किम और तेलंगाना में चार-चार, अरुणाचल प्रदेश, उत्तराखंड में तीन, मिजोरम में दो और चंड़ीगढ़ में कोरोना के दो सक्रिय मामले हैं।

विशेष सत्र | **पत्र लिखा गया है और इस पर 16 राजनीतिक दलों के नेताओं के हस्ताक्षर हैं..........**

इंडिया समूह ने दोहराई संसद का विशेष सत्र बुलाने की मांग, मोदी को लिखा पत्र

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के इंडिया समूह ने पहलगाम हमला, आपरेशन सिंदूर, सैन्य कार्रवाई तथा आतंकवाद को खत्म कर पाकिस्तान को अलग-थलग करने में देश कितना सफल रहा इन सब मुद्दों पर व्यापक चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाने की मंगलवार को मांग करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखा है जिसमें 16 दलों के नेताओं ने हस्ताक्षर किये हैं। इंडिया समूह के नेताओं ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद की स्थिति और सांसदों के सात प्रतनिधि मंडलों को दुनिया के विभिन्न देशों की राजधानियों में भेजकर आतंकवाद पर हम अपना पक्ष रखने में कितना सफल रहे इसकी जानकारी देश चाहता है। विपक्षी दलों ने कहा

कि सांसदों का प्रतिनिधि मंडल लौट रहा है और इसमें दुनिया को समझाने में हम कितना सफल रहे इस बारे में सारी जानकारी संसद में दी जानी चाहिए। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि पूरी दुनिया को बताने के लिए सांसदों का प्रतिनिधि मंडल विदेशों में भेजा जाता है लेकिन अपनी संसद और उसके माध्यम से देश की जनता को कुछ नहीं बताया जाता है। संसद सत्र को आवश्यक बताते हुए उन्होंने कहा कि विशेष सत्र बुलाकर सांसदों और देश को पूरे घटनाक्रम की जानकारी देना जरूरी है। बैठक के बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद देश जानना चाहता है कि पाकिस्तान को आतंकवाद के नाम पर दुनिया में अलग थलग करने तथा आतंकवाद को खत्म करने में हमारी कोशिश कितना सफल रही है। यह बात संसद में बताई जानी चाहिए इसलिए संसद का विशेष सत्र बुलाना चाहिए। उन्होंने कहा कि गठबंधन के 16 दलों के नेताओं ने बैठक में हिस्सा लिया और श्री मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र बुलाने की मांग की है। इस सत्र में पहलगाम आतंकी हमले और उसके बाद पाकिस्तान के खिलाफ की गई सैन्य कार्रवाई तथा कार्रवाई रोकने में अमेरिकी दखल और अन्य मुद्दों पर देश को जानकारी दी जानी चाहिए। कांग्रेस सांसद ने कहा कि आतंकी हमले के बाद पूरा देश एकजुट था और कांग्रेस पार्टी तथा सभी विपक्षी दल अपने सशस्त्र बलों और सरकार के समर्थन में खड़े थे। जब अमेरिका ने सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा की तो इसने सभी को चौंका दिया इसलिए देश जानना चाहता है कि आखिर ऐसा कैसे हुआ। विपक्ष सरकार से लगातार संसद सत्र का विशेष सत्र बुलाकर जानकारी साझा करने की मांग कर रहा है ताकि सभी दल हमारे सशस्त्र बलों को धन्यवाद दे सकें। पहलगाम से लेकर ऑपरेशन सिंदूर और अमेरिका से सैन्य कार्रवाई रोकने की घोषणा तक की स्थिति पर संसद में बात होनी चाहिए और देश को बताया जाना चाहिए कि आतंकवाद को कैसे खत्म करना है और इस पर हमारी अगली रणनीति क्या है इसको लेकर संसद में ही व्यापक चर्चा होनी चाहिए। राष्ट्रीय जनता दल के मनोज झा ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सैन्य कार्रवाई रोकने में अपनी भूमिका को लेकर 15 दिनों में 13 बयान दिए और उनके बयानों से भारत की भावनाएं आहत हुई हैं। इन बयानों से पूरा राष्ट्र आहत है। सरकार अगर संसद का सत्र बुलाती है तो सत्र में इस मुद्दे पर पूरी संसद एक स्वर में अपनी बात रखती। यह सरकार और विपक्ष का मामला नहीं है, यह जवाबदेही का मामला है। सरकार संसद के लिए और संसद देश की जनता के लिए जिम्मेदार है। समाजवादी पार्टी के राम गोपाल यादव ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद आतंकवादी ठिकानों पर हमला और फिर पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई हुई। उसमें हम कितना सफल हुए और आज हमारी स्थिति क्या है, किन देशों ने इस कार्रवाई के दौरान हमारा साथ दिया, यह यह देश जानना चाहता है। असली बात यह है कि इस कार्रवाई के दौरान एक भी देश भारत के समर्थन में सामने नहीं आया जबकि पाकिस्तान का कुछ देशों ने खुलकर समर्थन किया।

मोदी ने बाढ़ प्रभावित असम और सिक्किम के मुख्यमंत्री से की बात, हर संभव मदद का दिया आश्वासन

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली। पूर्वोत्तर राज्यों में बाढ़ के कारण स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पूर्वोत्तर राज्यों के कई मुख्यमंत्रियों से बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति पर बात की। साथ ही उन्होंने केंद्र सरकार की ओर से हर संभव मदद का आश्वासन दिया। जानकारी के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी ने असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, सिक्किम के मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग और मणिपुर के राज्यपाल अजय भल्ला से बात की। इस दौरान उन्होंने भारी बारिश और बाढ़ के कारण उत्पन्न हुई स्थिति के बारे में भी जानकारी ली। प्रधानमंत्री ने उन्हें हर संभव मदद और समर्थन का आश्वासन दिया। इससे पहले, सोमवार को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जे.पी. नड्डा ने पूर्वोत्तर राज्यों के कई हिस्सों में हो रही लगातार भारी बारिश पर गहरी चिंता जताई थी। जे.पी. नड्डा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की और भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकताओं को राहत कार्यों में सक्रिय रूप से भाग लेने का निर्देश दिया है। नड्डा ने अपनी पोस्ट में लिखा, पूर्वोत्तर राज्यों के कुछ हिस्सों में लगातार हो रही भारी बारिश से प्रभावित लोगों के लिए बहुत चिंतित हूं। मैंने भाजपा की राज्य इकाइयों और कार्यकताओं को जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया है। मैं प्रभावित क्षेत्रों में सभी से आग्रह करता हूं कि वे आवश्यक सावधानी बरतें, अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय अधिकारियों की सलाह का पालन करें।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 04 जून, 2025

संक्षिप्त समाचार

रोशनदान तोड़कर आश्रय गृह से भागा किशोर दिल्ली में मिला

हरिद्वार, एजेंसी। कनखल थाना क्षेत्र में खुला आश्रय गृह से शुक्रवार तड़के रोशनदान तोड़कर फरार हुए किशोर को देर रात दिल्ली से ढूंढ लिया। किशोर अपने घर पहुंच गया था। संस्था की टीम ने लिखा-पढ़ी के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया है। इधर, पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस के अनुसार, खुला आश्रय गृह कनखल की अधीक्षक अपर्णा तिवारी की तरफ से दी गई शिकायत में बताया गया था कि खुला आश्रय गृह में रेलवे चाइल्ड लाइन हरिद्वार की टीम 27 मई की मध्यरात्रि बजरंगपुरा दिल्ली निवासी एक किशोर को अस्थायी आश्रय के लिए लेकर आई थी। बालक को यहां आश्रय दिया गया। तब से वह यहां रह रहा था। शुक्रवार तड़के रोशनदान को तोड़कर कर वह भाग निकला। उसके कमरे में पहुंचने पर इसका पता चला। शिकायत मिलते ही पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया था। पुलिस के अलावा संस्था की टीम भी खोजबीन में लगी थी। थानाध्यक्ष चंद्रमोहन सिंह ने बताया कि किशोर संस्था को दिल्ली में ही अपने घर पर मिल गया है। प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया है।

नशे के तस्कर को 14 वर्ष का कारावास, एक लाख रुपये का अर्थदंड

नैनीताल, एजेंसी। प्रथम अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश व विशेष न्यायाधीश विक्रम की अदालत ने शनिवार को नशे के इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार बनभूलपुरा निवासी सलमान कुरैशी को 14 वर्ष का कारावास और एक लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड की राशि जमा नहीं करने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। मामले के अनुसार एसआई अमर पाल सिंह ने बनभूलपुरा थाने में 27 नवंबर 2021 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कहा कि वह हमराही के साथ गश्त पर थे। इसी समय सलमान कुरैशी निवासी लाइन नंबर 18 बनभूलपुरा हल्द्वानी को पकड़ा जिसके बैग से 49 नशे के इंजेक्शन बरामद हुए। औषधि निरीक्षक मीनाक्षी बिष्ट और उच्चाधिकारियों के आदेश पर कुसुम रावत ने विवेचना के तहत बरामद इंजेक्शन को विधि विज्ञान प्रयोगशाला में जांच कराई। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायालय ने सजा सुनाई।

समर कैंप में सिखाया मेहंदी लगाना और चित्रकारी

बागेश्वर/गरुड़/काफलीगैर, एजेंसी। जिले के विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के दौरान समर कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय समेत ग्रामीण विद्यालयों में चल रहे समर कैंप के छठे दिन छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भागीदारी की। आज कैंप का समापन होगा। विक्टर मोहन जोशी राइंका में विद्यार्थियों ने मेहंदी, ऐपण, खो-खो, कबड्डी आदि प्रतियोगिताओं में भागीदारी की। शिक्षक संजय मसीह, चंपा बोरा और ममता नेगी ने प्रतियोगिता का संचालन किया। प्रधानाचार्य दीप चंद्र जोशी ने बताया कि विजेताओं को समापन पर पुरस्कृत किया जाएगा। राइंका काफलीगैर में पोस्टर, निबंध, मेहंदी आदि प्रतियोगिताएं हुईं। प्रधानाचार्य राजीव निगम ने शिविर को बच्चों के व्यावहारिक ज्ञान के लिए लाभदायक बताया। राउप्रावि ओखलीसिरौद में योग, खेलकूद, अंताक्षरी, भाषण, वाद-विवाद, चित्रकला, संगीत आदि गतिविधियां कराई गईं। कैंप का संचालन प्रधानाध्यापक हरगोविंद भट्ट ने किया। गरुड़ के राइंका गरुड़, अमस्यारी, वज्यूला, राउप्रावि उड़खुली आदि विद्यालयों में भी रविवार को प्रतियोगिताएं और भाषा संबंधी गतिविधियां कराई गईं।

सेहत के लिए साइकिल चलाने का दिया संदेश

अल्मोड़ा, एजेंसी। खेल विभाग की ओर से फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान के तहत साईकिल रैली आयोजित की गई। रैली में जिले के 100 से अधिक युवाओं और विद्यार्थी ने प्रतिभाग किया। नगर के चौघानपाटा से आरसीएम मॉल तक निकाली गई साइकिल रैली को नगर निगम के मेयर अजय वर्मा ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डीएसओ महेशी आर्या ने कहा कि रैली का उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था।

अंकिता भंडारी मर्डर केस : नहीं मिला वीआईपी का कनेक्शन, पता लगाने के लिए एसआईटी 5000 लोगों तक पहुंची

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश के बहुचर्चित अंकिता भंडारी हत्याकांड में कथित वीआइपी का पता लगाने के लिए एसआइटी लगभग 5000 लोगों तक पहुंची। इसके अलावा 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की गई, लेकिन जांच में वनंतरा रिसार्ट में कोई वीआइपी कनेक्शन सामने नहीं आया। एसआइटी को इस बात का प्रमाण भी नहीं मिला कि वनंतरा रिसार्ट में कोई वीआइपी आने वाला था।

पौड़ी जनपद के यमकेश्वर विकासखंड में गंगा भोगपुर तल्ला स्थित वनंतरा रिसार्ट में रिसेप्शनिस्ट डोभ-श्रीकोट गांव निवासी अंकिता भंडारी की 18 सितंबर 2022 को रिसार्ट के मालिक पुलकित आर्य, प्रबंधक सौरभ भास्कर व सहायक प्रबंधक अंकित गुप्ता ने हत्या कर दी थी।

तीन दिन बाद राजस्व पुलिस से नियमित पुलिस को स्थानांतरित होने के बाद जब मामला खुला तो यह चर्चा सामने आई कि अंकिता पर रिसार्ट में आने वाले किसी वीआइपी को एक्स्ट्रा सर्विस देने के लिए दबाव बनाया जा रहा था।

यह भी आरोप लगा कि इसके उसे

10 हजार रुपये देने की पेशकश भी की गई। अंकिता ने जब इससे इंकार कर दिया तो पुलकित, सौरभ और अंकित ने उसे ठिकाने लगाने का षड्यंत्र रच डाला।

मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश सरकार ने 24 सितंबर 2022 को चीला नहर से अंकिता का शव बरामद होने के बाद हत्याकांड की जांच के लिए डीआइजी पी. रेणुका देवी के नेतृत्व में एसआइटी गठित की गई थी, जिसमें सीओ शेखर सुयाल (अब एसपी हरिद्वार देहात) व निरीक्षक राजेंद्र खोलिया को भी शामिल किया गया।

एसआइटी ने घटनाक्रम के साथ रिसार्ट में वीआइपी के आने की चर्चा की भी प्रमुखता से जांच की। इसके लिए दोषियों के संपर्क में रहे मोबाइल नंबरों की डिटेल खंगाली गई। इससे लगभग 5,000 लोगों को चिह्नित कर एसआइटी ने उनसे पूछताछ की। इसके अलावा 500 से अधिक सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली।

एसआइटी जांच में शामिल रहे एसपी हरिद्वार देहात शेखर सुयाल के अनुसार, कथित वीआइपी को लेकर विस्तृत जांच की गई, लेकिन वनंतरा रिसार्ट से किसी वीआइपी का कनेक्शन सामने नहीं आया। इस बात के प्रमाण भी नहीं मिले कि वहां कोई वीआइपी आने वाला था।

अंकिता से पूर्व रिसार्ट में 10 महिलाएं काम कर चुकी थीं। एसआइटी ने सभी का रिकार्ड खंगाला और एक-एक करके उनसे पूछताछ की। इसमें सामने आया कि किसी ने एक महीने तो किसी ने 20 दिन में ही काम छोड़ दिया। इसके पीछे पुलकित, सौरभ और अंकित का गलत व्यवहार सामने आया। एसआइटी ने जब वनंतरा रिसार्ट पहुंचकर जांच की तो पता चला कि वहां लगे सीसीटीवी कैमरे खराब हैं। रिसार्ट में आने वाले मेहमानों का नाम केवल रजिस्टर में दर्ज होता था। स्टाफ को भी एक-दूसरे से कम ही मिलने दिया जाता था। यही कारण है कि रिसार्ट के अंदर होने वाले कारनामों का काला चिट्ठा पूरी तरह नहीं खुल पाया। अंकिता हत्याकांड के मुख्य अभियुक्त पुलकित ने बयानों में कहा कि घटना वाली घटनास्थल पर रात नौ बजे चांद की रोशनी से काफी उजाला था। पहले अंकिता ने उसका मोबाइल लेकर पानी में फेंका और फिर खुद दुर्घटनावश नहर में जा गिरी। पुलकित के बयान की सत्यता जांचने को एसआइटी ने कोलकाता में मौसम विभाग के विशेषज्ञों से पत्राचार किया। मौसम विशेषज्ञों ने जवाब भेजा कि जिस जगह की बात की जा रही है।

विस्फोटक अधिनियम के दो आरोपी न्यायालय से दोषमुक्त

अल्मोड़ा, एजेंसी। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्मोड़ा दयाराम की अदालत ने विस्फोटक अधिनियम के आरोपी राम सिंह, शेर सिंह को दोष मुक्त किया। अभियोजन की कहानी के अनुसार 29 मई 2021 को डीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार, पुलिस उपाधीक्षक व राजस्व उप निरीक्षक पल्यूं और सदर अल्मोड़ा ने ग्राम कलौन में एक निजी आवास का निरीक्षण किया तो उस मकान से विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ। जिस पर अभियुक्त शेर सिंह को मौके पर गिरफ्तार किया गया था। जांच के उपरांत विवेचनाधिकारी ने मैगजीन मालिक राम सिंह व शेर सिंह के विरुद्ध न्यायालय में आरोप पत्र प्रस्तुत किया। अदालत ने दोनों आरोपियों को दोष मुक्त किया।

वन विभाग ने सितारगंज भेजा 220 क्विंटल पिरूल

बागेश्वर, एजेंसी। जिले में पिरूल एकत्रीकरण केंद्र खुलने के बाद तेजी से पिरूल एकत्र हो रहा है। वन विभाग ने अब तक एकत्रीकरण केंद्रों से 220 क्विंटल पिरूल सितारंगज की शुगर मिल में भेज दिया है। विभाग ने जिले में 27 पिरूल एकत्रीकरण केंद्र बनाए हैं। जिनमें महिला स्वयं सहायता समूह, महिला मंगल दल, नवयुवक मंगल दल जंगलों में गिरे पिरूल को एकत्र कर पहुंचा रहे हैं। विभाग की ओर से 10 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से पिरूल खरीदा जा रहा है।

दुकानों के आगे लगी लक्ष्मण रेखा लांघी तो होगा चालान

बागेश्वर, एजेंसी। नगर पालिका ने अतिक्रमण के खिलाफ अभियान चलाते हुए दुकानों के बाहर लक्ष्मण रेखा खींचकर लाइन से बाहर सामान न फैलाने की हिदायत दी है।

लाइन से आगे सामान रखने पर चालान किया जाएगा। रविवार को नगर पालिका के कर्मचारियों ने कत्यूर बाजार क्षेत्र में दुकानों के आगे एक फुट की जगह के बाद सफेद रंग की लाइनें डाली।

पालिका के ईओ मुहम्मद यामीन शेख ने बताया कि बोर्ड बैठक में अतिक्रमण के खिलाफ सख्ती करने का प्रस्ताव पास हुआ है। नियम उल्लंघन पर चालान होगा।

प्रदेश में लगेंगे तीन और डॉप्लर रडार, बादल फटने या अतिवृष्टि लग सकेगा पूर्वानुमान

देहरादून, एजेंसी।
प्रदेश में तीन और डॉप्लर रडार लगने से बादल फटने या अतिवृष्टि पूर्वानुमान लग सकेगा। मौसम विज्ञान विभाग राज्य में मौसम की अधिक सटीक जानकारी देने के लिए तीन और डॉप्लर रडार लगाने की तैयारी कर रहा है। इन रडार से बादल फटने या अतिवृष्टि आदि का पूर्वानुमान लग सकेगा। इससे समय रहते सुरक्षात्मक कदम उठाने में मदद मिलेगी।

उत्तराखंड आपदा की दृष्टि से संवेदनशील राज्य है। इस कारण स्थानीय स्तर पर मौसम से जुड़ी सटीक जानकारी जुटाने के लिए मौसम विज्ञान विभाग तीन और जगहों पर डॉप्लर रडार लगाने की तैयारी कर रहा है।

चकराता में हादसा : टाइगर फॉल के निरीक्षण के लिए जा रही जिला पर्यटन अधिकारी की कार दुर्घटनाग्रस्त

देहरादून, एजेंसी। टाइगर फॉल के निरीक्षण के लिए जा रही जिला पर्यटन अधिकारी का वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। चकराता में टाइगर फॉल के निरीक्षण के लिए जा रही जिला पर्यटन अधिकारी की कार कोरूवा के पास अनियंत्रित होकर सड़क से नीचे गिर गई। दुर्घटना में जिला पर्यटन अधिकारी सीमा नौटियाल और चालक बाल-बाल बच गए। इसके बाद जिला पर्यटन अधिकारी दूसरे वाहन से टाइगर फॉल के निरीक्षण के लिए चकराता रवाना हुई।

बाइक सवार बदमाशों ने हरियाणा के होटल कारोबारी को मारी गोली, हायर सेंटर रेफर

हरिद्वार, एजेंसी।
उत्तरी हरिद्वार के खड़खड़ी क्षेत्र में बाइक सवार तीन बदमाशों ने हरियाणा के होटल कारोबारी को गोली मार दी। पीठ और हाथ पर गोली लगने से कारोबारी लहुलुहान हो गए। सरेशाम गोलीकांड से वहां अफरातफरी मच गई। हरियाणा के रोहतक निवासी कारोबारी ने 10 दिन पहले ही लीज पर होटल लिया था। पुलिस जानलेवा हमले को गांव की रंजिश से जोड़कर देख रही है। कारोबारी को गंभीर हालत में हायर सेंटर रेफर किया गया है। बदमाशों की तलाश में पूरे जिले में चेकिंग की जा रही है।

पुलिस के अनुसार, हरियाणा के रोहतक जिले के सातला गांव के अरुण कुमार सोमवार की शाम करीब छह बजे अपने होटल खन्ना रेजिडेंसी के बाहर आइसक्रीम खा रहे थे। उसी दौरान एक बाइक पर सवार तीन बदमाश वहां पहुंचे। बाइक पर बैठे एक बदमाश ने अरुण पर गोलियां चला दी। एक गोली अरुण के हाथ और दूसरी पीठ पर लगी। लोग जुटने लगे तो बदमाश दूधाधारी तिराहे की ओर भाग हो गए।

आस-पास के कारोबारियों ने पुलिस को सूचना देकर घायल अरुण को अस्पताल पहुंचाया। एसपी सिटी पंकज गैरोला, सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी और शहर कोतवाल रितेश शाह ने मौके पर पहुंचकर घटना की जानकारी जुटाई। पता चला कि बदमाश बिना नंबर प्लेट की बाइक पर सवार थे।

चूंकि अरुण हरियाणा के निवासी हैं और 10 दिन पहले ही हरिद्वार आकर कारोबार कर रहे हैं, ऐसे में पुलिस मान रही है कि

हमले का संबंध किसी पुरानी रंजिश से हो सकता है। बदमाशों के भी हरियाणा के निवासी होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेंद्र डोबाल ने बताया कि गोलीकांड में घायल होटल कारोबारी को हायर सेंटर रेफर किया गया है। हमले का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। कारोबारी के स्वजन हरिद्वार के लिए रवाना हो गए हैं। बदमाशों की तलाश की जा रही है। जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जाएगा। कुछ दूरी पर आश्रम में ठहरे थे बदमाश पुलिस की शुरू की छानबीन में सामने आया है कि तीनों बदमाश कुछ दूरी पर सूखी नदी के समीप श्री आनंद आश्रम में ठहरे हुए थे। पुलिस ने आश्रम में जाकर भी पड़ताल की है। अभी यह पता नहीं चल पाया है कि बदमाशों ने आश्रम में अपना आईडी प्रूफ जमा किया था या नहीं। सीसीटीवी की फुटेज में बदमाशों के हुलिये के आधार पर पुलिस उनका पता लगा रही है।

भीषण अग्निकांड में पांच दुकानें व मकान जलकर राख, भवाली बाजार में हड़कंप, ऊंची-ऊंची लपटें देख सहमे लोग

नैनीताल, एजेंसी।
सोमवार शाम करीब आठ बजे एक दुकान से आग की लपटें उठना शुरू हुईं। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते दुकान ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी भयानक थी कि एक के बाद एक अगल-बगल की चार और दुकानें इसकी चपेट में आ गईं।

नैनीताल में भवाली के देवी मंदिर के पास सोमवार की रात 8 बजे शॉर्ट सर्किट से पांच दुकानों और उनके ऊपर बने मकान भीषण आग से जलकर राख हो गए। एक दुकान में लगी आग ने चार और दुकानों को अपनी चपेट में ले लिया और मुख्य बाजार आग की लपटों से धधक उठी। प्रथम तल पर दुकानों में लगी आग ने दुकानों के ऊपर मकानों को भी राख कर दिया। इस दौरान वहां अफरा-तफरा का माहौल पैदा हो गया। आग लगने के काफी देर बाद तक यहां फायर ब्रिगेड के वाहन पहुंचे मगर तब तक लाखों रुपयों नुकसान हो चुका था।

सोमवार शाम करीब आठ बजे एक दुकान से आग की लपटें उठना शुरू हुईं। इससे पहले कि लोग कुछ समझ पाते दुकान ने विकराल रूप ले लिया। आग इतनी भयानक थी कि एक के बाद एक अगल-बगल की चार और

दुकानें इसकी चपेट में आ गईं। फायर ब्रिगेड वाहनों के पहुंचने तक लोग अपने-अपने घरों से बाल्टी और डिब्बों से पानी डालकर आग बुझाने में लगे रहे, लेकिन आग की लपटें तेज होने से काबू नहीं पाया जा सका। लोग लाचार होकर दुकान और घरों को जलता हुआ देखते रहे। फायर ब्रिगेड के वाहनों ने रात करीब 10.30 बजे आग पर काबू पाया। विकराल आग ने नीरू बधानी, बब्बू अहमद, महेश कनौजिया, नासिर, लक्ष्मी नेगी और कमला चौधरी की दुकानों को तबाह कर दिया। दुकान स्वामियों ने बताया कि आग शॉर्ट सर्किट के चलते एक दुकान से अन्य दुकानों में लग गई। उन्होंने कहा कि आग लगने से लाखों रुपये का नुकसान हुआ है। व्यापारियों ने प्रशासन से उचित मुआवजा दिलाने की मांग की है।

बाजार में आग के चलते ऊर्जा निगम ने बाजार क्षेत्र के एक फीडर की लाइट सुरक्षा की दृष्टि से बंद कर दी थी। एसडीओ मनोज तिवारी ने बताया कि आग लगने की सूचना मिलते ही बिजली तीन घंटे तक बंद रही। जल संस्थान के आरपी डोभाल ने बताया कि आग बुझाने के लिए विभाग की ओर से फायर ब्रिगेड वाहनों में पानी के टैंकर भराए।

मुख्य मार्ग के समीप लगी दुकानों की आग बहुत विकराल थी। इस कारण सड़क पर ट्रैफिक रोक दिया गया। इससे घटनास्थल से कुछ दूरी पर सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार भी लग गई। आग की भयावहता से हर कोई हैरान और चिंतित था।

आग लगने की सूचना पर एसपी डॉ. जगदीश चंद्र और सीओ प्रमोद साह ने मौके पर पहुंचकर आग लगने के कारणों का पता लगाया। कोतवाल उमेश मलिक ने बताया कि पांच दुकानों और मकान में आग लगते ही फायर ब्रिगेड के साथ कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। स्थानीय लोगों ने आग में बुझाने में काफी मदद की। आग लगने के स्पष्ट कारणों और नुकसान का अभी पता नहीं चल पाया है। मंगलवार को जांच करने के बाद ही नुकसान का पता चल पाएगा।

केदारनाथ पैदल मार्ग पर हादसा, पैर फिसलने से नदी में गिरी महिला, घंटों की खोजबीन के बाद भी नहीं चला पता

रुद्रप्रयाग, एजेंसी।
केदारनाथ धाम पैदल मार्ग पर भीमबली के समीप जंगल में घास काटने गई नेपाली मूल की महिला का पैर फिसलने से चट्टान से टक्कराकर मंदाकिनी नदी में जा गिरी. नदी का बहाव तेज होने के कारण महिला नदी में बह गई. सूचना मिलते ही डीडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची. महिला की ढूंढखोज जारी है.

केदारनाथ यात्रा मार्ग में संचालित होने वाले घोड़े-खच्चरों के लिए नेपाली मूल की महिलाएं घास काटने का काम करती हैं. वे हरा चारा बेचकर अपना गुजर बसर करती हैं. सोमवार को भीमबली के पास के जंगलों में घास काटने गई नेपाली मूल की सुनीता मानसी पत्नी अर्जुन मानसी उम्र 44 वर्ष का पैर फिसल गया और वह चट्टान से टकराकर सीधे नदी में जा गिरी. नदी में तेज बहाव होने से महिला बहकर झील में चली गई. झील काफी गहरा होने के कारण एसडीआरएफ और डीडीआरएफ टीम की ओर से सर्च अभियान चलाया जा रहा है. काफी ढूंढखोज के बाद भी महिला का कई पता नहीं चल पाया है. केदारनाथ पैदल मार्ग पर घोड़े से गिरा यात्री- केदारनाथ पैदल मार्ग पर एक यात्री घोड़े से गिरकर घायल हो गया. सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने यात्री को स्ट्रेचर के माध्यम से उपचार के लिए गौरीकुंड पहुंचाया. केदारनाथ पैदल मार्ग पर छोड़ी गदेरे में घोड़े का अचानक पैर फिसलने से केदारनाथ से वापस लौट रहे नागपुर महाराष्ट्र के यात्री पवन अरुण शेंडे की घोड़े से गिरने की सूचना मिली. जिससे यात्री के कमर में फ्रैक्चर आ गया है. डॉक्टरों ने गौरीकुंड अस्पताल में यात्री को प्राथमिक उपचार के बाद सोनप्रयाग के लिए रेफर किया. सूचना मिलने पर डीडीआरएफ टीम ने यात्री को स्ट्रेचर के माध्यम से गौरीकुंड बस अड्डा लाया गया. जहां से एंबुलेंस के माध्यम से सोनप्रयाग भेजा गया.

हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मजदूर की मौत- हरिद्वार के लक्सर में निर्माणाधीन पुलिस चौकी भवन के ऊपर से गुजर रहे पेड़ से फल तोड़ने के प्रयास में एक मजदूर करंट की चपेट में आ गया. करंट लगने से मौके पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई. खडंजा कुतुबपुर गांव निवासी अशद ठेकेदार के पास मजदूरी करता था. सूचना पर उसके स्वजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे. ग्रामीणों ने मौके पर हंगामा करते हुए जाम लगाने का प्रयास किया और विद्युत विभाग को हादसे के लिए जिम्मेदार ठहराया. सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची. चौकी प्रभारी कमलकांत रतूड़ी और एसआई दीपक चौधरी ने ग्रामीणों को समझा बुझाकर मामला शांत कराया. पुलिस ने शव का पंचनामा भर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है.

करंट लगने से लाइनमैन की मौत- नैनीताल के लालकुआं में विद्युत आपूर्ति ठप होने के बाद लाइन में फॉल्ट ढूंढने के दौरान अचानक लाइन में करंट आ जाने के चलते विद्युत लाइनमैन की दर्दनाक मौत हुई है. बताया जा रहा है कि लालकुआं विद्युत उपकेंद्र अंतर्गत बिंदुखत्ता गांव में घटना हुई है. बताया जा रहा है कि सोमवार की शाम लगभग 6 बजे विद्युत आपूर्ति ठप होने पर बिंदुखत्ता क्षेत्र का विद्युत लाइनमैन सुनील सिंह दानू हाटाग्राम क्षेत्र में फाल्ट ढूंढ रहा था. तभी अचानक विद्युत लाइन में करंट आ हो जाने के चलते सुनील करंट की चपेट में आ

गया और नीचे गिर गया. आसपास के ग्रामीणों ने घटना की सूचना लालकुआं विद्युत सब स्टेशन में दी और तुरंत ही सुनील को डॉ. सुशीला तिवारी चिकित्सालय हल्द्वानी ले जाया गया. जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया. 28 वर्षीय सुनील बिंदुखत्ता क्षेत्र के तिवारीनगर चित्रकूट क्षेत्र का निवासी था. विद्युत विभाग में ठेका कर्मी लाइनमैन था. उसके दो छोटे-छोटे बच्चे है.

12 जोन के वार्ड कमेटी चुनाव में 8 पर भाजपा, 4 पर आप का कब्जा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के जोलन वार्ड कमेटी में इस बार जमकर सियासी दाव चला गया तथा निगम में सत्ताधारी दल भाजपा ने 12 जोन वार्ड कमेटी में से 8 पर अपना कब्जा जमा लिया। भाजपा को एक जोन की बढ़त मिली, क्योंकि पिछले साल भाजपा का सात जोन में कब्जा था। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) ने चार जोनल वार्ड कमेटी में जीत दर्ज कर अध्यक्ष पद अपने नाम किया। इस चुनाव में 9 सदस्यों वाली कांग्रेस चुनाव से बाहर रही। विशेष बात यह है कि वरिष्ठ पार्षद मुकेश गोयल की नेतृत्व में बनी इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (आईवीपी) व भाजपा के बीच इस चुनाव के लिए गठबंधन था, लेकिन चुनाव के नतीजों में आईवीपी खाली हाथ रही, जबकि बीजेपी के हाथ बढ़त आई। निगम पार्षदों के बीच चर्चा रही क्रॉस वोटिंग का खेल कामयाब रहा और अल्पमत वाले साउथ जोन में सत्ता पक्ष भाजपा अपना चेयरमैन एवं डिप्टी चेयरमैन के साथ स्टेंडिंग कमेटी के लिए भी इस जोन से एक सदस्य का चुनाव जीतने में कामयाब रहा। दिल्ली में भाजपा का दबदबा, 75 फीसदी सीटों से विजय तिलक सोमवार को हुए जोन चुनाव में भाजपा 12 में से 8 जोन सिविल लाइंस, केशव पुरम, नरेला, सेंट्रल, साउथ, नजफगढ़, शाहदरा साउथ और शाहदरा नॉर्थ जोन पर अब बीजेपी का कब्जा है। इसके साथ ही बीजेपी रोहिणी जोन में अपना डिप्टी चेयरमैन भी जिताने में कामयाब रही है। वहीं आप के पास अब 12 में से 4 जोन ही रह गये हैं। इनमें सिटी-सदर पहाड़गंज, करोलबाग, वैस्ट और रोहिणी जोन के नाम शामिल हैं। रोहिणी जोन में आम आदमी पार्टी अपना चेयरमैन ही जिता पाई, यहां डिप्टी चेयरमैन भाजपा का जीता है। नवगठित इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी को इस वार्ड कमेटी में निराशा हाथ लगी। आईवीपी ने रोहिणी जोन एवं वेस्ट जोन में चेयरमैन पद पर अपने उम्मीदवार खड़े किए थे। रोहिणी जोन में भाजपा ने डिप्टी चेयरमैन पद पर अपना उम्मीदवार खड़ा किया था। आश्चर्य की बात है कि रोहिणी जोन में चेयरमैन पद पर आईवीपी का उम्मीदवार हार गया और डिप्टी चेयरमैन पद पर भाजपा का उम्मीदवार जीत गया। रोहिणी जोन में कुल 21 वोट हैं। यहां चेयरमैन पद के आप के उम्मीदवार अमृत जैन को 11 वोट हासिल हुए, जबकि आईवीपी की उम्मीदवार सुमन अनिल राणा को 10 वोट ही मिल पाये। जबकि इसी जोन में डिप्टी चेयरमैन पद पर बीजेपी के उम्मीदवार नरेंद्र कुमार को 11 वोट और आप की ममता गुप्ता को 10 वोट हासिल हो सके। यानी कि चेयरमैन पद पर बीजेपी के एक निगम पार्षद का वोट आप को गया और डिप्टी चेयरमैन के पद पर बीजेपी को। कुछ इसी तरह का हाल वेस्ट जोन का रहा। स्थायी समिति पर अब होगा भाजपा का कब्जा दिल्ली नगर निगम की सबसे ज्यादा पॉवरफुल कही जाने वाली स्थायी समिति पर अब भाजपा का कब्जा होगा। सोमवार को सिटी-सदर पहाडगंज जोन और साउथ जोन से स्टेंडिंग कमेटी के लिए एक-एक सदस्य का चुनाव हुआ। इनमें से सिटी-एसपी जोन से आप और साउथ जोन से भाजपा अपने निगम पार्षद जिताने में कामयाब रहे। अब तक दोनों जोन से आप के सदस्य ही जीतकर स्थायी समिति पहुंचे थे। इसके साथ ही मंगलवार को सदन की बैठक से स्थायी समिति के लिए एक सदस्य का चुनाव होना है। क्योंकि यह चुनाव प्राथमिकता की वोटिंग के आधार पर होना है और भाजपा इस समय बहुमत में है। अतः यहां से भी भाजपा अपना एक सदस्य जिताने में कामयाब रहेगी। रामकिशोर शर्मा ने संभाला अध्यक्ष का पद अतः अब 18 सदस्यों में से अब भाजपा के 11 सदस्य स्थायी हो जायेंगे। ऐसे में 12 जून के आसपास होने वाले स्टेंडिंग कमेटी के चुनाव में बीजेपी को जीत मिलना निश्चित है। शकरपुर वार्ड से पार्षद राम किशोर शर्मा ने शाहदरा साउथ नगर निगम दिल्ली का अध्यक्ष पद संभाला। इस मौके पर राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा, जिला अध्यक्ष दीपक गाबा, विधायक अनिल गोयल, विधायक ओम प्रकाश शर्मा, विधायक रवि नेगी, व सभी पार्षद उपस्थित रहे।

नोएडा में थार का कहर, युवक को रौंदा; गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती

नोएडा, । नोएडा के सेक्टर-53 इलाके में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक हाई स्पीड थार ने एक युवक को जोरदार टक्कर मार दी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में साफ तौर पर देखा जा सकता है कि किस तरह युवक को पहले पीटा गया, फिर उसे जान से मारने के लिए थार से रौंदने की कोशिश की गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह घटना थाना सेक्टर 24 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-53 की है। बताया गया कि कुछ युवकों के बीच पहले कहासुनी और मारपीट हुई, जिसके बाद हमलावर युवक ने थार गाड़ी को तेजी से युवक की ओर दौड़ाया और उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक सड़क से उछलकर नाली में जा गिरा। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। युवक की हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना का वीडियो सामने आने के बाद नोएडा पुलिस ने इसका संज्ञान लिया और तत्काल कार्रवाई करते हुए

जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान भी जुमला साबित हुआ : आप

दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि चुनाव के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ओर से जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान का वादा किया गया था वह भी जुमला साबित हुआ। आप के वरिष्ठ नेता मनीष सिसोदिया ने एक्स पर मंगलवार को कहा, जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान दिल्ली में भाजपा द्वारा दी गई यह चुनावी गारंटी भी एक जुमला साबित हुई। दिल्ली का मजदूर, घरेलू कामगार, रिक्शाचालक और दिहाड़ी मजदूर जिनकी मेहनत से देश की राजधानी चलती है, आज उन्हीं की झुग्गियाँ बेदर्दी से बुलडोजर के नीचे कुचली जा रही हैं। श्री सिसोदिया ने कहा कि जिन विधायकों को जनता ने चुना था, वो आज कहाँ हैं? न जवाब मिल रहा है, न जमीन पर कोई दिख रहा है। उन्होंने कहा कि झुग्गियों में दी जाने वाली बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ तो छोड़िए, अब तो मेहनत से बनाई गई छत भी इनसे छीन ली गई है। क्या यही है सबका साथ, सबका विकास? आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने कल आरोप लगाया था कि भाजपा की कथनी और करनी में सदा से ही अंतर रहा है। भाजपा ने गरीब झुग्गी वालों से चुनाव से पहले पक्का मकान देने का वादा किया था और अब जब दिल्ली में भाजपा की सरकार बन गई है, तो मकान देने के बजाय उनकी झुग्गियों पर बुलडोजर चलाकर इन गरीब लोगों को घर से बेघर कर रही है।

संक्षिप्त खबरें

एएसपी ने किया थाने का औचक निरीक्षण

बछरायूं। एएसपी अखिलेश भदौरिया ने मंगलवार को थाने का औचक निरीक्षण किया। महिला हैल्प डेस्क/आगंतुक कक्ष का निरीक्षण कर रोजाना आने वाली शिकायतों एवं उनके निस्तारण की स्थिति की जानकारी की। थाना परिसर का भ्रमण कर दिवस अधिकारी को जनसुनवाई के संबंध में जरूरी दिशा निर्देश दिए। आपरेशन त्रिनेत्र के तहत स्थापित सीसीटीवी कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर रात्रि गणना को लेकर दिशा निर्देश दिए। मिशन शक्ति अभियान के तहत बीटों पर नियुक्त महिला बीट पुलिस अधिकारी को गांवों में जाकर महिलाओं से सीधा संवाद स्थापित कर महिलाओं/बालिकाओं से संबंधित समस्याओं को सुनने का सुझाव दिया। कहा कि ज्यादा से ज्यादा चौपाल/मीटिंग का आयोजन कर महिलाओं/बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाए।

त्रिवेणी आर्ट डिपार्टमेंट में समर आर्ट वर्कशॉप का आयोजन

नई दिल्ली, । त्रिवेणी आर्ट डिपार्टमेंट कला प्रेमियों के लिए एक हफ्ते की वर्कशॉप का आयोजन कर रहा है, जो 6 से 16 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के लिए खुली है। यह समर आर्ट वर्कशॉप कला के क्षेत्र में रुचि रखने वाले बच्चों, किशोरों और युवाओं को अपनी प्रतिभा को निखारने का बेहतरीन मौका मुहैया कराएगी। इसमें पेंटिंग, स्केचिंग, क्राफ्ट और अन्य गतिविधियों पर ध्यान दिया जाएगा, जिससे प्रतिभागियों को अपनी कला कौशल को बढ़ाने का मौका मिलेगा। वर्कशॉप की फीस 2500 रुपये और अलग से जीएसटी तय की गई है। यह सभी आयु वर्ग के लिए समान होगी। अनुभवी कलाकारों और प्रशिक्षकों द्वारा मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा, जो प्रतिभागियों को नई तकनीकों और रचनात्मक दृष्टिकोण से परिचित कराएंगे। त्रिवेणी आर्ट डिपार्टमेंट की यह कोशिश स्थानीय समुदाय में कला और संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

बांसुरी ने जैन की पुनरीक्षण याचिका पर दाखिल किया जवाब, चार जुलाई को अगली सुनवाई

नई दिल्ली, । राउज एवेन्यू अदालत में भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने उनके खिलाफ पूर्व स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन की ओर से दायर आपराधिक मानहानि मामले में पुनरीक्षण याचिका का जवाब दाखिल कर दिया है। विशेष न्यायाधीश जितेंद्र सिंह की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई चार जुलाई के लिए सूचीबद्ध की है। जैन ने स्वराज के खिलाफ शिकायत पर संज्ञान लेने से इनकार करने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। 14 मई को अदालत ने जैन की पुनरीक्षण याचिका पर जवाब देने के लिए स्वराज को अंतिम अवसर दिया था। बता दें कि जैन ने बांसुरी पर पांच अक्टूबर 2023 को एक टीवी चैनल पर साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। उन्होंने दावा किया था कि बांसुरी ने झूठा दावा किया कि उनके घर से 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्कों के अलावा तीन करोड़ रुपये बरामद हुए।

100 बसें सेक्टर-82 सिटी बस टर्मिनल से चलाने की तैयारी

नोएडा प्राधिकरण ने सिटी बस के संचालन का प्रारूप भी तैयार किया हुआ है। अब तक की तैयारी यह है कि सेक्टर-82 में बनी खड़ी सिटी बस टर्मिनल की इमारत से करीब 100 बसों का संचालन प्राधिकरण करवाएगा। इसके साथ ही सेक्टर-90 एनएमआरसी डिपो व अन्य जगहों से बस संचालन होना है। चुनी जाने वाली एजेंसी को बस संचालन के लिए डिपो व चार्जिंग प्वाइंट लगाने के लिए बिजली कनेक्शन तक का इंफ्रा प्राधिकरण को उपलब्ध करवाना है। नोएडा प्राधिकरण के सीईओ डॉ लोकेश एम ने बताया कि सिटी बस सेवा शुरू होने के बाद सिटी बस टर्मिनल के बाकी हिस्से के उपयोग की योजना आगे बढ़ाई जाएगी।

गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ महाराज का 54 वा जन्मोत्सव 5 जून को बाबा बालकनाथ मठ,मंहत परिसर श्री कालिका मंदिर नई दिल्ली में बड़े धूम - धाम से मनाया जाएगा

नई दिल्ली। विश्व हिन्दू महासंघ, भारत के सह सचिव सोशल मीडिया प्रकोष्ठ दिल्ली प्रदेश के पंडित संतोष मिश्रा जी ने बताया कि विश्व हिन्दू महासंघ भारत के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री योगी तेजपाल सिंह ने प्रेस वार्ता में संदेश दिया हमारे प्रेरणा के स्रोत गुरु गोरख पीठाधीश्वर गोरखनाथ के आशीर्वाद से संरक्षक गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ महाराज का 54 वा जन्मोत्सव 5 जून 2025 को सुबह 11:30 बजे से बाबा बालकनाथ मठ ,महंत परिसर निकट श्री कालिका मंदिर नई दिल्ली -19 में बड़े धूम-धाम से मनाया जाएगा सर्व प्रथम हनुमान जी की प्रतिमा के सम्मुख ज्योति प्रज्वलित की जाएगी उसके बाद श्री हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया जाएगा संरक्षक गोरक्षपीठाधीश्वर परम पूज्य महंत योगी आदित्यनाथ महाराज के 54 वें जन्मोत्सव पर 54 किलो के लड्डू का भोग लगाया जाएगा ।बाद में उपस्थित भक्तों को प्रसाद बांटा जाएगा ।इस अवसर पर भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय शेखर जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे ।विश्व हिन्दू महासंघ भारत और सनातन हिन्दू वाहिनी के सैंकड़ो कार्यकर्ता भी उपस्थित रहेंगे । विश्व हिन्दू महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष कालिकापीठाधीश्वर महंत सुरेन्द्रनाथ अवधूत महाराज ने कहा कि उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री परम पूज्य योगी आदित्यनाथ महाराज के व्यक्तित्व और कृतत्व पर प्रकाश डालेंगे ।

दिल्ली में जारी है मौसम विभाग का अलर्ट, दो दिन और रहेगी गर्मी से राहत, फिर बढ़ेगा तापमान

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । मौसम विभाग ने राजधानी समेत उत्तर भारत के कई इलाकों के लिए आज 3 जून को भी अलर्ट जारी किया है। विभाग ने चेतावनी दी है कि आज गरज-चमक के साथ तेज बारिश हो सकती है, साथ ही 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है। मंगलवार को अधिकतम तापमान 36 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 23 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया है, जबकि ह्यूमिडिटी का स्तर 70 से 50 प्रतिशत के बीच रहा। मौसम विभाग के अनुसार 4 जून को भी मौसम सुहावना बना रहेगा और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना है, लेकिन इस दिन कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। तापमान लगभग 35 (अधिकतम) और 23 डिग्री सेल्सियस (न्यूनतम) के आस-पास बना रहेगा, जिससे लोगों को गर्मी से राहत मिलेगी। हालांकि 5 जून से मौसम में फिर से बदलाव देखने को मिलेगा। इस दिन आसमान में आंशिक बादल छाए रहेंगे और तापमान में वृद्धि दर्ज की जाएगी। अधिकतम तापमान 38 डिग्री और न्यूनतम 25 डिग्री तक पहुंच सकता है। इसके बाद 6 जून से 8 जून तक तापमान में और इजाफा होगा। इन दिनों अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 26 से 27 डिग्री तक दर्ज किया जा सकता है। इस अवधि में मौसम सामान्य रहेगा और किसी प्रकार की कोई चेतावनी नहीं दी गई है। विशेषज्ञों के अनुसार, प्री-मानसून गतिविधियों के कारण जून की शुरूआत में तापमान में थोड़ी गिरावट देखी गई है, लेकिन यह राहत ज्यादा दिनों तक टिकेगी नहीं। अगले कुछ दिनों में गर्मी दोबारा अपना असर दिखा सकती है। ऐसे में नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम विभाग के अपडेट पर नजर रखें और आवश्यकता पड़ने पर सावधानी बरतें।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गोपीनाथ मुंडे के पुण्यतिथि पर दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, । दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे को उनकी पुण्यतिथि पर आज श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि गोपीनाथ मुंडे का योगदान जनकल्याण के लिए एक प्रेरणास्रोत है। रेखा गुप्ता ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा कि गोपीनाथ मुंडे का राष्ट्र निर्माण, ग्रामीण विकास और जनकल्याण के प्रति अखंड समर्पण और संघर्षशील जीवन हम सभी के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि मुंडे ने दलितों और प्रभावित लोगों के अधिकारों और हितों के लिए संघर्ष किया। बहुजन समाज और अन्य पिछड़ा वर्ग के अधिकारों के लिए लड़ाई लड़ी। उनका योगदान भारतीय राजनीति की स्मृति में सदैव अमिट रहेगा। उल्लेखनीय है कि गोपीनाथ मुंडे ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक के रूप में राजनैतिक जीवन की शुरूआत की। वह भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे थे।

निगम स्थायी समिति के एक रिक्त पद के चुनाव में भाजपा की हुई जीत

भाजपा की सत्या शर्मा ने आप की हेमा को 35 वोटों से हराया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

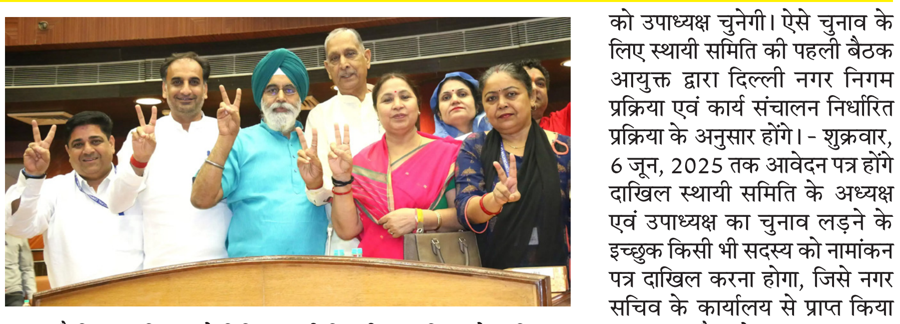

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) मुख्यालय सिविक सेंटर में मंगलवार को आयोजित सदन की बैठक में स्थायी समिति में एक रिक्त स्थान के लिए हुए चुनाव में भाजपा की सत्या शर्मा ने जीत हासिल की है। सत्या शर्मा ने आम आदमी पार्टी की अपनी प्रतिद्वंदी हेमा को 35 वोटों से हराया। सत्या शर्मा को 130 वोट हासिल हुए वहीं हेमा ने 95 वोट प्राप्त किये। निगम से मिली जानकारी के अनुसार स्थायी समिति के लिए सदन से एक सदस्य के चुनाव में कुल 227 वोट डाले गए और 2 वोट अवैध घोषित किये गए। चुनाव परिणाम आने के बाद दिल्ली नगर निगम के महापौर सरदार राजा इकबाल सिंह ने सत्या शर्मा को बधाई दी और कहा कि उनका राजनीति में लम्बा अनुभव है जिसका निगम को निश्चित रूप से लाभ मिलेगा। महापौर सिंह ने हेमा को कड़ा मुकाबला देने के लिए शुभकामनाएं दी। बता दें कि सत्या शर्मा वार्ड संख्या 226, गौतमपुरी से पार्षद है वहीं हेमा, वार्ड संख्या 184 जैतपुर से पार्षद है। - स्थायी समिति के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर 12 जून को चुनाव वहीं, स्थायी समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष पद के चुनाव के लिए भी दिल्ली नगर निगम ने अधिसूचना जारी कर दी है। अधिसूचना के अनुसार गुरुवार, 12 जून, 2025 को सिविक सेंटर में उक्त पदों के लिए चुनाव निर्धारित किए गए हैं। निगम के अनुसार डीएमसी अधिनियम में प्रावधान है कि स्थायी समिति प्रत्येक वर्ष अपनी पहली बैठक में अपने सदस्यों में से एक (जो पार्षद हैं) को अध्यक्ष तथा दूसरे सदस्य को उपाध्यक्ष चुनेगी। ऐसे चुनाव के लिए स्थायी समिति की पहली बैठक आयुक्त द्वारा दिल्ली नगर निगम प्रक्रिया एवं कार्य संचालन निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार होंगे। - शुक्रवार, 6 जून, 2025 तक आवेदन पत्र होंगे दाखिल स्थायी समिति के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का चुनाव लड़ने के इच्छुक किसी भी सदस्य को नामांकन पत्र दाखिल करना होगा, जिसे नगर सचिव के कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है। भरे गए नामांकन पत्र निगम सचिव द्वारा सभी कार्य दिवसों में सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे के बीच नामांकन प्राप्ति की अंतिम तिथि तक प्राप्त किए जाएंगे, जो शुक्रवार, 6 जून, 2025 निर्धारित की गई है। कोई भी उम्मीदवार बैठक के दौरान चुनाव शुरू होने से पहले किसी भी समय अपनी उम्मीदवारी वापस ले सकता है।

पति की दूसरी शादी से नाराज पहली पत्नी ने दूसरी पत्नी की चाकूओं से गोद की हत्या

नई दिल्ली। दो चोरों द्वारा पहले लूट और फिर हत्या की झूठी कहानी रचते हुए एक सोतन ने दूसरी सौतन की चाकूओं से गोद हत्या कर दी। हत्या करने वाली महिला दूसरी सौतन से इस कदर नाराज थी वह उसे जब तक चाकू घोपती रही जब तक वह मर नहीं गई। सौतन ने ये हत्या तीन मासूम बच्चों के सामने की और उसके बाद पुलिस को कॉल कर चोरों की झूठी कहानी रच हत्या उनके द्वारा करने की बात कही। लेकिन जब पुलिस ने सीसीटीवी व बयानों के आधार पर जांच की तो पता चला कि ये हत्या किसी चोर ने नहीं बल्कि पुलिस को सूचना देने वाली महिला ने की । ये हत्या जामिया नगर इलाके में घटी। वारदात के बाद पुलिस ने आरोपी महिला को गिरफ्तार करके वारदात में इस्तेमाल चाकू भी जब्त कर लिया है। पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज करके शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है ।मृतक महिला की पहचान नस्बू के रूप में हुई है। वह परिवार परिवार के साथ बटाला हाऊस स्थित एक बिल्डिंग में चौथी मंजिल पर रहती थी। परिवार में पति अंसार खान, सौतन अफसरी और उसके तीन बच्चे हैं। अंसार खान दुबई में रहता है और नौकरी करता है। पति ने दूसरी शादी कर दिया सदमा तो पहली बीवी ने बच्चों के सामने हत्या कर लिया बदला पुलिस उपायुक्त ने बताया कि जामियानगर के बटाला हाउस स्थित एक इमारत की चौथी मंजिल पर सोमवार सुबह करीब पौने पांच बजे महिला की हत्या की सूचना मिली थी। यह सूचना उसी घर में रहने वाली दूसरी महिला ने दी थी। पुलिस को सूचना मिली थी कि बटाला हाउस स्थित एक इमारत के चौथे माले पर दो चोर घुस आए हैं और उन्होंने एक महिला की हत्या कर दी है। जब जामिया नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां एक 30 साल की महिला का शव लहूलुहान स्थिति में मिला। उसकी पहचान 30 साल की नस्बू के रूप में हुई। नस्बू अपने पति अंसार खान के साथ उसी फ्लैट में रहती थी। अंसार फिलहाल दुबई में नौकरी करता है। डीसीपी ने बताया जांच में पता चला कि उसी घर में मौजूद दूसरी महिला अफसरी अंसार की पहली पत्नी है। अफसरी ने ही पुलिस को घटना की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस को अफसरी ने बताया कि दो चोर उसके घर में घुसे थे। इस दौरान नस्बू ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो उन्होंने उसपर ताबड़तोड़ चाकू से कई बार वार किए और फरार हो गए। इसपर पुलिस ने गहन जांच-पड़ताल शुरू कर दी, लेकिन पुलिस को घर में जबरन घुसने के कोई निशान नहीं मिले। साथ ही पास ही लगे सीसीटीवी में भी कोई संदिग्ध आता-जाता दिखाई नहीं दिया। ऐसे में पुलिस का अफसरी के बयानों पर संदेह हो गया। जांच में ये भी आया कि सूचना देने वाली महिला जिसका नाम अफसरी है, उससे पूछताछ की तो वह टूट गई और उसने कबूल किया किया जब से उसकी पति ने दूसरी शादी की है

रेस्पेक्ट इंडिया ने राज कपूर के शताब्दी वर्ष में मनाया शब्दांजलि

नई दिल्ली, । महान शोमैन और बेहद लोकप्रिय फिल्मकार राज कपूर की 37वीं पुण्यतिथि पर इंडिया इंटरनेशनल सेंटर में ह्नरेस्पेक्ट इंडियाह्ल द्वारा एक भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। रेस्पेक्ट इंडिया इस वर्ष राज कपूर का शताब्दी वर्ष समारोह देश और विदेश में आयोजित कर रहा है। राज कपूर शताब्दी वर्ष समारोह के अध्यक्ष भारत सरकार के केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पूरी हैं। उपाध्यक्ष सांसद एवं लोकप्रिय गायक मनोज तिवारी एवं प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक राहुल रवैल हैं। प्रसिद्ध संस्कृतिकर्मी एवं इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सदस्य सचिव डॉ सच्चिदानंद जोशी ने ह्ल राज कपूर : शोमैनशिपह्ल के विचार विषय पर अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा की ह्नराज कपूर यू ही शोमैन नहीं बने, उन्होंने अपनी सोच, विचारधारा और दूरदर्शिता से खुद को सत्यापित किया। उन्होंने अपने समय और समाज के हर वर्ग का फिल्मों के माध्यम से प्रतिनिधित्व किया। राज कपूर ने सामाजिक मुद्दों को अपनी फिल्मों का विषय बनाया। निःसंदेह सामाजिक चेतना को जागृत करने का काम राज कपूर ने अपनी फिल्मों के माध्यम से बखूबी किया। राज कपूर के शताब्दी वर्ष पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि राज कपूर सॉफ्ट पावर के अग्रदूत थे ह्ल राज कपूर ने 24 वर्ष की उम्र में पहली फिल्म आग का निर्माण किया था। उसी में उनकी दूरगामी सोच दिख जाती है। उस समय भारत में फिल्म निर्माण इतना आसान नहीं था। राज कपूर ने बेहतरीन फिल्में बनाकर अपने कुशल निर्देशन व अभिनय के माध्यम से सिनेमाई जगत में अनूठी चाप छोड़ी। कार्यक्रम की अध्यक्षता सिक्किम के पूर्व राज्यपाल बाल्मीकि प्रसाद सिंह ने किया। उन्होंने कहा की कला का उद्देश्य सिर्फ मनोरंजन नहीं है, वह समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए भी प्रतिबद्ध होता है। राज कपूर की फिल्में ह्नजागते रहोह्ल, ह्नजिस देश में गंगा बहती हैह्ल बूट पोलिश आदि इसके समर्थ उदाहरण हैं। निरुपमा कोटरु, अतिरिक्त सचिव, भारत सरकार ने बीज वक्तव्य देते हुए कहा की भारतीय सिनेमा की शुरूआत आध्यात्मिक और धार्मिक फिल्मों से हुई थी, लेकिन बाद में समाज के गंभीर मुद्दों को फिल्मों के माध्यम से प्रदर्शित किया गया। जिसमे राज कपूर ने अग्रणी भूमिका निभाई। फिल्म आवारा, श्री 420, मेरा नाम जोकर के माध्यम से उन्होंने सामाजिक असमानता, गरीबी, शोषण और सामाजिक अन्याय जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया। पदमश्री डॉ यश गुलाटी ने राज कपूर को महान अभिनेता चार्ली चैप्लिन का भारतीय संस्करण कहा। इस अवसर पर उन्होंने राजकपूर के गानों को सेक्सोफोन के द्वारा प्रस्तुत किया। रेस्पेक्ट इंडिया के अध्यक्ष डॉ निर्मल गेहलोत ने कहा की महान फिल्म निमार्ता, निर्देशक और अभिनेता राज कपूर को समर्पित यह कार्यक्रम उनके सिनेमाई योगदानों के प्रति श्रद्धांजलि है। कार्यक्रम में रूस, बंगलादेश, मॉरीशस, फिजी, जमैका, लिथुआनिया, जिम्बाब्वे, मंगोलिआ आदि देशो के राजदूत एवं उच्चायुक्त ने भाग लिया।

सभी के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करने का करेगी प्रयास दिल्ली सरकार : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली सरकार ने ह्लकोई बेरोजगार नहीं रहेह्ल के संकल्प को साकार करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। आज दिल्ली सचिवालय में श्रम एवं रोजगार मंत्री श्री कपिल मिश्रा की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें दिल्ली के युवाओं को लेबर से लेकर इंजीनियर, टेक्निकल से लेकर नॉन-टेक्निकल सभी क्षेत्रों में रोजगार के अवसर प्रदान करने की रणनीति पर चर्चा हुई। इस बैठक में डीआईसीसीआई (दलित इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री), सीआईआई, पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, उच्च शिक्षा विभाग और दिल्ली टेक्निकल इंस्टीट्यूट के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक का मुख्य उद्देश्य दिल्ली के युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए ठोस रणनीति तैयार करना और विभिन्न विभागों व औद्योगिक संगठनों के बीच प्रभावी समन्वय स्थापित करना था। श्री कपिल मिश्रा ने इस अवसर पर जोर देकर कहा कि दिल्ली सरकार बेरोजगारी को पूरी तरह समाप्त करने के लिए हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने सभी हितधारकों से एकजुट होकर इस दिशा में काम करने का आह्वान किया, ताकि प्रत्येक युवा को उसकी योग्यता और रुचि के अनुसार रोजगार मिल सके। श्रम एवं रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा, दिल्ली का हर युवा हमारी प्राथमिकता है। हमारा लक्ष्य है कि दिल्ली में कोई भी बेरोजगार न रहे। चाहे वह मजदूर हो, इंजीनियर हो, तकनीकी हो या गैर-तकनीकी क्षेत्र का युवा, हम सभी के लिए रोजगार के अवसर सुनिश्चित करेंगे। यह जॉब मेला दिल्ली के युवाओं के सपनों को साकार करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम होगा। यह बैठक दिल्ली सरकार की उस प्रतिबद्धता को दशार्ती है, जो हर युवा को रोजगार के अवसर प्रदान करने और दिल्ली को बेरोजगारी मुक्त बनाने के लिए है। औद्योगिक संगठनों, शैक्षिक संस्थानों और सरकारी विभागों के साथ मिलकर सरकार एक ऐसी व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में काम कर रही है, जो न केवल रोजगार सृजन को बढ़ावा दे, बल्कि युवाओं को उनकी क्षमता के अनुरूप उज्ज्वल भविष्य प्रदान करे। वर्ष 2025-26 के बजट में रोजगार मेले के आयोजन का प्रावधान किया गया है। इसके तहत दिल्ली के युवाओं को रोजगार दिलाने के लिए एक साझा मंच तैयार किया जाएगा, जहां जॉब तलाशने वाले युवा और नियोक्ता संस्थान सीधे संपर्क स्थापित कर सकेंगे। इस दिशा में पहला विशाल जॉब मेला जुलाई 2025 में आयोजित करने का प्रस्ताव है, जो दिल्ली के युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर खोलेगा।

भाजपा पार्षद की ओर से हुई क्रॉस वोटिंग : अंकुश नारंग

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, । दिल्ली नगर निगम की स्थायी समिति में एक पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में भाजपा पार्षद की ओर से हुई क्रॉस वोटिंग के चलते 1 अतिरिक्त वोट भी मिला, जिससे कुल 96 वोट हेमा के पक्ष में पड़े। चुनाव परिणाम पक्ष में न होने के बावजूद, यह मतदान आप पार्टी के लिए एक रणनीतिक जीत साबित हुआ।

निगम में नेता विपक्ष अंकुश नारंग ने चुनाव के बाद सोशल मीडिया एक्स पर यह जानकारी साझा की। नेता विपक्ष नारंग ने कहा कि स्थायी समिति सदस्य के एक रिक्त पद के लिए आप पार्टी की वार्ड 184 से हेमा को प्रत्याशी बनाया गया था। आप के 95 निगम पार्षदों ने नेहा को समर्थन दिया। यह केवल एक आंकड़ा नहीं, बल्कि आम आदमी पार्टी के उन सभी पार्षदों की जीत है जिन्होंने अपने स्वाभिमान, ईमानदारी और पार्टी के सिद्धांतों को प्राथमिकता दी।

भाजपा के जिन विधायकों को जनता ने चुना, वो कहां है न जवाब मिल रहा, न जमीन पर कोई दिख रहा : मनीष सिसोदिया

नई दिल्ली, प्रात: किरण संवाददाता

नई दिल्ली, दिल्ली में सत्ता पाते ही भाजपा ने झुग्गियों में रह रहे गरीब लोगों को हजारों झुग्गी-वहां मकान देने का वादा भूल गई। आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि दिल्ली में भाजपा द्वारा जहाँ झुग्गी, वहाँ मकान्ह देने की दी गई चुनावी गारंटी भी एक जुमला साबित हुई। दिल्ली का मजदूर, घरेलू कामगार, रिक्शाचालक और दिहाड़ी मजदूर जिनकी मेहनत से देश की राजधानी चलती है, आज उन्हीं की झुग्गियाँ बेदर्दी से बुलडोजर से नीचे कुचली जा रही हैं। मनीष सिसोदिया ने कहा कि भाजपा के जिन विधायकों को जनता ने चुना था, वो आज कहाँ हैं? ना जवाब मिल रहा है, ना जमीन पर कोई दिख रहा है। झुग्गियों में दी जाने वाली बिजली-पानी जैसी बुनियादी सुविधाएँ तो छोड़िए, अब तो मेहनत से बनाई गई छत भी इनसे छीन ली गई है। क्या यही है हसवका साथ, सबका विकास? भाजपा सरकार द्वारा जंगपुरा विधानसभा स्थित मद्रासी कैंप को बुलडोजर से गिराए जाने के बाद वहां रहने वाले लोग बेघर हो गए हैं। वहां रहने वालों को भाजपा द्वारा वादे के मुताबिक जहां झुग्गी वहां मकान नहीं दिया गया। जिनको मकान मिले भी हैं तो वो काफी दूर है। इससे लोग बहुत आहत हैं। झुग्गीवासियों का कहना है कि यहां पर रहते हुए उन्हें 50 से 55 साल हो गए हैं। वे अब कहां जाएं? उन्होंने लोगों के घरों में काम करके बड़ी मेहनत से यहां अपना मकान बनाया था। 2010 में भी घर तोड़े गए थे। उसी समय हमें निकाल देना चाहिए था। भाजपा विधायक

तरविंदर मारवाह ने झुग्गियों को तोड़ने के लिए बुलडोजर लगा रखे हैं। घर बनाने के लिए लाखों लाख रुपये खर्च किए थे। झुग्गीवालों ने भाजपा द्वारा उनको दिए गए जहां झुग्गी वहां मकान का कार्ड दिखाते हुए कहा कि यह 2,500 रुपये देने और हजहां झुग्गी, वहां मकानह का कार्ड है। इस पर जंगपुरा सीट से विधायक तरविंदर सिंह मारवाह की तस्वीर है। वह एक बार भी यहां पर आकर देखे भी नहीं कि झुग्गीवाले किस हालत में हैं, यह देखने के लिए उन्होंने एक बार भी मद्रासी कैंप की तरफ रुख नहीं किया। हमने भाजपा को वोट दिया था। झुग्गीवालों ने कहा कि केजरीवाल की सरकार बढ़िया थी। वह हमारी पीड़ा समझती थी, इसलिए हमारा समर्थन करती थी। अगर पानी रुक जाए, तो पानी आ जाता था। पानी की भी कोई दिक्कत नहीं थी। बिजली एक बार भी बंद नहीं होती थी। 24 घंटे बिजली थी, 24 घंटे पानी था। कोई परेशानी होने पर तत्कालीन ह्आपह्न विधायक प्रवीण कुमार को फोन मिला लेते थे, वह पांच से 15 मिनट में यहां पहुंच जाते थे। आज ये झुग्गियों को ध्वस्त किया गया है और विधायक तरविंदर मारवाह ने एक बार भी आकर नहीं देखा। बस ये कार्ड देकर कहा था कि ह्जहां झुग्गी, वहां मकानह, चिंता मत करो, आपकी झुग्गी में रुकवा दूंगा। मगर वह दो महीने से यहां आए ही नहीं हैं। झुग्गीवालों ने कहा कि चूंकि अब सब कुछ उजड़ चुका है, अरविंद केजरीवाल की बातें याद आ रही हैं। उन्होंने कहा था कि अगर भाजपा की सरकार गलती से भी आ गई तो सारी झुग्गियां तोड़ देगी। हम यही चाहते हैं कि वह पांच साल के बाद दिल्ली में दोबारा आ जाएं। अरविंद केजरीवाल सत्ता से चले गए, इसलिए झुग्गीवाले बहुत दुखी हो रहे हैं। झुग्गीवासियों ने कहा कि हमने इतनी उम्मीदों के साथ भाजपा को वोट दिया था। जिन लोगों ने भाजपा को वोट दिया, उन्हें यह देखना चाहिए कि भाजपा ने जहां झुग्गी, वहां मकान का वायदा किया था। आज ये जो आंसू हैं, उसे भाजपा को भी देखना चाहिए। सारी पार्टियों को यह सोचना चाहिए कि किसी का घर उजाड़ने से पहले उसकी मनोदशा क्या होगी। यह घर उन्होंने मेहनत करके बनाया था, एक-एक ईंट जोड़ी है और इसमें रखी हर चीज, यहां तक कि एक सुई भी, उन्होंने कोठी में काम करके जोड़ी है। झुग्गी वासियों ने कहा कि घर में बुजुर्ग और बच्चे भी हैं। उनकी मां घर में हैं और वह खुद ही कमाने वाली हैं।

अपराजिता क्लब धनौरा ने छबील लगाकर राहगीरों पिलाया शरबत

प्रात: किरण संवाददाता

मंडी धनौरा।भीषण गर्मी के चलते समाजसेवी संगठन व आम लोग जगह जगह राहगीरों को ठंडा पानी व शरबत पिलाकर उनकी प्यास बुझा रहे हैं। इसी कड़ी में मंगलवार को नगर पालिका परिषद के सामने अपराजिता क्लब धनौरा की ओर से छबील लगाकर राहगीरों को शरबत का वितरण किया गया। इस दौरान अपराजिता क्लब की महिलाओं ने मार्ग से गुजरने वाले राहगीरों एवं वाहन चालकों को शरबत का वितरण किया भूषण गर्मी में राहगीरों ने शरबत पीकर राहत की सांस ली।इस मौके पर सोनिया अग्रवाल, नीतू जैन, रेनू अग्रवाल, रजनी गर्ग, शालू, मनीषा, सीमा कुमारी आदि मौजूद रही।

कलेक्ट्रेट सभागार में डीएम-एसपी ने सुनीं किसानों की समस्याएं

अमरोहा। डीएम निधि गुप्ता की अध्यक्षता व एसपी अमित कुमार आनंद की मौजूदगी में मंगलवार को कलक्ट्रेट सभागार में भाकियू टिकैत गुट पदाधिकारियों के साथ विभिन्न विभागों से संबंधित समस्याओं के समाधान को लेकर बैठक हुई। शिकायतों को सुनते हुए डीएम ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को प्राथमिकता संग निस्तारण का निर्देश दिया। बैठक में किसानों ने चीनी मिलों से गन्ने की दवा बाजार मूल्य से 10 प्रतिशत छूट के साथ दिलाने की मांग की। चीनी मिलों के प्रतिनिधियों ने आश्वासन दिया कि उन्हें कम रेट पर दवा की उपलब्धता होने पर वह किसानों को भी इसका लाभ देंगे। इसके अलावा आंधी में टूटे पेड़ों के निस्तारण के लिए वन विभाग कार्यालय स्तर पर शिकायती पत्र देने के बाद भी निस्तारण नहीं करने का आरोप लगाया। ट्रांसफार्मर खराब होने की समस्या को भी सामने रखा। कहा कि यदि कोई ट्रांसफार्मर खराब हो जाता है तो वह समय से नहीं बदला जाता। सिंचाई के लिए निर्बाध बिजली भी नहीं मिल रही है। कहा कि सप्लाई चाहे कुछ कम हो लेकिन निर्बाध की जाए ताकि सिंचाई में समस्या न हो। बिजली कर्मचारियों पर अवैध वसूली करने का आरोप लगाए जाने पर अधीक्षण अभियंता ने ऐसे मामलों में आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की बात कही। बैंक संबंधी समस्याओं को भी उठाया गया। डीएम ने लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि किसानों से संबंधित समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाए। गन्ना मूल्य भुगतान में देरी की शिकायत पर डीसीओ ने आश्वस्त किया कि जून माह में पूरा भुगतान करा दिया जाएगा। इस दौरान संबंधत विभागीय अधिकारी व किसान संगठन पदाधिकारी मौजूद रहे।

डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में शाहदरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई

वाहन चोर गिरोह का भंडाफोड़, तीन चोरी की गाड़ियाँ बरामद

प्रात : किरण मनोज जैन

शाहदरा ज़िले के डीसीपी प्रशांत गौतम ने बताया कि जिले में बढ़ती वाहन चोरी की घटनाओं को लेकर पुलिस ने सख्त कदम उठाए हैं। इस दिशा में विशेष अभियान चलाकर वाहन चोरों की धरपकड़ के लिए कई टीमों को लगाया गया है। इसी क्रम में 27 मई को थाना आनंद विहार क्षेत्र में क्रॉस रिवर मॉल के पास गुप्त सूचना मिली कि एक सक्रिय वाहन चोर चोरी की गाड़ी लेकर किसी से मिलने आने वाला है। डीसीपी के कड़े निर्देशन और देखरेख में पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी खलील को दबोच लिया। आरोपी के कब्जे से चोरी की ग्रे रंग की ब्रेजा कार बरामद हुई, जो उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद क्षेत्र से चोरी हुई थी। पुलिस के मुताबिक, खलील जो संभल, उत्तर प्रदेश का निवासी है, वाहन चोरी के कई मामलों में शामिल रहा है। गहन पूछताछ में उसने स्वीकार किया कि वह शराब और सिगरेट का आदी है और आर्थिक तंगी के कारण चोरी की वारदातों को अंजाम देता रहा है। आरोपी का गिरोह दिल्ली-एनसीआर के कई हिस्सों में सक्रिय था, जिसमें वाहन चोरी कर मुरादाबाद और संभल के लोगों को बेचने का काम होता था। खलील के कथनानुसार मोनू और बॉबी नाम के दो अन्य अपराधी इसके लिए सहयोगी हैं। पुलिस ने खलील के इशारे पर दो और चोरी की गाड़ियाँ बरामद की हैं, जिनमें एक सफेद मारुति स्विफ्ट डिजायर और एक काली हुंडई क्रेटा शामिल है, जो दिल्ली के अलग-अलग इलाकों से चोरी हुई थीं। डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में इस पूरे अभियान की योजना व क्रियान्वयन पुलिस की विशेष जांच टीम ने बड़ी तत्परता और सटीकता से किया। इस टीम का नेतृत्व विक्रांत चौधरी कर रहे थे। इस टीम में राजीव, सुधीर, अनुज, उमेश, कुलदीप, रोहित, मोहित, कांस्टेबल अंकुर, कांस्टेबल अजय और कांस्टेबल क्लेवर जैसे दक्ष अधिकारी शामिल थे। इन अधिकारियों ने गुप्त सूचनाओं और सीसीटीवी फुटेज की जांच के माध्यम से वाहन चोरों के नेटवर्क को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। जिले में वाहनों की चोरी पर नियंत्रण के लिए डीसीपी प्रशांत गौतम ने कहा कि पुलिस पूरी ताकत के साथ अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है ताकि नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। डीसीपी प्रशांत गौतम ने इस सफलता को जिले की पुलिस बल की मेहनत और जनता के सहयोग का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि पुलिस का उद्देश्य केवल अपराधियों को पकड़ना ही नहीं, बल्कि अपराध को जड़ से खत्म करना है। उन्होंने बताया कि वाहन चोरी के मामलों पर विशेष नजर रखी जा रही है और भविष्य में ऐसे अपराधों की रोकथाम के लिए और भी कड़े कदम उठाए जाएंगे। डीसीपी ने आम नागरिकों से अपील की कि वे संदिग्ध गतिविधियों की सूचना पुलिस को तुरंत दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। इस कार्रवाई ने जिले में कानून-व्यवस्था के प्रति जनता का विश्वास और बढ़ाया है। डीसीपी प्रशांत गौतम के नेतृत्व में शाहदरा पुलिस ने यह संदेश दिया है कि अपराधी चाहे कितने भी चालाक क्यों न हों, उनकी पोल जल्द ही खुल ही जाती है। इस अभियान के तहत अभी और गहराई से जांच जारी है और अधिक गाड़ियों की बरामदगी के लिए पुलिस जुटी हुई है।

ज्येष्ठ माह के बड़े मंगलवार पर कराया भंडारा

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर। नगर में आंबेडकर पार्क के पास भारतीय स्टेट बैंक शाखा की ओर से ज्येष्ठ माह के चौथे मंगलवार को भंडारे का आयोजन किया गया। तमाम लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। शाखा प्रबंधक विनीत कुमार ने बताया कि ज्येष्ठ माह के सभी मंगलवार का अपना विशेष महत्व होता है। भारतीय स्टेट बैंक शाखा द्वारा सर्व समाज की उन्नति कल्याण और मंगलमयी जीवन की भावना से बड़े मंगल पर भंडारे का आयोजन कर प्रसाद वितरण किया गया है। इस दौरान अंकित जोशी, उत्तम मिश्रा, मनोज अग्रवाल, धीरेंद्र पाल सिंह, अभिषेक कुमार, ऋद्धि गुप्ता, मोहित कुमार, रोहित कुमार आदि मौजूद रहे।

गंगा एक्सप्रेसवे पर कार्य कर रहे मजदूरों की मेहनताना नहीं मिलने पर किया प्रदर्शन

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर।गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण कार्य में लगे मजदूरों ने मंगलवार को कार्यस्थल पर प्रदर्शन कर कहा कि चार माह से उन्हें पारिश्रमिक नहीं दिया गया है, जिसके चलते आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। दो वक्त की रोटी के लिए भी पैसा नहीं है। जल्द मेहनताना न मिलने पर डीएम से शिकायत करने की बात कही। जिले की हसनपुर तहसील क्षेत्र में गंगा एक्सप्रेसवे का निर्माण कार्य चल रहा है। तमाम स्थानीय मजदूर भी कार्य में लगे हैं। मंगलवार को मजदूर मंगरौला गांव के पास गंगा एक्सप्रेसवे पर जमा हुए और प्रदर्शन किया। हथियाखेड़ा निवासी मजदूर किशोर ने बताया कि वह तकरीबन चार महीने से गंगा एक्सप्रेसवे निर्माण कार्य में मजदूरी कर रहा है। उसके साथ ही मंगरौला, मंगरौली, रुस्तमपुर, रुखालू आदि गांवों के दर्जनों मजदूर भी मजदूरी कर रहे हैं। कहा कि चार महीने से मेहनताना नहीं मिला है। आरोप लगाया कि पैसे मांगने पर गंगा एक्सप्रेस वे निर्माण कार्य में लगी कंपनी के अधिकारी मजदूरों को हटाने की धमकी देते हैं। अब पैसे देने में टाल-मटोल कर रहे हैं, जिससे मजदूरों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। चेतावनी दी कि जल्द पारिश्रमिक नहीं मिला तो जिलाधिकारी से शिकायत करेंगे। इस दौरान चंद्र किशोर, गोविंदा, धर्मेंद्र, किशोर, अमित, लाल सिंह, अनिल, विजय, बबलू, संजय, रामपाल, अंकित, सुनील, शंकर, बृजेश, कोशिंद्र, कौशल आदि मौजूद रहे।

ईद उल अजहा के पर्व को लेकर थाना स्योहारा में हुई अमन कमेटी की बैठक

एक दूसरे की भावनाओं का ख्याल करते हुए साफ,सफाई से मनाए पर्व : तहसीलदार

- त्याग,समर्पण और मौहब्बत का पैगाम देता है कुबार्नी का त्यौहार : मौलाना कामिल

प्रात : किरण संवाददाता

स्योहारा। गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी ईद उल अजहा को लेकर उच्चधिकारियों के दिशा निर्देश पर शांति समिति की एक मीटिंग थाना परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक स्योहारा ने आयोजित कराई। जिसका संचालन वरिष्ठ पत्रकार इकबाल रूमानी ने किया तथा अध्यक्षता थाना प्रभारी निरीक्षक अमित कुमार ने की।मीटिंग में मुख्य अतिथि के रुप में धनराज सिंह तहसील धामपुर व शहर इमाम मौलाना कामिल मौजूद रहे। तहसीलदार धनराज सिंह ने उपस्थित जनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ईद उल अजहा का त्यौहार परम्परागत रूप और दूसरे धर्म के लोगो की भावनाओं का ख्याल करते हुए मनाएं क्योंकि किसी की भी भावना आहत न हो और कोई नई परम्परा शुरू न करे। उन्होंने कुबार्नी के पर्व पर रोशनी डालते हुए कहा कि यह बहुत ही पवित्र त्यौहार है कुबार्नी को खुले स्थान और सार्वजनिक स्थान पर ना करें। कुबार्नी ढके स्थान पर करे और कुबार्नी किये गये जानवर के अवशेष और खून को दफनाने की व्यवस्था भी समुचित रूप से करे। शासन प्रशासन का सहयोग करें। थाना प्रभारी अमित कुमार ने असामाजिक तत्वों को सचेत करते हुए कहा कि त्यौहार की खुशियो को पलीता लगाने वालों को किसी भी कीमत पर नही बख्शा जाएगा कानून उनसे सख्ती से निपटेगा।मीटिंग में अधिशासी अधिकारी विजेंद्र सिंह पाल ने कहा नगर पालिका के पास पर्याप्त संसाधन है जो त्यौहार पर हमेशा तैयार रहेंगे उन्होंने पानी और सफाई की उचित व्यवस्था के लिए आश्वासन दिया पिछले ईद उल अजहा की अपेक्षा इस बार कुर्बान किए गए जानवरों के अवशेष उठाने के लिए अधिक से अधिक ट्रॉली की व्यवस्था की जाएगी की जिससे समय रहते सफाई हो जाएगी ताकि किसी को परेशानी ना हो। शहर इमाम मौलाना मौहम्मद कामिल ने कहा पूरे जनपद में स्योहारा की गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल दी जाती है और आगे भी यह स्योहारा आपसी भाईचारे के लिए जाना जाएगा यहां के रहने वाले एक दूसरे के पर्वो में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं हम सब अपने हम वतनी भाइयों के जजबातों की कद्र करते हुए त्यौहार मनाएंगे और हमेशा की तरह इस बार भी शासन प्रशासन का सहयोग करेंगे। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता डॉक्टर विनीत देवरा, विजेंदर सिंह पाल अधिशासी अधिकारी, नगर इंचार्ज उपनिरीक्षक हरिओम सिंह,उपनिरीक्षक उमेश चंद यादव,उपनिरीक्षक राजेश कुमार टी जी 2 विधुत कैलाशपति मौर्या, मौलाना अरशद अली हक्की, मौलाना अरशद अली नदवी, हाफिज कमरूद्दीन, असमत चौधरी,आफाक ठेकेदार, डॉक्टर पूर्व मण्डल अध्यक्ष मनोज भटनागर मण्डल अध्यक्ष भाजपा, वसीम अहमद, वरिष्ठ भाजपा नेता बदर खान, उमैर चौधरी, मौलाना सुल्तान अहमद सहसपुर, कारी तसव्वुर अली, मौहम्मद आमिर भावी प्रत्याशी सहसपुर देहात, सभासद जफीरूद्दीन उर्फ आजमी,राजवीर त्यागी, लेखपाल अनिल कुमार , वरिष्ठ लिपिक देवेन्द्र सिंह आदि सहित थाना स्टाफ और बड़ी संख्या में नगर व क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

दिल्ली में कबूतरों की बढ़ती संख्या से स्वास्थ्य संकट एनजीटी ने सरकार और नगर निगम को भेजा नोटिस

नई दिल्ली,। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कबूतरों को सार्वजनिक स्थानों पर दाना खिलाने से होने वाले पर्यावरण और स्वास्थ्य संबंधी खतरों को लेकर चिंता जताई है। एक याचिका में कहा गया है कि दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में बड़ी संख्या में लोग कबूतरों को दाना खिलाते हैं, जिससे उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है। याचिका में दावा किया गया है कि कबूतरों के मल से ह्लहाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिसह्व जैसी गंभीर फेफड़ों की बीमारी हो सकती है, जिसमें सांस लेने में परेशानी और फेफड़ों में जख्म हो जाते हैं। सूखा मल उड़कर फैलाता है जहरीली धूल एनजीटी अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए. सेंथिल वेल की पीठ ने याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि कबूतरों के कारण फुटपाथ, सड़कें और सार्वजनिक स्थान गंदे हो जाते हैं। जब इन जगहों की सफाई की जाती है, तो सूखा हुआ मल धूल में मिलकर हवा में उड़ने लगता है। इससे न केवल पर्यावरण प्रदूषित होता है, बल्कि लोगों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर पड़ता है। खासकर बुजुर्गों, बच्चों और सांस की बीमारी से पीड़ित लोगों के लिए यह स्थिति और भी खतरनाक हो सकती है। दिल्ली सरकार और अन्य विभागों को भेजा गया नोटिस एनजीटी ने 29 मई को अपने आदेश में कहा कि याचिका पर्यावरणीय मानदंडों के उल्लंघन का गंभीर मुद्दा उठाती है। अधिकरण ने दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम (एमसीडी), लोक निर्माण विभाग (पीडब्लूडी) और अन्य संबंधित विभागों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने को कहा है। इन सभी से हलफनामे के जरिए अपना पक्ष रखने को कहा गया है। अब इस मामले की अगली सुनवाई 8 अक्टूबर को होगी।

दरगाह के पास पेड़ पर लटका मिला ई-रिक्शा चालक का शव

प्रात : किरण संवाददाता

हसनपुर।ई-रिक्शा चालक का शव मंगलवार सुबह शहर के नजदीक शीशम के पेड़ पर लटका मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा है। प्रथम दृष्टया माना जा रहा है कि ई-रिक्शा चालक ने सुसाइड किया है। मंगलवार को मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने नए बिजलीघर के पास भूरे शाह की दरगाह पर लगे शीशम के पेड़ पर युवक का शव लटका हुआ देखा तो मोहल्ले में खबर की। तमाम लोग मौके पर पहुंच गए। शव नगर के मोहल्ला खेवान निवासी 35 वर्षीय संजय उर्फ कलुआ पुत्र नरेना का था। रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि संजय ई-रिक्शा चलाकर परिवार का पालन-पोषण करता था। कई दिन पहले संजय ने परिवार के लोगों को बिना बताए ई-रिक्शा के बैटरों को बेचकर 10 हजार रुपया किसी को उधार दिया था। इस बात को लेकर घर में क्लेश हो रही थी। सोमवार शाम संजय घर से गायब हो गया। परिवार के लोगों ने उसे काफी रात तक तलाश किया, लेकिन उसका कहीं पता नहीं लगा। रात में परिवार के लोगों से संजय की मोबाइल पर बात हुई थी तो उसने भूरे शाह की दरगाह के समीप होना बताया था। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। संजय अपने पीछे पत्नी बबीता के अलावा दो बेटे व एक बेटी छोड़ गया है। परिवार में कोहराम मचा हुआ है। प्रभारी निरीक्षक वरुण कुमार ने बताया कि ई-रिक्शा चालक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेजा गया है। प्रथम दृष्टया मामला सुसाइड का लग रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से मौत का कारण स्पष्ट होगा। फिलहाल इस मामले में कोई कानूनी कार्रवाई नहीं हुई है।

महापौर की ग्रीन बकरीद मनाने की अपील कहा खुले में या अवैध कुबार्नी पर होगी कार्रवाई

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के महापौर राजा इकबाल सिंह ने मंगलवार को पर्यावरण और पशु संरक्षण को ध्यान में रखते हुए इको-फ्रेंडली बकरीद मनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि खुले में या अवैध तरीके से कुबार्नी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। पत्रकारों से बातचीत में सिंह ने कहा कि पशुओं की सार्वजनिक कुबार्नी रोकी जानी चाहिए। यदि निर्धारित स्थानों के बाहर कुबार्नी की जाती है, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि खुले में अथवा गैरकानूनी रूप से की गई कुबार्नी पर कार्रवाई का प्रावधान रखा गया है। महापौर ने कहा कि नगर निगम की ओर से गाजीपुर का स्लॉटर हाउस खुला रहेगा। जिन्हें कुबार्नी देनी है, वे अधिकृत स्लॉटर हाउस का उपयोग करें। अवैध रूप से कुबार्नी करने वालों के खिलाफ नगर निगम सख्त कदम उठाएगा। सिंह ने कहा कि ग्रीन बकरीद मनाकर भी ईद का पर्व मनाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि बकरीद पर कुबार्नी के स्थान पर इबादत और दान के माध्यम से त्योहार मनाएं, ताकि जानवरों को कष्ट न हो।

आप नेता नरेश बालियान को नहीं मिली राहत कोर्ट ने 5 जुलाई तक बढ़ाई हिरासत की अवधि

नई दिल्ली, प्रात : किरण संवाददाता

नई दिल्ली,। आम आदमी पार्टी (आप) के नेता नरेश बालियान से जुड़े बहुचर्चित मकोका मामले में राउज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को अहम सुनवाई की। अदालत ने नरेश बालियान समेत अन्य आरोपियों की न्यायिक हिरासत को 5 जुलाई तक बढ़ा दिया है। इस मामले में अब चार्ज फ्रेम (आरोप तय करने) की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। अगली सुनवाई भी 5 जुलाई को निर्धारित की गई है। मामले की सुनवाई के दौरान सभी आरोपियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से खासतौर पर आरोपी विकास गहलोत के खिलाफ जांच को आगे बढ़ाने के निर्देश दिए हैं। माना जा रहा है कि पुलिस को विकास गहलोत की भूमिका को लेकर और साक्ष्य एकत्र करने की जरूरत है। नरेश बालियान पर संगठित अपराध से जुड़े मामलों में संलिप्तता का आरोप है, जिसके चलते उनके खिलाफ मकोका के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस का दावा है कि यह मामला एक संगठित गिरोह से जुड़ा हुआ है, जिसमें हथियारों की तस्करी, जबरन वसूली और अन्य आपराधिक गतिविधियों के आरोप हैं। कोर्ट में दाखिल की गई चार्जशीट में बताया गया कि नरेश बालियान और उनके सहयोगियों ने एक आपराधिक नेटवर्क का निर्माण किया था, जो लंबे समय से दिल्ली और आसपास के इलाकों में सक्रिय था। पुलिस ने यह भी बताया कि इस नेटवर्क के जरिए आर्थिक लाभ उठाने के उद्देश्य से संगठित रूप से अपराधों को अंजाम दिया जा रहा था। वहीं, नरेश बालियान और उनके समर्थकों का कहना है कि यह मामला राजनीतिक साजिश के तहत तैयार किया गया है और उनके खिलाफ फर्जी तरीके से केस दर्ज किया गया है। आम आदमी पार्टी की ओर से अब तक इस मामले पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिलहाल कोर्ट में चार्ज फ्रेम की प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही यह देखना अहम होगा कि दिल्ली पुलिस किन साक्ष्यों के आधार पर आरोप तय करवाने की कोशिश करती है और बचाव पक्ष इसका किस तरह से जवाब देता है। अगली सुनवाई 5 जुलाई को होगी, जो इस केस की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

कृषि संकल्प अभियान के तहत किसानों को किया जागरूक

गजरौला। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मंगलवार को क्षेत्र के गांव अहरौला तेजवन, फौंदापुर, वारसाबाद, हसनपुर ब्लाक क्षेत्र के गांव दमगड़ी, बिजनौरा, सकतपुर, अमरोहा ब्लाक क्षेत्र के गांव खेड़की, नौगावां तगा में कार्यक्रम हुआ। कृषि विज्ञान केंद्र एवं भारतीय कृषि अनुसंधान के केंद्रीय गोवंश अनुसंधान संस्थान मेरठ के वैज्ञानिकों समेत कृषि, गन्ना, उद्यान, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों की तीन टीमों ने गांव-गांव जाकर किसानों को खरीफ फसलों, मृदा परीक्षण, प्राकृतिक खेती, गन्ने के साथ सहफसली खेती, फसल सुरक्षा, पशुपालन में रिपीट ब्रीडिंग, संतुलित राशन, अनुवांशिकी संबंधी समस्याओं की बावत किसानों को जागरूक किया। डा. अजयवीर विश्नोई, डा. सुशील कुमार, डा. डी दिव्या ने पशुओं में तेजी से फैल रही रिपीट ब्रीडिंग की समस्या और दूध देने वाली गाय एवं भैंसों को संतुलित राशन देने से जुड़ी जानकारी दी। उप निदेशक कृषि डा. रामप्रवेश ने कहा कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार स्तर पर विभिन्न योजनाएं किसान हित में चलाई जा रही हैं, उनका अधिक से अधिक लाभ उठाएं। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डा. एके मिश्र ने कहा कि किसान कीटनाशकों एवं फफूंद नाशक दवाओं का कम से कम प्रयोग करें। डा. हादी हुसैन खान ने बताया कि तीन टीमें अलग-अलग ब्लाक क्षेत्रों में रोजाना सुबह आठ से शाम छह बजे तक किसानों को फसलों की तकनीकी जानकारी दे रही हैं।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें

@Pratahkiran www.pratahkiran.com

राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण

नई दिल्ली, बुधवार, 04 जून, 2025

संक्षिप्त खबरें

पीएचडी कोर्स वर्क में नामांकन की तिथि 15 जून तक

मधेपुरा भूपेंद्र नारायण मंडल विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. शंकर कुमार मिश्रा ने बताया कि पीएचडी कोर्स वर्क-2022 और 2023 की बची हुई सीटों पर नामांकन की तिथि बढ़ा दी गई है, अब नामांकन 15 जून तक किया जा सकता है। यूएमआइएस में नामांकन की पुष्टि के लिए सूची जमा करने की अंतिम तिथि 16 जून तय की गई है वर्ग की शुरुआत 21 जून से होगी।

प्रखंड राजद अध्यक्ष ने पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से दिया इस्तीफा

पुरैनी (मधेपुरा) पुरैनी प्रखंड में बीते दिनों राजद के सांगठनिक चुनाव के दौरान बिना क्रियाशील एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं सहित नेताओं के परामर्श तथा मनमाने तरीके से दूसरे पार्टी के पदधारी नेता शिवधन शर्मा को प्रखंड राजद अध्यक्ष पद पर चुन लिया गया। जिससे प्रखंड क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में जहां काफी आक्रोश व्याप्त है। वहीं उक्त प्रक्रिया से आहत होकर निवर्तमान प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव सिंह निषाद ने पार्टी के प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। लिहाजा प्रखंड क्षेत्र के राजद कार्यकर्ताओं के बीच राजनीतिक सरगर्मी काफी तेज हो गई है। इस बाबत निवर्तमान प्रखंड अध्यक्ष कपिल देव सिंह निषाद जारी कर कहा कि वर्तमान समय में राजद बिचौलियों की पार्टी बनकर रह गई है। यहां सक्रिय कार्यकर्ताओं को सम्मान मिलने की बात तो दूर उसे पूछने वाला भी कोई नहीं है। पार्टी का झंडा लेकर दूसरे दलों की गुणगान करने वाले बिचौलिए सरीखे कार्यकर्ता एवं नेताओं को पार्टी में जगह मिलने लगी है। यही वजह है कि यहां पार्टी से जुड़े क्रियाशील एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर बिना उसके सहमति से चंद बिचौलिए सरीखे नेताओं द्वारा अपने स्वार्थ सिद्धि के लिए जनसुराज पार्टी में महासचिव पद पर आसीन नेता को अचानक राजद का प्रखंड अध्यक्ष बना दिया गया। जो गैर लोकतांत्रिक ही नहीं बल्कि पार्टी के साथ विश्वास घात भी है।

जागरूकता अभियान के तहत जनजातीय टोलों में विशेष विकास शिविर का आयोजन 15 से 30 जून तक : डीएम

प्रात : किरण संवाददाता

मधेपुरा जागरूकता अभियान के तहत जनजातीय टोलों में विशेष विकास शिविर का होगा आयोजन। जिले में प्रधानमंत्री जन-मन योजना एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान 15 जून से 30 जून 2025 तक आयोजित होगा। जिलाधिकारी तरनजोत सिंह ने जानकारी दी है कि भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा पी भी टी जी एस एवं जनजातीय टोलों में निवास करने वाले लोगों को प्रधानमंत्री जन-मन एवं प्रधानमंत्री धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के तहत विशेष विकास शिविर का आयोजन कर सरकार की महत्वपूर्ण योजनाएं यथा-आयुश्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, प्रधानमंत्री किसान सम्मान कार्ड, प्रधानमंत्री उज्जवला गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना, मनरेगा, मुद्रा लोन आदि सेवाओं से वंचित लोगों को शतप्रतिशत लाभ प्रदान करते हुए अच्छादित किया जाएगा।।मधेपुरा जिले में इस अभियान के सफल संचालन और आम लोगों के बीच जागरूकता को लेकर 15 जून से 30 जून 2025 तक विशेष अभियान चलाया जाएगा। इसका मुख्य उद्देश्य आदिम जनजाति एवं अन्य जनजातीय क्षेत्रों में अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाना है ताकि जनजातीय समुदाय की समाजिक आर्थिक स्थिति में सुधार हो और केन्द्र सरकार एवं राज्य सरकार की विभिन्न लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जा सके, इसके लिए विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों को समन्व्य, जनसहभागिता के साथ कार्य करने का निदेश दिया गया है। सभी पंचायत स्तर के सभी कर्मियों को व्यापक प्रचार-प्रसार करने का निदेश दिया गया।

नशीली दवाओं के बाद युवाओं को होती है मीठी चाय एवं सिगरेट की तलब

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा शराबबंदी कानून लागू होने के बाद नशे के विकल्प के रूप में युवाओं में नशीली दवाओं का चलन बढ़ता जा रहा है। खासकर खांसी की सिरप और अन्य नशीली दवाएं अब शहर से ई लेकर गांवों तक की चाय दुकानों 5 पर आसानी से उपलब्ध हैं। इन दुकानों ने अब नशेड़ियों के अड्डों का रूप ले लिया है। जानकारी के अनुसार, नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत अनेक चाय दुकानों पर नियमित रूप से नशे की लत के शिकार युवा देखे जा सकते हैं। नशे का सेवन करने वाले युवाओं का कहना है कि जैसे ही वे नशीली सिरप या टैबलेट लेते हैं, उन्हें तुरंत मीठी गरम चाय की तीव्र इच्छा होती एवं सिगरेट पीने की प्रबल इच्छा होती है। यही कारण है कि चाय दुकानों पर इन युवाओं की भीड़ लगी रहती है। स्थानीय पुलिस के अनुसार, जब्त की गई नशीली दवाएं आमतौर पर प्रतिबंधित श्रेणी में नहीं आतीं, जिससे इनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई में बाधा आती है। पुलिस का कहना है कि ये दवाएं मेडिकल दुकानों से तो खरीदी जाती हैं, परंतु उनका उपयोग नशे के रूप में होता है। कुछ मामलों में इन दवाओं की तस्करी शहर से गांवों तक होती है। युवा वर्ग इन्हें आसानी से प्राप्त कर नशे की लत का शिकार हो रहे हैं। पुलिस प्रशासन का कहना है कि समय-समय पर छापेमारी की जाती है, लेकिन जब तक जन जागरूकता नहीं बढ़ेगी, इस प्रवृत्ति पर अंकुश लगाना कठिन होगा। डॉक्टरों ने पूछने पर बताया कि लगातार नशे की लत से युवाओं की मानसिक और शारीरिक सेहत पर गंभीर असर पड़ रहा है। यदि समय रहते इस पर नियंत्रण नहीं पाया गया, तो आने वाले समय में एक बड़ी युवा आबादी स्वास्थ्य संकट में फँस सकती है।

पहली बार मतदाता जागरूकता के लिए निकली स्वीप कोषांग के व्यवस्था में साइकिल रैली

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा में लोकतंत्र को मजबूती देने की दिशा में एक नई पहल की गई है। स्वीप कोषांग के तत्वावधान में पहली बार साइकिल रैली का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य था–हर वोट जरूरी है, हर मतदाता जरूरी है। यह रैली जिलाधिकारी कार्यालय गेट से शुरू होकर शहर के प्रमुख चौक-चौराहों से गुजरते हुए वापस कार्यालय गेट पर समाप्त हुई। पूरे आयोजन में युवाओं, छात्रों और जागरूक नागरिकों की भारी भागीदारी रही। डीडीसी ने हरी झंडी दिखाकर रैली को रवाना किया, जबकि कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने के लिए मुख्य अतिथि के रूप में सुप्रसिद्ध गायक जय झा उपस्थित रहे। उनकी मौजूदगी ने लोगों में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागियों ने शपथ ली कि वे स्वयं मतदान करेंगे और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करेंगे – झकोई वोट देने से वंचित न रहे झ श्री निराला ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा, झऐसे कार्यक्रम न केवल जागरूकता बढ़ाते हैं, बल्कि लोकतंत्र को भी सशक्त बनाते हैं। यह एक शुरूआत है, जो आगे भी जारी रहेगी झ आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मतदाता जागरूकता का यह अभियान सहरसा में नई ऊर्जा और संकल्प के साथ आरंभ हो चुका है।

दारोगा द्वारा महिला से छेड़खानी, मामले में कोर्ट ने माँगी एसएसपी से रिपोर्ट

प्रात : किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले में बीते दिनों अहियापुर थाना में पदस्थापित दरोगा विपिन रंजन द्वारा अपने ही क्षेत्र की एक महिला से छेड़खानी किए जाने का मामला अब कोर्ट पहुँच गया है। मामले में सुनवाई के दौरान गंभीर रुख अपनाते हुए न्यायालय द्वारा एसएसपी मुजफ्फरपुर से रिपोर्ट की माँग की गई है। दरअसल मामला यह है कि अहियापुर थाना क्षेत्र के मुरादपुर दुल्लाह गाँव की एक महिला द्वारा दरोगा विपिन रंजन पर उसके साथ छेड़खानी व मारपीट करने के गंभीर आरोप लगाये गये। पीड़िता ने बताया कि दरोगा विपिन रंजन अक्सर उनके घर में घुसकर उनकी इज्जत लूटने का प्रयास करते है, लेकिन डर और लोक-लज्जा के कारण वह आजतक किसी से कुछ नहीं बोल पायी। पीड़िता ने बताया कि दरोगा विपिन रंजन द्वारा उसे बार-बार अपने घर आने के लिए दबाव दिया जाता है। गत 19 मई की रात डेढ़ बजे जब दरोगा फिर उसके घर पहुँच कर मनमानी करने लगे, तब महिला ने विरोध किया, तो दरोगा द्वारा उसके साथ मार-पीट की गई और पिस्तौल के दम पर उसकी साड़ी खिंचकर इज्जत लूटने का प्रयास भी किया गया। पीड़िता ने बताया कि जख्मी हालत में ही वह वहाँ से भागी और एसकेएमसीएच जाकर अपना इलाज करायी, जब वह लौटकर अपने घर आई तो देखी कि उसके बिस्तर पर तकिये के नीचे रखे 20 हजार रुपये भी गायब है। पीड़िता ने कहा कि दरोगा विपिन रंजन द्वारा उसे शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई है। थक-हारकर महिला ने न्यायालय की शरण ली। महिला द्वारा मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा के माध्यम से दिनांक 24 मई को न्यायालय के समक्ष परिवाद दर्ज कराया गया, जिसपर सुनवाई करते हुए न्यायालय द्वारा एसएसपी मुजफ्फरपुर से रिपोर्ट की माँग की गई है। मामले के सम्बन्ध में मानवाधिकार अधिवक्ता एस.के.झा ने कहा कि यह रक्षक के भक्षक बनने का तथा मानवाधिकार उल्लंघन के अतिगंभीर कोटि का मामला है। पुलिस, जिसपर लोगों की सुरक्षा की जवाबदेही है, वही ऐसी घिनौनी हरकत करें, तो लोगों का तो पुलिस-प्रशासन पर से भरोसा ही उठ जायेगा। ऐसे में लोग फरियाद लेकर कहाँ जाये, यह भी एक यक्ष प्रश्न है। विदित हो मामले में अगली सुनवाई 28 जून को होगी।

सौरबाजार में दर्दनाक हादसा: कार की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, पति लापता, पुलिस ने शुरू की तलाश

सहरसा। सौरबाजार थाना क्षेत्र के हनुमान नगर चकला चौक के समीप एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुजुर्ग दंपति को तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति का शव अभी तक लापता है। यह हादसा इलाके में सनसनी का कारण बन गया है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बुजुर्ग दंपति सड़क किनारे खड़े थे, तभी तेज गति से आ रही एक कार ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके पति घटनास्थल से रहस्यमयी तरीके से लापता हो गए। घटनास्थल पर पहुंचकर सदर एस डी पी ओ आलोक कुमार, ट्रैफिक डीएसपी, सोनबरसा राज थानाध्यक्ष अभिनाश कुमार, सौरबाजार थानाध्यक्ष अजय पासवान ने स्थिति को नियंत्रण में लिया और शव को फिलहाल परिजन को सौंप दिया।

उदाकिशुनगंज पुलिस ने किया भारी मात्रा में प्रतिबंधित कप सिरप बरामद, एक महिला गिरफ्तार

- थाना क्षेत्र के भवानंदपुर, वार्ड संख्या 3 के गोविंद साह के घर से किया गया 1468 बोतल कप सिरप बरामद

प्रात : किरण संवाददाता

नयानगर (मधेपुरा) रविवार की संध्या उदाकिशुनगंज पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर गोविंद साह के घर से प्रतिबंधित कप सिरप के 1468 बोतल बरामद किया। मामले की जानकारी देते हुए थानाध्यक्ष विनोद कुमार सिंह ने बताया कि रविवार की देर संध्या गुप्त सूचना मिली कि गोपालपुर पंचायत के भावानंदपुर गांव के वार्ड संख्या 3 के पवन साह के पुत्र गोविंद साह के घर पर भारी मात्रा में प्रतिबंधित कप सिरप का खेप पहुंचा है। गुप्त सुचना के आधार पर थानाध्यक्ष बिनोद कुमार सिंह ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक टीम गठित कर पुअनि जितेंद्र ठाकुर के नेतृत्व में पुअनि राजेश चौधरी, पीएसआई गौरव कुमार एवं अंशु कुमारी समेत पुलिस बल को शामिल किया। पुलिस एक्शन में आकर सूचक के निशानदेही पर गोपालपुर पंचायत के भवानंदपुर गांव पहुंचकर गोविंद साह के घर पर छापेमारी अभियान चलाया। जिसमें घर के लोग इधर-उधर भागने लगे। तब पुलिस ने गोविन्द साह की पत्नी रीता देवी को अपने कब्जे में लेकर घर की तालाशी करना शुरू किया। जिसमें घर के पीछे दिवाल से सटे चार प्लास्टिक की बोड़ी और कार्टून दिखाई दिया। पुलिस ने जब सभी बोड़ी और कार्टून को खोलकर देखा तो पाया कि प्रतिबंधित कप सिरप के छोटे-छोटे बोतल भारी मात्रा था। जिसे गिनती करने पर 100 एमएल के कुल 1468 बोतल पाया गया। पुलिस ने सभी प्रतिबंधित कप सिरप के बोतल को जब्त कर एक महिला तस्कर रीता देवी को गिरफ्तार कर थाना लाया। जहां पुछताछ के क्रम में गिरफ्तार महिला ने पुलिस के समक्ष बताई कि यह प्रतिबंधित कप सिरप करौती गांव के विद्यानंद यादव के पुत्र सोनू कुमार के द्वारा सप्लाय की बात कही है। उन्होंने यह भी कही हमलोग चोरी - छिपे बेचते हैं। पुलिस ने गिरफ्तार रीता देवी के बयान पर तीन लोगों को आरोपित करते हुए केस दर्ज कर लिया है। वहीं गिरफ्तार महिला तस्कर रीता देवी को सोमवार को न्यायिक हिरासत भेजा गया।

बिहार कबड्डी टीम में सहरसा की दो बेटियों का हुआ चयन, खेलप्रेमी हर्षित

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए बिहार टीम की हुई घोषणा

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा बिहार कबड्डी टीम में सहरसा की दो बेटियों के चयन पर खेलप्रेमी हर्षित है। बिहार कबड्डी टीम घोषित के बाद जिला कबड्डी संघ सचिव सह निगम पार्षद 31 आशिष रंजन सिंह ने जानकारी देते हुए कहा आगामी 5 से 8 जून तक आंध्रप्रदेश के मछलीपत्तनम् के मंगिनापुडी बीच पर आयोजित होने वाली 12वीं बीच नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप के लिए महिला व पुरुष बिहार टीम की घोषणा कर दी है। पुरुष टीम की कमान मुंगेर के शांतनु सिंह जबकि महिला टीम की कमान कटिहार की नंदनी कुमारी को सौंपी गई है। बिहार राज्य कबड्डी संघ के चेयरमैन कुमार विजय सिंह, सीईओ अवधेश कुमार सिंह, सहरसा जिला कबड्डी संघ अध्यक्ष अमित कुमार, उपाध्यक्ष डॉ. आर के रवि, पंकज गुप्ता, संयुक्त सचिव तुषार कात्यायन, पूजा कुमारी, संरक्षक सुनील झा समेत संघ के पदाधिकारियों ने टीम को जीत की शुभकामनाएं दी है। महिला वर्ग से नंदनी सिंह (कप्तान, कटिहार), रिंशी कुमारी (बेगूसराय), प्रिया कुमारी (भोजपुर), पूर्णिमा प्रियदर्शनी (वैशाली), आंचल कुमारी (सहरसा), नुजहत बानो (सहरसा) कोच-सुनील कुमार, मैनेजर-अमिता सिंह शामिल है।

कोशी शिक्षा गौरव मंडन मिश्र के नाम पर सहरसा में बने केंद्रीय विश्वविद्यालय : प्रवीण आनंद

प्रात किरण संवाददाता

सहरसा कोशी क्षेत्र में उच्च शिक्षा की दयनीय स्थिति और पिछड़े, गरीब, ग्रामीण छात्रों के भारी पलायन को देखते हुए, कोशी विकास संघर्ष मोर्चा ने भारत सरकार से मांग की है कि सहरसा जिले में पंडित मंडन मिश्र केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए। संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष विनोद कुमार झा और संरक्षक एवं पूर्व जिला पार्षद प्रवीण आनंद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एक पत्र प्रेषित कर यह आग्रह किया है कि सहरसा, सुपौल और मधेपुरा जिलों को शिक्षा के नक्शे पर सम्मान दिलाने हेतु एक केंद्रीय विश्वविद्यालय की घोषणा की जाए, जिसका नाम महान दार्शनिक और संस्कृत के प्रकांड विद्वान आचार्य पंडित मंडन मिश्र के नाम पर हो। उन्होंने कहा कि पंडित मंडन मिश्र जी की विद्वत्ता और शंकराचार्य जी के साथ उनके ऐतिहासिक शास्त्रार्थ की प्रसिद्धि कोशी और मिथिला की सांस्कृतिक पहचान का गौरव है। विश्वविद्यालय का नामकरण उनके नाम पर होना, भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा को सम्मान देने जैसा होगा।प्रवीण आनंद ने यह भी कहा कि कोशी क्षेत्र के हजारों छात्र आज भी उच्च शिक्षा के लिए दिल्ली, पटना, कोलकाता जैसे शहरों की ओर पलायन करते हैं। यह पलायन आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग, पिछड़े समाज और ग्रामीण परिवारों पर दोहरा बोझ डालता है। उन्होंने सुझाव दिया कि सहरसा स्थित पंडित मंडन मिश्र कृषि महाविद्यालय, अगवानपुर को आधार बनाकर इस विश्वविद्यालय की स्थापना की जाए। यह न केवल प्रशासनिक दृष्टि से सहज है, बल्कि पहले से उपलब्ध संरचना के कारण इसमें शीघ्रता भी संभव है। कोशी विकास संघर्ष मोर्चा ने प्रधानमंत्री जी से अपील की है कि वे इस ऐतिहासिक मांग पर संवेदनशीलता से विचार कर कोशी को एक बड़ी शैक्षणिक सौगात दें।

सुढ़ी जाति संगठित होगा तो सीएम भी हमारा होगा और पीएम भी हमारा होगा : ज्योति

सूढ़ी समाज को अपना अधिकार पाने के लिए शक्ति दिखानी होगी: प्रमंडलीय संयोजक अनिल वैध

- समाजिक और राजनीतिक स्तर पर मजबूती के बिना समाज आगे नही बढ़ सकता : जिला संयोजक

प्रात : किरण/अभय आर्या

मुंगेर/ असरगंज ।संग्रामपुर प्रखंड क्षेत्र के ददरीजाला गांव में अखिल भारतीय सूढ़ी (वैश्य) महासम्मेलन की सफलता को लेकर राजेश साह की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गयी ।बैठक को संबोधित करते हुए प्रदेश महिला सेल सह संयोजक ज्योति वैध ने कही कि सूढ़ी समाज के लोग यदि एकजूट नही रहेगे तो अपने अधिकार से वंचित रहेगे । संगठन में बल है। अगर हमलोग आपस में संगठित होगे तो सीएम भी हमारा होगा और पीएम भी ।

उन्होने कहा कि बिना लड़ाई लड़े कुछ नही मिलता । आजादी भी हमें लड़ाई लड़कर ही मिली थी ।हमें अपने अधिकार व हक के लिए व्यापक संघर्ष करना होगा ।जिसके बाद सरकार सूढ़ी समाज को अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करेगी और राजनीतिक हिस्सेदारी भी मिलेगी ।वहीं प्रमंडलीय वैश्य संगठन के संयोजक अनिल वैध ने कहा कि बिहार बंटवारा के बाद समाज का भी बंटवारा हो गया ।जहां झारखंड में सूढ़ी समाज अतिपिछड़ा है , वहीं बिहार में पिछड़ा बना दिया गया ।वर्तमान परिवेश में हमें अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल होने के लिए हमें एकजुट होना होगा ।उन्होने आगे कहा कि सूढ़ी समाज पर कोई पक्ष ने ध्यान नही दिया ।मगर अब सूढ़ी समाज को अपना अधिकार पाने के लिए लड़ाई लड़ना होगा । जबकि जिला संयोजक प्रो0 दिलीप कुमार रंजन ने कहा कि समाजिक और राजनीतिक स्तर पर मजबूती के बिना समाज आगे नही बढ़ सकता । सरकार अगर समय समय पर सूढ़ी समाज पर ध्यान देते तो हमारी भी सिथति बेहतर होती ।अबजब समय की मांग है सरकार हमें अतिपिछड़ा वर्ग में शामिल करे। उन्होने अगामी 08 जून को पटना के बापू सभागार में होने वांले सूढ़ी माहासम्मेलन में भारी संख्या में उपसिथत होकर इसे एतेहासिक बनाने का एलान किया । इस अवसर पर सरयुग साह, बालेश्वर साह , धर्मवीर भारती, मनीष कुमार साह शशिकांत कुमार ,रंजीत कुमार ,पप्पू साह ,विक्रम कुमार साह मुकेश कुमार साह, अविनाश साह, विपिन कुमार, बबलू साह, मिथुन साह, मणिकांता, राकेश कुमार, संजय कुमार, रामवतार साह, सुमन साह, सरवन कुमार साह, अशोक कुमार साह, अजय कुमार, कैलाश साह ,आशीष कुमार साह, महेश मंडल ,राजीव कुमार रंजन उपसिथत थे।

एसपी अजय कुमार ने बकरीद को लेकर थाना अध्यक्षों को दिया सख्त निर्देश,कहा,उपद्रवियों व शरारतीतत्वों की खैर नहीं

प्रात किरण संवाददाता

लखीसराय! हजरत इब्राहिम की याद में मनाये जाने वाला कुबार्नी का प्रतिक बकरीद 7 जून को पूरे देश दुनिया में धूमधाम से मनाया जाएगा !इसे लेकर लखीसराय पुलिस प्रशासन भी अलर्ट व एक्टिव मोड में है !बकरीद का त्योहार शांति व सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर जिले के सभी थानों में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जा रही है !जिले के एसपी अजय कुमार ने बताया कि मुस्लिम भाइयों का त्योहार बकरीद को लेकर लखीसराय जिले की पुलिस प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है !जिले के सीमावर्ती व नक्सल प्रभावित क्षेत्रों पर पुलिस की पैनी नजर है !एसपी अजय कुमार ने कहा कि अ सामाजिक तत्वों को चिन्हित कर कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जा रही है !उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि बकरीद पर्व के दौरान कोई भी उपद्रव व शांति भंग करने का काम करेगा उसे पुलिस सख़्ती से निपटेगी !ईदगाह और मस्जिदों पर पुलिस की चौकसी रहेगी !एसपी अजय कुमार ने बकरीद को लेकर लखीसराय जिले के मुस्लिम समुदाय के लोगों को बधाई व मुबारकबाद भी दी है !वैसे बकरीद को लेकर जिले में चहल-पहल देखी जा रही है !बकरीद जिसे ईद-उल -जुहा भी कहते हैं !बकरीद के नमाज की तैयारी भी ईदगाहों और मस्जिदों में की जा रही है !

जमुई के नए जिलाधिकारी नवीन ने किया पदभार ग्रहण

प्रात किरण संवाददाता

जमुई मंगलवार को नवागत जिलाधिकारी श्री नवीन ने देर शाम जमुई जिले के जिलाधिकारी के रूप में समाहरणालय परिसर अवस्थित सभा कक्ष में अपराह्न 4:00 बजे औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया। आयोजित समारोह में निवर्तमान डीएम श्रीमती अभिलाषा शर्मा . ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर अभिनंदन किया और उन्हें कार्यभार सौंपा । वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। बताते चले कि सामान्य प्रशासन विभाग ने उन्हें जमुई का जिलाधिकारी बनाया है ' उनके पदस्थापन की अधिसूचना बीते शनिवार को जारी की गई ' नवागत डीएम श्री नवीन कुमार वर्ष-2013 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी हैं। कार्यभार ग्रहण करने के बाद जिले के वरिष्ठ अधिकारियों ने नए डीएम को जिले की वर्तमान प्रशासनिक स्थिति, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी। डीएम ने कहा कि सबका साथ सबका विकास के तर्ज पर जिले में चलाई जा रही केंद्र व प्रदेश सरकार की योजनाओं का लाभ पात्रों तक पहुंचाने पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन, शुद्ध पेयजल, जन स्वास्थ्य के साथ ही जनसमस्याओं का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण तरीके से करने पर जोर दिया। कहा कि जिले को हर हाल में समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा कि जिले का चतुर्दिक विकास कार्य कराना प्राथमिकताओं में है। इसके साथ ही जिले की मूलभूत समस्याओं के समाधान पर भी खास ध्यान दिया जाएगा। जिले को पिछड़ेपन की श्रेणी से बाहर करने का पूरा प्रयास किया जाएगा। जिलाधिकारी ने कहा है कि जनहित के मामलों में किसी भी तरह की ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस मौके पर पुलिस अधीक्षक जमुई, उप विकास आयुक्त, नजारत उप समाहर्ता, जिला पंचायत राज पदाधिकारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी समेत जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं कर्मी आदि मौजूद रहे।

जल जीवन हरियाली दिवस का किया गया आयोजन, डीएम मिथिलेश मिश्र व डीडीसी सुमित कुमार हुए शामिल

प्रात किरण संवाददाता

लखीसराय !समाहरणालय स्थित मंत्रणा कक्ष में जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन किया गया। जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन प्रत्येक महीने के प्रथम मंगलवार को किया जाता है। प्रत्येक महीने में जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन एक नोडल विभाग द्वारा किया जाता है। मई महीने में जल जीवन हरियाली दिवस का आयोजन जल संसाधन विभाग के द्वारा किया गया। आज के इस जल जीवन हरियाली दिवस के अवसर पर कार्यपालक अभियंता, गंगा पंप नहर,प्रमंडल मुंगेर,सूर्यगढा क्षेत्र द्वारा पेयजल संकट वाले क्षेत्रों के लिए गंगा जल आपूर्ति योजना विषय पर परिचर्चा किया गया। सर्वप्रथम कार्यपालक अभियंता मुकेश कुमार के द्वारा जिला पदाधिकारी मिथिलेश मिश्र तथा उप विकास आयुक्त सुमित कुमार को नव पौध देकर स्वागत किया गया। स्वागत उपरांत उपस्थित सभी पदाधिकारीयों को आज के परिचर्चा के विषय वस्तु से अवगत कराते हुए कार्यपालक अभियंता, जल संसाधन के द्वारा सिंचाई योजना मानिकपुर, सूर्यग्रहा नहर, मोरवे जलाशय, बन्नू बगीचा, कुंदर बराज, कजरा बराज, रामगढ़ कनाल बराज सिंचाई योजना एवं उसका कार्य, रखरखाव की जानकारी दी गई। आज के परिचर्चा में उप विकास आयुक्त सुमित कुमार, निदेशक जिला ग्रामीण विकास अभिकरण नीरज कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी विनोद प्रसाद,विशेष कार्य पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा ओम प्रकाश सिंह, डायरेक्टर (ठएढ) डीआरडीए नीरज आनंद के साथ अन्य जिला स्तरीय एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

जयप्रकाश नारायण एयरपोर्ट के नए टर्मिनल से शुरू हुई उड़ानें

जितेन्द्र कुमार सिन्हा

बिहार की राजधानी पटना अब उन गिने-चुने शहरों में शामिल हो गया है, जिनका हवाई अड्डा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। 3 जून 2025 से पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन से उड़ानों का संचालन शुरू हो गया है। यह न सिर्फ राज्य के बुनियादी ढांचे में एक ऐतिहासिक कदम है, बल्कि आर्थिक, सामाजिक और पर्यटन दृष्टिकोण से भी यह उपलब्धि अत्यंत महत्वपूर्ण है।पटना एयरपोर्ट का नया टर्मिनल पूरी तरह से अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। यह टर्मिनल न सिर्फ यात्रियों की संख्या को झेलने की क्षमता रखता है, बल्कि इसकी डिजाइन में पारंपरिकता और आधुनिकता का अनूठा संगम देखने को मिलता है। इसके निर्माण में लगभग 1,200 करोड़ रुपये लागत आया है। इस टर्मिनल में 45 लाख यात्रियों को सालाना संभालने की क्षमता है। इस टर्मिनल की विशेषता है कि इसमें चेक-इन काउंटर, 5 एयरोब्रिज, हाई-सिक्योरिटी स्कैनिंग सिस्टम, एलईडी आधारित ऊर्जा संरक्षण तकनीक और हरित भवन प्रमाणन है।

पटना एयरपोर्ट प्रशासन ने यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी किया है ताकि वे आसानी से नए टर्मिनल तक पहुंच सकें और किसी भी असुविधा से बच सकें। नया टर्मिनल एंट्री गेट पुराने टर्मिनल से भिन्न स्थान पर है। साइन बोर्ड और डिजिटल मार्गदर्शन प्रणाली का पालन करने का निदेश है। उड़ान समय से 2 से 3 घंटे पहले एयरपोर्ट पहुंचना है और किसी भी जानकारी के लिए 9471000714 पर संपर्क किया जा सकता है।एयरपोर्ट पर यात्रियों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसको ध्यान में रखते हुए व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। 20 पुलिसकर्मी अगले 10 दिनों तक प्रवेश और निकास दोनों द्वार पर तैनात रहेंगे। 20 अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस भी व्यवस्था को नियंत्रित करने में मदद करेंगे। एयरपोर्ट थानेदार को इलाके में लगातार गश्ती करने का निर्देश दिया गया है। उउळश निगरानी, डॉग स्क्वॉड और बैगेज स्कैनिंग व्यवस्था को अपग्रेड किया गया है।

उद्घाटन से पहले, बिहार सरकार के अपर मुख्य सचिव (कैबिनेट) डॉ. एस. सिद्धार्थ ने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का दौरा कर तैयारियों की समीक्षा की। उनके साथ प्रमंडलीय आयुक्त, जिलाधिकारी, एसएसपी, अन्य वरिष्ठ प्रशासनिक व तकनीकी अधिकारी भी उपस्थित थे। उन्होंने यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया था कि यात्रियों को कोई असुविधा न हो। सभी विभाग आपसी समन्वय में कार्य करें। हर दिन सक्रिय निगरानी और फीडबैक प्रणाली हो। सभी कर्मचारियों को दक्षता और संवेदनशीलता के साथ जिम्मेदारी निभानी होगी।नया टर्मिनल न केवल भौगोलिक रूप से आधुनिकता का प्रतीक है, बल्कि यह बिहार के आर्थिक विकास को भी नया पंख देने वाला है। बेहतर सुविधा और खूबसूरत वास्तुकला अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करेगा। निवेशकों और कारोबारी यात्रियों को ज्यादा सुविधा मिलेगी। एयरपोर्ट पर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से हजारों नौकरियां उत्पन्न होंगी। इंटरनेशनल कनेक्टिविटी को लेकर उ्रऋअ की योजनाएं भी सक्रिय हो गई हैं।

पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल की डिजाइन भारतीय वास्तुकला की आत्मा को आधुनिक तकनीक के साथ जोड़ती है। सौर ऊर्जा आधारित विद्युत संयंत्र, वर्षा जल संचयन की विशेष व्यवस्था, स्वचालित बैगेज हैंडलिंग सिस्टम, टचलेस सिक्योरिटी चेक-इन, दिव्यांगों के लिए रैंप और लिफ्ट की सुविधा और कला गैलरी में बिहार की संस्कृति को दशार्ती आंतरिक सजावट किया गया है।

नए टर्मिनल से उड़ान भरने वाले यात्रियों ने इसे ह्यदिल्ली या मुंबई एयरपोर्ट जैसा अनुभवह्व बताया है। रांची के एक यात्री ने कहा है कि ह्यअब लग रहा है कि पटना भी मेट्रो शहरों की कतार में खड़ा है।ह्व एक छात्रा ने कहा है कि ह्यपहली बार पटना एयरपोर्ट पर किसी अंतरराष्ट्रीय स्तर की फील आई है।ह्व बुजुर्गों और दिव्यांगों ने खास तौर पर बैठने और व्हीलचेयर सुविधा की सराहना किया है।

इस नए टर्मिनल की सबसे बड़ी खासियत इसका पर्यावरण के प्रति संवेदनशील होना है। एयरपोर्ट को ग्रीन बिल्डिंग टैग दिया गया है। छएऊलाइटिंग, सौर ऊर्जा, और प्राकृतिक वेंटिलेशन सिस्टम ने ऊर्जा की खपत को 30% तक घटाया है। वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम को भी डिजिटलाइज किया गया है।

आंतरिक और बाह्य चुनौतियों से जूझता भारत

सीमावर्ती राज्यों और पड़ोसी देशों से भारत को लगातार चुनौतियां मिल रही हैं। पिछले एक दशक में भारत के पड़ोसी देश और पूर्वोत्तर राज्य सबसे बडी चुनौती के रूप में सामने हैं। भारत के पड़ोसी देश चीन, पाकिस्तान, बांग्लादेश, म्यांमार और श्रीलंका भारत के लिए चुनौती बने हुए हैं। पाकिस्तान और बांग्लादेश में कट्टरपंथी तेजी के साथ सक्रिय हो रहे हैं। पाकिस्तानी सेना पर कट्टरपंथियों का प्रभाव है। भारत के पूर्वोत्तर राज्यों में जिस तरीके की अशांति लंबे समय से फैली हुई है, भारत को आंतरिक और बाहय चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले कुछ वर्षों से यह चुनौतियां बढ़ती ही जा रही हैं। भारत को वर्तमान स्थिति में पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश से सबसे बड़ा खतरा है। हाल ही में चीन ने जिस तरह से पाकिस्तान का समर्थन किया है। उसे आर्थिक और सामरिक मदद दी है। उसके कारण भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। पिछले एक दशक में चीन ने भारत के सभी पड़ोसी देशों के साथ बड़े-बड़े अनुबंध किए हैं। अरबों डॉलर का कर्ज भारत के पड़ोसी देशों को दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से चीन ने भारत के पड़ोसी देशों के सामरिक महत्व के क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है। ऐसी स्थिति में दुनिया के देशों के बीच बढ़ता तनाव और उस पर भारत का पाकिस्तान और चीन के बीच जिस तरह का तनाव देखने को मिल रहा है, वह भारत के लिए चिंताजनक है। भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम, मेघालय, अरुणाचल, मणिपुर अशांत राज्य हैं। विशेष रूप से मणिपुर की सीमा म्यांमार से लगी हुई है। यहां पर कुकी और मैतई के बीच पिछले दो वर्षों से हिंसक वारदात हो रही हैं। दोनों समुदायों के बीच भारी तनाव बना हुआ है। भारत का सुरक्षा बल जम्मू- कश्मीर, मणिपुर और बांग्लादेश की सीमा पर बड़ी संख्या में तैनात हैं। ऐसी स्थिति में जब तृतीय विश्व युद्ध जैसे हालात तैयार हो रहे हों, ऐसे समय पर भारतीय सेना के लिए सीमावर्ती राज्य चिंता का विषय बने हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर के बाद जिस तरह की स्थिति देखने को मिल रही है। भारत के सभी पड़ोसी देश चीन के प्रभाव में हैं। भारत पड़ोसी देशों के बीच में बिल्कुल अलग-थलग पड़ गया है। चीन के साथ भारत का रिश्ता वैसा मधुर नहीं रहा, जो पिछले वर्षों में था। हाल ही में पहलगाम में हुई घटना के बाद जब भारत ने पाकिस्तान का जल रोकने का निर्णय लिया तो उसके बाद चीन ने भारत को चेतावनी दी। यदि उसने पाकिस्तान का पानी शुरू नहीं किया, तो वह ब्रह्मपुत्र नदी का पानी भारत के लिए रोक देगा। ऑपरेशन सिंदूर मे पाकिस्तान ने चीन के अत्याधुनिक हथियारों से भारत के ऊपर हमला किया। चीन पाकिस्तान का रक्षा कवच बनकर सामने आया। जिस तरह से भारत को चीन और पाकिस्तान से लगातार चुनौती मिल रही हैं, उसके कारण भारत की चिंताएं काफी बढ़ गई हैं। 2014 में जब नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। उनके शपथ ग्रहण समारोह में सेकडों राष्ट्राध्यक्ष भाग लेने के लिए दिल्ली आए थे। 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के बाद कोई भी राष्ट्र भारत के समर्थन में खुलकर खड़ा नहीं हुआ। यह भारत के लिए चिंताजनक स्थिति है। यह भारत की विदेश नीति की विफलता भी है। भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ अपने रिश्ते बेहतर बनाकर नहीं रख पाया। वैश्विक स्तर पर जिस तरीके से चीन के मुकाबले भारत की इमेज बनी है, वह भारत के लिए सबसे नुकसानदेह साबित हो रही है। पुरानी कहावत है, स्त्री और सत्ता ताकतवर हाथों में ही सुरक्षित रहती है। चीन इस समय एशिया का सबसे ताकतवर देश है। चीन का व्यापार दुनिया के सभी देशों के साथ हो रहा है। कुछ मामलों में चीन की मोनोपॉली है। चीन ने हो हल्ला नहीं किया लेकिन अपने कारोबार को तथा अपनी तकनीकी को लगातार विकसित किया है। भारत के पड़ोसी देशों को चीन ने पिछले एक दशक में बडी मात्रा में आर्थिक सहायता देकर उन्हें अपना आश्रित बना लिया है। ऐसा करके उसने भारत को चारों ओर से घेर लिया है। चीन को भारत से प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है। सुनियोजित रणनीति के तहत चीन, भारत को हमेशा कमजोर करके रखना चाहता है।

रेखा सरकार के 100 दिन: उम्मीदों और चुनौतियों का सम्मिश्रण

रेखा गुप्ता ने 100 दिन के कार्यकाल में अपनी सधी हुई शुरूआत से इसे साबित करके दिखाया है। न केवल दिल्ली की राजनीती में उन्होनें खुद को बेहतर ढंग से स्थापित करने की कोशिश की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कार्यो से खुद को अग्रिम पंक्ति में खड़ी सीएम के तौर पर प्रस्तुत किया है।

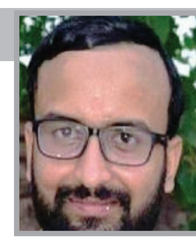

हर्षवर्धन पान्डे
लेखक

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की चौथी महिला मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। भारतीय जनता पार्टी की जीत के बाद 27 साल बाद दिल्ली में सत्ता परिवर्तन हुआ और रेखा गुप्ता को इस ऐतिहासिक जिम्मेदारी का नेतृत्व करने का मौका मिला।रेखा गुप्ता शालीमार बाग से पहली बार विधायक चुनी गई। हरियाणा के जींद में जन्मी और दिल्ली में पली-बढ़ीं रेखा गुप्ता का राजनीतिक सफर दिल्लीविश्वविद्यालय के छात्रसंघ की अध्यक्ष से शुरू हुआ। वह तीन बार दिल्ली नगर निगम की पार्षद और बीजेपी महिला मोर्चा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष रह चुकी हैं। उनकी नियुक्ति को भाजपा की महिला सशक्तिकरण की परिकल्पना को साधने की रणनीति के रूप में देखा गया। उन्होनें 100 दिन के कार्यकाल में अपनी सधी हुई शुरूआत से इसे साबित करके दिखाया है। न केवल दिल्ली की राजनीती में उन्होनें खुद को बेहतर ढंग से स्थापित करने की कोशिश की है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी अपने कार्यों से खुद को अग्रिम पंक्ति में खड़ी सीएम के तौर पर प्रस्तुत किया है।

20 फरवरी 2025 को रेखा गुप्ता ने दिल्ली की मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जिसके बाद उनकी सरकार ने 30 मई 2025 को अपने 100 दिन पूरे किए। इस अवधि में भाजपा की नेतृत्व वाली सरकार ने दिल्ली को विकसित, स्वच्छ और सुरक्षित बनाने के वादे के साथ कई पहल शुरू की। सरकार ने अपनी पहली कैबिनेट बैठक में दिल्ली में आयुष्मान भारत योजना को लागू करने की मंजूरी दी। यह योजना दिल्लीवासियों को मुफ्त इलाज की सुविधा प्रदान करती है जिससे स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच बढ़ी है। रेखा गुप्ता सरकार ने केंद्र की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना को दिल्ली में लागू किया जिसे पिछली आम आदमी पार्टी सरकार ने रोके रखा था। इस योजना के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जा रहा है, साथ ही राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 5 लाख रुपये का टॉप-अप दिया जा रहा है। इसी प्रकार वयोवंदना योजना के अंतर्गत 70 वर्ष से अधिक आयु के 6 लाख बुजुर्गों को 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा सुनिश्चित किया गया। यह कदम बुजुर्गों के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को सुलभ बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 100 दिन में दिल्ली की सेहत सुधारने के लिए 100 दिन की सेवा में 12826 करोड रुपए का बजट दिया गया। 1139 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण की योजना शुरू की गई। सभी सरकारी अस्पतालों में जन औषधि केंद्र बनाने का फैसला लिया गया। दिल्ली के सरकारी स्कूलों में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, शिक्षकों की प्रशिक्षण प्रणाली को अपडेट करने और विद्यार्थियों के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध कराने का वादा किया गया है। इसके साथ ही दिल्ली के सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का सुधार और दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया है।

रेखा गुप्ता ने सरकार की कमान संभालते ही यमुना नदी की सफाई को प्राथमिकता दी। रेखा गुप्ता ने भलस्वा लैंडफिल साइट का दौरा कर वहाँ वृक्षारोपण और सफाई की शुरूआत की। यमुना के वसुदेव घाट पर उन्होंने कैबिनेट के साथ आरती की और नदी की सफाई को अपनी सरकार की प्रमुख प्राथमिकता घोषित किया। यह कदम पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक महत्व को रेखांकित करता है।सरकार ने यमुना नदी को पुनर्जनन और पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार के साथ एक एमओयू भी साइन किया जिसमें वजीराबाद बैराज से जगतपुर तक फेरी और क्रूज सेवाएं शुरू करने की योजना बनाई गई। इसी के साथ 27 नए विकेंद्रीकृत सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट्स को मंजूरी दी गई और एक समग्र अर्बन रिवर मैनेजमेंट प्लान तैयार किया गया। यह दीर्घकालिक परियोजना है जिसके ठोस परिणाम अभी सामने नहीं आ पाए हैं। यमुना नदी की सफाई और सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध जैसे कदम भी उनकी प्राथमिकताओं में हैं।हालांकि इन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए दीर्घकालिक योजना और संसाधनों की आवश्यकता होगी। रेखा गुप्ता ने मॉनसून से पहले दिल्ली के प्रमुख नालों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को सफाई के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने बाहरी रिंग रोड को गड्ढा-मुक्त करने का लक्ष्य भी रखा जो दिल्ली की बुनियादी ढांचे की समस्याओं को हल करने की दिशा में एक प्रयास है। यमुना की सफाई और प्रदूषण नियंत्रण में प्रगति धीमी है और दिल्ली अभी भी सबसे प्रदूषित राजधानियों में अग्रणी है। सड़कों की स्थिति सुधारने, ट्रैफिक जाम को कम करने और सार्वजनिक परिवहन की सुविधा बढ़ाने के लिए नए प्रयास किए जा रहे हैं।दिल्ली में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए सरकार ने मुंबई से अत्याधुनिक मशीनें मंगवाकर सीवर और नालों की सफाई शुरू की जिससे मिंटो ब्रिज जैसे क्षेत्रों में सुधार हुआ और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की गई। शालीमार बाग में आयुर्वेदिक झुग्गी में सीवेज प्लांट की समस्या हल हुई वहीं हैदरपुर गांव में नई नाली बनाई गई और मैक्स अस्पताल के पास खुले नाले को 34 लाख रुपये की लागत से ढका गया। ये कदम जल निकासी और स्वच्छता में सुधार ला रहे हैं लेकिन पूरी दिल्ली की तस्वीर बदलने में अभी लम्बा समय लगेगा। मई 2025 में दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स 500 तक पहुंच गया, जो मई के महीने में अभूतपूर्व था। प्रदूषण के निवारण के लिए अभी दिल्ली को किसी दीर्घकालिक योजना की दरकार है। 100 दिवस के कार्यकाल में 16 लाख मीट्रिक टन गाद यमुना से हटाई गई और 804 करोड़ की लागत से आठ अमृत परियोजनाओं को मंजूरी सरकार के द्वारा दी गई।

घातक साबित हो सकती है सैन्य पराक्रम को लेकर की जाने वाली राजनीति

उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत तेजी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर जोर दे रही है।

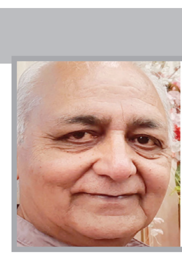

तनवीर जाफरी
लेखक

पहलगाम में हुये पाक प्रायोजित हमले के बाद भारतीय सेना की ओर से किये गये ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद सत्ताधारी दल भारतीय सेना के शौर्य को भुनाने में लग गया है। निश्चित रूप से हमारे सैनिकों खासकर भारतीय वायु सेना ने जिस बहादुरी के साथ पाक अधिकृत कश्मीर सहित पाकिस्तान के कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया उससे भारतीय जनता का मनोबल भी ऊँचा हुआ है साथ ही पाकिस्तान भी अपनी औकात को समझ चुका है। परन्तु जिस तरह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस सैन्य शौर्य का राजनीतिकरण करने की कोशिश की जा रही है इस पर सवाल जरूर उठाये जा रहे हैं। खासकर प्रधानमंत्री के उस चित्र को लेकर जिसमें वे सैन्य वर्दी में एक लड़ाके की भूमिका में, पृष्ठभूमि में वायुसेना के लड़ाकू विमान के साथ प्रचारित किये जा रहे हैं। उधर भारत की तरफ से कई रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह व कई अन्य जिम्मेदार नेताओं द्वारा पाक अधिकृत कश्मीर को भारत में पुनः शामिल करने को लेकर सार्वजनिक रूप से बातें की जा रही हैं। और इसी बीच भारतीय वायुसेना प्रमुख ने सरकार की आँखें खोलने वाले कुछ बयान भी दिये हैं। साथ ही सरकार द्वारा शुरू की गयी अग्निवीर योजना पर भी सवाल उठाये जा रहे हैं।

पिछले दिनों सीआईआई वार्षिक बिजनेस समिट में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की उपस्थिति में भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने खास तौर पर स्वदेशी सैन्य परियोजनाओं की ओर इशारा करते हुए रक्षा सौदों में देरी के मामलों की ओर ध्यान दिलाया। उन्होंने कहा कि तेजस ट'1अ फाइटर जेट की डिलीवरी रुकी हुई है। जो फरवरी 2021 में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के साथ 48,000 करोड़ रुपये में हुई थी। उन्होंने कहा कि ऑर्डर किए गए 83 विमानों में से अब तक एक भी विमान हमें नहीं दिया गया है, जबकि इसकी डिलिवरी मार्च 2024 में ही शुरू होने वाली थी। तेजस ट'2 का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि तेजस सहित कई बड़ी डील हुई, पर अभी तक डिलीवरी का पता नहीं। प्रमुख एयर चीफ मार्शल ने रक्षा खरीद परियोजनाओं में देरी पर गंभीर चिंता जताते हुये स्वदेशी प्रोजेक्ट्स का जिक्र किया और साफ तौर से यह कहा कि हमें जो चीज आज चाहिए, वो आज ही चाहिए। युद्ध, सेनाओं को सशक्त बनाकर जीते जाते हैं। इसी तरह स्टील्थ अटउअ फाइटर का भी अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है। उन्होंने कहा कि कई बार डील के कॉन्ट्रैक्ट पर दस्तखत करते वक़्त ही हमें पता होता है कि ये सिस्टम कभी भी समय पर नहीं मिलेंगे। उन्होंने कहा कि - मैं कोई एक भी ऐसी योजना नहीं बता सकता हूं जो समय पर पूरी हुई हो। प्रमुख एयर चीफ मार्शल की यह टिप्पणी ऐसे समय में आयी है जब वायुसेना मोदी सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत तेजी से स्वदेशीकरण और घरेलू क्षमता पर जोर दे रही है।

दूसरी तरफ सरकार द्वारा चलायी गयी अग्निवीर योजना को लेकर भी तरह तरह के सवाल उठने लगे हैं। विपक्ष तो इस योजना को लेकर शुरू से ही आक्रामक था जबकि सरकार तरह तरह के तर्क देकर इस योजना के फायदे गिनाने में लगी है। परन्तु अग्निवीर को लेकर अब जो सच्चाइयां सामने आ रही हैं वह भी भारतीय सेना के लिये चिंता बढ़ाने वाली हैं। इस समय सेना में अधिकारी रैंक के 16.71% पद रिक्त हैं। क्योंकि हर साल 60 हजार सैन्यकर्मी सेवानवृत्त भी हो रहे हैं। जबकि भर्ती का अनुपात इसके विपरीत है। कोरोना काल के दौरान ही 2 वर्ष तक सेना में भर्ती पूरी तरह बंद थी। रक्षा मंत्रालय द्वारा हाल ही में संसद की स्थायी समिति को दी गयी जानकारी के अनुसार इस समय भारतीय सेना में एक लाख से ज्यादा सैनिकों की कमी है। इस समय सेना की कुल संख्या 12.48 लाख है, जबकि एक लाख से अधिक पद खाली हैं। इसकी एक वजह अग्निवीर योजना से घटा युवाओं का रुझान माना जा रहा है। दरअसल अग्निवीर सैन्य भर्ती योजना अथवा अग्निपथ योजना 2022 में लागू की गयी थी। इसके अंतर्गत भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में युवाओं को चार साल की अवधि के लिए अग्निवीर के रूप में भर्ती किया जाना है। इन्हीं चार वर्षों के सेवाकाल में ही 6 महीने की प्रशिक्षण अवधि भी शामिल है। 4 वर्ष की सैन्य सेवा के बाद 25% अग्नि वीरों को तो नियमित सैन्य सेवा में स्थायी रूप से शामिल किया जा सकता है परन्तु शेष अग्निवीरों को सेवा निधि पैकेज के रूप में लगभग 11-12 लाख रुपये और अनुभव प्रमाणपत्र के साथ विदा किये जाने का प्रावधान है। इस सेवा निधि पैकेज में अग्निवीर और सरकार दोनों का ही योगदान है।

इसके बावजूद अग्निवीर योजना के प्रति युवाओं के घटते रुझान का मुख्य कारण यह है कि यह योजना छोटी अवधि, लागत-प्रभावी और युवा-केंद्रित सैन्य सेवा पर जोर देती है, जबकि सामान्य सैनिकों की भर्ती लंबी अवधि की स्थायी सेवा और दीर्घकालिक लाभों पर आधारित है। अग्निवीर योजना को आधुनिक सैन्य जरूरतों और बजट प्रबंधन के लिए डिजाइन किया गया है, लेकिन यह स्थायी नौकरी की चाह रखने वाले युवाओं के बीच विवादास्पद रही है। इस योजना के अनुसार 4 साल का छोटा कार्यकाल और सीमित प्रशिक्षण सैनिकों को पूर्ण रूप से युद्ध के लिए तैयार नहीं करता, जिससे युवा इसे जोखिम भरा मानते हैं। इसके अलावा, 4 साल बाद नागरिक जीवन में पुनर्स्थापन के लिए पर्याप्त समर्थन की कमी भी एक बड़ी चिंता का विषय है। यही कारण है कि अग्निवीर भर्ती के प्रति युवाओं का रुझान विशेष रूप से उन राज्यों में कम हुआ है, जहां सेना में भर्ती पारंपरिक रूप से लोकप्रिय थी। इसका मुख्य कारण नौकरी की अनिश्चितता, पेंशन की कमी, और दीर्घकालिक भविष्य है।

हालांकि, सरकार ने हरियाणा जैसे राज्यों में अग्निवीरों के लिए सरकारी नौकरियों में आरक्षण और अन्य प्रोत्साहन देने की कोशिश की है, लेकिन यह अभी भी युवाओं के असंतोष को पूरी तरह दूर नहीं कर पाया है। यही वजह है कि हरियाणा जैसे राज्यों में, जहां पहले प्रत्येक वर्ष लगभग 5,000 युवा सेना में भर्ती होते थे, अग्निवीर योजना के बाद यह संख्या घटकर केवल 250 तक रह गई है।

भारत की अमृत-पीढ़ी को सशक्त बनाना

अमृत पीढ़ी के सभी सपनों को पूरा करना, अनगिनत अवसर पैदा करना और उनके मार्ग में आने वाली सभी बाधाओं को दूर करना सरकार का संकल्प है।पिछले ग्यारह वर्षों में भारत सरकार ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए पूरी लगन से काम किया है। भारत में दुनिया की सबसे बड़ी युवा आबादी है, जिसमें लगभग 65% लोग 35 वर्ष से कम आयु के हैं। सरकार इसे देश के विकास में तीव्रता लाने और दीर्घकालिक रणनीतिक वृद्धि हासिल करने के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर के रूप में देखती है। इसका उद्देश्य युवाओं को आगे बढ़ने, अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने और भारत को भविष्य की ओर ले जाने में मदद करना है। सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, आधुनिक कौशल, अच्छी नौकरियां और सफल उद्यमी बनने के लिए सहयोग मिले।

शिक्षाः ज्ञान महाशक्ति का निर्माण

पिछले एक दशक में, भारत ने स्कूलों से लेकर विश्वविद्यालयों तक अपनी शिक्षा प्रणाली को मजबूत करने में तेज प्रगति की है। आईआईटी, आईआईएम और एम्स जैसे संस्थानों के बड़े सुधार और विस्तार सभी के लिए गुणवत्तापूर्ण और भविष्य के लिए तैयार शिक्षा प्रदान करने के लिए सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता को दशार्ते हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020: 29.07.2020 को घोषित राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 स्कूली शिक्षा के साथ-साथ तकनीकी शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में विभिन्न सुधारों का प्रस्ताव करती है। इसका

उद्देश्य 2030 तक प्रीस्कूल से माध्यमिक स्तर तक जीईआर (सकल नामांकन अनुपात) को 100% तक बढ़ाना है जबकि व्यावसायिक शिक्षा सहित उच्च शिक्षा में जीईआर को 26.3% (2018) से 2035 तक 50% तक बढ़ाना है।

उच्च शिक्षा संस्थानः एआईएसएचई पोर्टल के अनुसार उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) की संख्या में उल्लेखनीय 13.8% की वृद्धि देखी गई है, जो 2014-15 में 51,534 से बढ़कर मई 2025 तक 70,683 हो गई है। इस संख्या में विश्वविद्यालय, कॉलेज, स्टैंडअलोन विश्वविद्यालय/कॉलेज, पीएम विद्यालक्ष्मी और अनुसंधान एवं विकास संस्थान शामिल हैं।

* विश्वविद्यालय वृद्धिः विश्वविद्यालयों की संख्या 2014-15 में 760 से बढ़कर मई 2025 तक 1,334 हो गई, जो विश्व स्तरीय संस्थानों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दशार्ता है।

* कॉलेज वृद्धिः उच्च शिक्षा की बढ़ती मांग को पूरा करते हुए कॉलेजों की संख्या 2014-15 में 38,498 से बढ़कर मई 2025 तक 51,959 हो गई।

* आईआईटी की वृद्धिः 2014 में, 16 भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) थे। बाद के वर्षों में 7 नए आईआईटी के जुड़ने के साथ, मई 2025 तक कुल संख्या 23 हो गई है।

आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावाः 7 मई 2025 को कैबिनेट ने 5 आईआईटी (तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़) के लिए चरण-बी विस्तार को मंजूरी दी। साथ ही, 2025-2029 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11,828.79 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। निर्माण पूरा होने पर, ये पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान छात्र संख्या के मुकाबले 13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की संख्या में वृद्धि होगी।

आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावाः 7 मई 2025 को कैबिनेट ने 5 आईआईटी (तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़) के लिए चरण-बी विस्तार को मंजूरी दी। साथ ही, 2025-2029 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11,828.79 करोड़ रुपये मंजूर किए गए। निर्माण पूरा होनेये पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान छात्र संख्या के मुकाबले13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की वृद्

आईआईटी इंफ्रास्ट्रक्चर को बढ़ावाः 7 मई 2025 को कैबिनेट ने 5 आईआईटी (तिरुपति, पलक्कड़, भिलाई, जम्मू, धारवाड़) के लिए चरण-बी विस्तार को मंजूरी दी। साथ ही, 2025-2029 तक इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए 11,828.79 करोड़ मंजूर किए गए। निर्माण पूरा होने पर पांच आईआईटी 7,111 की वर्तमान छात्र संख्या के मुकाबले13,687 छात्रों को शिक्षा प्रदान करने में सक्षम होंगे, यानी 6,576 छात्रों की संख्या बढ़ जाएगी।

आईआईएमः 2014 में, 13 भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) थे। मई 2025 तक, यह संख्या बढ़कर 21 हो गई है।

* चिकित्सा शिक्षा को बढ़ावाः 2014 से, एम्स संस्थानों की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो गई है, जो प्रभावी रूप से तीन गुना हो गई है। इसके अतिरिक्त, मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 2,045 हो गई है।

पश्चिम चम्पारण के नये जिला पदाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार ने किया पदभार ग्रहण

● जिले का समग्र विकास मेरी पहली प्राथमिकता : जिलाधिकारी

प्रात : किरण संवाददाता

बेतिया(घनश्याम) जिले के नए डीएम धर्मेन्द्र कुमार ने मंगलवार को पश्चिम चंपारण समाहरणालय पहुंच कर पदभार ग्रहण किया। नव पदस्थापित जिलाधिकारी को निवर्तमान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने पदभार सौंपा। जिलाधिकारी द्वारा पदभार ग्रहण करने के उपरांत उपस्थित पदाधिकारियों से परिचय प्राप्त करते हुए जिले में क्रियान्वित विभिन्न योजनाओं/कार्यक्रमों से संबंधित जानकारी ली गयी। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी योजनाओं का लाभ जिले के हर तबके तक पहुंचाने के लिए सभी को कार्य करना होगा। उन्होंने कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले की ऐतिहासिक धरती पर आकर मैं गौरवान्वित महसूस कर रहा हूं। जिले के विकास के लिए सभी अधिकारियों एवं कर्मियों को पूरी ईमानदारी एवं तत्परतापूर्वक अपने कर्तव्यों का निर्वहन करना होगा ताकि यह जिला और तीव्र गति से विकास के पथ पर अग्रसर हो सके। उन्होंने कहा कि विकास उनकी पहली प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि निवर्तमान जिलाधिकारी द्वारा जो भी विकास के कार्य किये गये है उनको तीव्र गति से लक्ष्य तक पहुंचाया जायेगा। पदभार सौंपने के उपरांत निवर्तमान जिलाधिकारी दिनेश कुमार राय ने कहा कि ऐतिहासिक पश्चिम चम्पारण की धरती को वे कभी भी नहीं भूलेंगे। जिले के लोगों का प्यार और स्नेह हमेशा साथ रहेगा। पश्चिम चम्पारण से मुझे बहुत कुछ सीखने को मिला है। यहां के अधिकारियों कर्मियों एवं लोगों का अच्छा सहयोग मिला है। उन्होंने उपस्थित अधिकारियों से कहा कि पश्चिम चम्पारण जिले को विकास के पथ पर तेजी के साथ बढ़ाने में जिस तरह से आपने सहयोग किया है, उसी प्रकार नये जिलाधिकारी को भी सहयोग प्रदान करेंगे ताकि इस जिले का समग्र विकास हो सके। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त सुमित कुमार अपर समाहर्ता राजस्व राजीव कुमार सिंह नगर आयुक्त नगर निगम बेतिया लक्ष्मण तिवारी सहित जिलास्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दो फुस के घरों में लगी आग हजारों की सम्पति हुआ खाक

प्रात : किरण संवाददाता

अमनौर/स्थानीय थाना क्षेत्र के रसूलपुर पंचायत स्थित रहीमपुर गाँव में अचानक आग लगने से दो फुस की घर जलकर हुआ खाक घटना मंगलवार की है।अग्निपीड़ित अजय बासफोर अभिनाश बासफोर ने बताया कि खाना खाकर हमलोग मजदूरी करने चले गए।तपती धूप में महिला बच्चे घर मे थे।अचानक आग की लपक उठी।जिसे देख आनन फानन में घर से निकले शोर मचाया।आस पास के लोग लोटा बाल्टी लेकर दौरे ग्रामीणों के अथक प्रयास से आग पर काबू पाया । तबतक घर समेत सबकुछ जलकर राख हो गया।आगलगी में अनाज कपड़ा वर्तन उपस्कर समेत हजारों की समाप्ति जलने की बात बताया।

डीआईजी के रामनगर थानाध्यक्ष के निलंबन कार्यवाई से पुलिस महकमे में मचा हड़कंप

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में रामनगर थानाध्यक्ष पर कार्रवाई से पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया है। दरअसल चंपारण प्रक्षेत्र के डीआईजी हरकिशोर राय ने कर्तव्यहीनता के आरोप में थानाध्यक्ष को निलंबित कर दिया है। थानाध्यक्ष पर खनन माफियाओं से सांठ गांठ का आरोप है। बताया जा रहा है कि विगत 12 मई को बालू खनन की सूचना पर वनपाल बृजलाल बैठा के नेतृत्व में एक टीम मौके पर पहुंची थी जहां खनन माफियाओं ने हमला कर दिया था। जिसमें आधा दर्जन वनकर्मी घायल हो गए थे। लेकिन इस मामले में 15 नामजद आरोपियों पर थानाध्यक्ष द्वारा कोई एक्शन नहीं लिया गया। लिहाजा आरोपियों से मिलीभगत के आरोप में डी आई जी ने यह कार्रवाई की है। बतादें कि रामनगर थानाक्षेत्र के गोबर्धना वन क्षेत्र अंतर्गत दोंगही नदी में बालू खनन किया जा रहा था। जिसको रोकने गए वनकर्मियों को बालू खनन कर रहे दर्जनों लोगों ने जमकर लाठी डंडे से पिटाई की थी। इस मामले में फॉरेस्टर बृजलाल बैठा के आवेदन पर 15 आरोपियों के खिलाफ नामजद प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। इस मामले में वन विभाग कार्रवाई करने को लेकर लगातार थाने के संपर्क में था। लेकिन थानाध्यक्ष की लापरवाई उजागर होते ही डीआईजी ने गंभीरता दिखाते हुए एक्शन लिया है। रामनगर थानाध्यक्ष ने कुछ दिनों पूर्व एक आरोपी के बदले बेकसूर युवक को जेल भेज दिया था। इस मामले में भी वह वरीय अधिकारियों के रडार पर थे। यह मामला अभी मानवाधिकार आयोग में चल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

सभी प्रखंड मुख्यालय के प्रांगण में सुधा मिल्क पार्लर का हो रहा है निर्माण

छपरा। पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के निदेश के आलोक में सभी प्रखण्डों में सुधा मिल्क पार्लर के निर्माण को लेकर कॉम्फेड को स्थल उपलब्ध कराया जा रहा है। अब तक जिला मुख्यालय (सदर छपरा प्रखंड) अन्तर्गत तीन जगहों पर सुधा मिल्क पार्लर का निर्माण किया जा चुका है। समाहरणालय परिसर में गेट नंबर 4 के पास, सारण पुस्तकालय के पास एवं सदर अस्पताल परिसर में निर्माण हो चुका है। इसके साथ ही 14 प्रखंडों - अमनौर, बनियापुर, दरियापुर, दिघवारा, इसुआपुर, जलालपुर, लहलादपुर, मांझी, मढ़ौरा, मशरख, नगरा, पानापुर, परसा एवं तरैया के ब्लॉक कैंपस में सुधा मिल्क पार्लर का निर्माण हो चुका है। एकमा, गड़खा एवं रिविलगंज प्रखंड में निर्माण प्रक्रियाधीन है। सोनपुर तथा मकेर प्रखंड अंतर्गत स्थल उपलब्ध कराने के बाद निर्माण किया जाएगा।

दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में पैक्स अध्यक्ष समेत कुल चार लोग जख्मी

माँझी। सोमवार की देर रात भोज खा कर लौटने के क्रम में माँझी थाना क्षेत्र के धनी छपरा गाँव में दो पक्षों के बीच हुई मारपीट में कौरुधौरु के पैक्स अध्यक्ष बीरेन्द्र सिंह समेत कुल चार लोग जख्मी हो गए। बाद में मारपीट की सूचना पाकर पहुँची पुलिस ने सभी घायलों को माँझी सीएचसी पहुँचाया जहाँ प्राथमिक उपचार के बाद दो घायलों को छपरा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। इससे पहले दो युवक आपस में भीड़ गए और देखते ही देखते दोनों के परिजन आपस में भीड़ गए। पैक्स अध्यक्ष ने दूसरे पक्ष के लोगों पर दरवाजे पर पहुँचकर मारपीट करने का आरोप लगाया है। मारपीट मामले में पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। हालाँकि खबर भेजे जाने तक किसी भी पक्ष द्वारा प्राथमिकी दर्ज नही कराई जा सकी थी। जख्मी लोगों में नरेन्द्र सिंह,योगेन्द्र सिंह तथा नितेश कुमार भी शामिल हैं।

माँझी सीएचसी आयुष्मान कार्ड के मामले में जिला रहा टॉप 2678 कार्ड बनाए गए

माँझी। प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत माँझी में पात्र लाभार्थियों का आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए 26 से 30 मई तक विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान सभी आशा कार्यकताओं ने पंचायत स्तर पर कैम्प लगाकर लोगों का कार्ड बनवाया। अभियान के परिणामस्वरूप माँझी समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ने जिले में सबसे अधिक 2678 लोगों का आयुष्मान कार्ड बनाकर जिला स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। इस उपलब्धि पर माँझी के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रोहित कुमार ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि आशा कार्यकताओं की मेहनत और समर्पण के कारण ही यह संभव हो सका है। उन्होंने आशा कार्यकताओं की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुँचाने में आशा अहम भूमिका निभाती हैं। उनकी वजह से ही माँझी स्वास्थ्य केंद्र आज जिले में नंबर एक स्थान पर पहुँचा है। डॉ. कुमार ने आयुष्मान कार्ड की महत्ता बताते हुए कहा कि यह योजना गरीब और कमजोर वर्ग के परिवारों के लिए वरदान है। इसके तहत हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य बीमा सुविधा मिलती है। इस योजना से जुड़े अस्पतालों में भर्ती होने पर कैसलेस इलाज की सुविधा भी दी जाती है। माँझी क्षेत्र में इस सफलता से स्वास्थ्य कर्मियों और ग्रामीणों के बीच उत्साह का माहौल है।

डब्ल्यूटीआई के सौजन्य से एक दिवसीय फंदारोधी कार्यशाला का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर स्थित वाल्मीकि विहार के सभागार में डब्ल्यूटीआई के सौजन्य से एक दिवसीय फंदारोधी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में वनकर्मियों को डब्ल्यूटीआई के विशेषज्ञ पावेल घोष ने बारीकी से एंटी स्नेयर गश्ती से जुड़ी जानकारियां दीं।बतादें की वीटीआर जंगल मे शिकारियों की टेढ़ी इजर बनी रहती है।

शिकार केलिए शिकारी तरह तरह के उपकरणों (यंत्रों) का इस्तेमाल करते रहते हैं।इनमें से सबसे खतरनाक बिजली करेंट तार के द्वारा किया जाने वाले हथियार और लैंड फुट कैचर होते हैं।लैंड फुट कैचर लोहे का बना दान्तनुमा औजार होता है जिसमे अगर जानवर का पंजा फंस जाए तो बचना मुश्किल होता है ।इसी यंत्र में गत कुछ दशक पहले नौरंगिया जंगल मे एक बाघ का पंजा फंस गया था जिसमे बाघ की मौत हो गई थी।ठीक इसी तरह चंपापुर और ठाढ़ी जंगल मे करेंट तार से एक गेंडे और तेंदुए की मौत पूर्व में हुई बताई जा रही है।

रेंजर श्रीनिवासन नवीन ने बताया कि गश्ती के दौरान वनकर्मियों की टीम द्वारा जंगल सुरक्षा के साथ साथ जानवरों के लिए बिछाए गए शिकारियों के उपकरण (यंत्र) पर पैनी नजर कैसे रखे और सावधानी बरतते हुए उस यंत्र को कैसे कब्जे में कैसे लें।

मगरमच्छ की बढ़ती तदाद गंडक नदी छोड़ नहरों डोभ नालों और तालाबों आतंक जारी

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। बगहा में गंडक नदी से निकली कई सहायक नदियों और नहर नालों में डेरा जमाये मगरमच्छों का आतंक जारी है।आलम यह है कि मगरमच्छ गंडक नदी से भटककर रिहायशी इलाकों में प्रवेश कर रहें हैं। ये किसानों के लिए आफत और मुसीबत बन गए हैं। ऐसे में ग्रामीणों और किसानों नें इस अतिजल संरक्षित प्राणी मगरमच्छ के रिहायशी इलाकों में प्रवेश की घटना पर रोक लगाने की मांग की है, क्योंकि अक्सर मगरमच्छ लोगों पर हमला कर उनके हाथ और पैर चबा जा रहे हैं।ये दीगर बात है कि वन विभाग द्वारा किसानों को मुआवजा भी दिया जाता है। लेकिन अगर इस तरह मगरमच्छ की बढ़ती तादाद गंडक नदी का अधिवास क्षेत्र छोड़ सहायक नहरों समेत डोभ और नालों के अलावा तालाब व रिहायशी इलाकों में पहुंचेंगे तो किसी बड़े जान माल के नुकसान से इंकार नहीं किया जा सकता है।बतादें की इनके हमले की खबरे बराबर अखबारों की सुर्खियां बनती रहती है।समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने बताया कि ग्रामीणों और किसानों के जानमाल के मद्देनजर सरकार एक योजना बनाकर इनके अधिवास क्षेत्र को सुनिश्चित करे ताकि किसान भयमुक्त वातावरण में खेत खलिहानों की देखभाल कर सके।

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का प. चम्पारण जिले में किया गया आयोजन

बेतिया(घनश्याम) ।साइकिल चलाओ, वोटिंग बढ़ाओ! फिट भी, हिट भी, नारों के साथ निकली रैली.इस अवसर पर मंगलवार को प०चम्पारण जिले में साइकिल दिवस के अवसर पर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया साथ ही मतदाता शपथ का आयोजन, सेल्फी पॉइंट में सेल्फी लेकर वोट की अपील, स्वीप लोगो रंगोली के माध्यम से वोट की अपील। इस अवसर पर डी आई जी हरिकिशोर राय उप विकास आयुक्त सुमित कुमार उप निर्वाचन पदाधिकारी, नगर आयुक्त जिला जनसंपर्क सूचना पदाधिकारी रोचना माद्री जिला प्रशासन के अन्य अधिकारीगण, स्वीप के अधिकारी एवं स्वीप टीम,जिला शिक्षा पदाधिकारी तथा विभिन्न साइकिल क्लबों के वालंटियर, दिव्यांग वोटर्स, स्काउट गाइड, एन सी सी कैडेटस, रेड क्रॉस, नगर निगम के कर्मी एवं छात्र- छात्राएं एवं अन्य रैली में भाग लिए।

जलापूर्ति बंदकर नलजल प्लांट के मोटर केबिन में घरेलू सामान भरा,पेयजल ठप्प,मची त्राहिमाम

प्रात : किरण संवाददाता

बगहा। वाल्मीकिनगर पंचायत के 13 नम्बर वार्ड के जलनल ऑपरेटर द्वारा गजब का कारनामा किया गया है। जलनल के एक प्लांट को बंदकर उसके मोटर केबिन में घरेलू सामान रख स्टोर बना दिया है। सामान खराब न हो जाए इसलिए प्लांट को बंद कर दिया है। बतादे की वाल्मीकिनगर पंचायत के 13 नम्बर वार्ड जलसंसाधन विभाग का ई टाइप कॉलोनी छोटी पहाड़ी पर बसा हुआ है,जलापूर्ति के लिए जलसंसाधन विभाग के पीएचईडी इकाई से होती है।लेकिन प्लांट की साफसफाई को लेकर पिछले 4 दिनों से जलापूर्ति बंद है।इधर जलनल के दो प्लांट में से एक प्लांट के अंदर बने मोटर केबिन में ऑपरेटर द्वारा स्टोर रूम की तरह इस्तेमाल किए जाने से प्लांट को बंद कर दिया गया है।जबकि दोनों प्लांट के टँकी को भरकर एक साथ पेयजलापूर्ति किया जाना चाहिए ताकि प्लांट से दूर घरों में पानी प्रेसर से पहुंच सके।लेकिन एक प्लांट बंदकर सिर्फ बिना टंकी भरे मोटर चालूकर जलापूर्ति की जा रही है।इस कारण प्लांट से दूर कॉलोनी के तीसरी लेन के घरों में पेयजल नहीं पहुंच पा रही है।जिससे गर्मी के दिनों में पेयजल के लिए त्राहिमाम मची हुई है।समाजसेवी अमित कुमार सिंह ने बताया कि यह घोर लापरवाही और अमानवीय कृत्य है।निजी स्वार्थ के लिए भीषण गर्मी में पेयजलापूर्ति बंद करना कहीं से भी जायज नहीं ठहराया जा सकता है।इसकी जांचकर कार्यवाई होनी चाहिए।

विश्वविद्यालय में शैक्षणिक एवं वित्तीय ऑडिट हो :आरएसए

छपरा सदर। मंगलवार को आर एस ए के पदाधिकारी के द्वारा प्रेस वार्ता कर जयप्रकाश विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ मोर्चा खोलने का ऐलान किया गया। संगठन के नेताओ ने कहा कि विवि में शैक्षणिक ऑडिट एवं वित्तीय ऑडिट राज्य सरकार जल्द से जल्द कराये! जितने भी झूठ शैक्षणिक दृष्टिकोण से इन्होंने अखबार में बयान दिया है,उसका ऑडिट होना जरूरी है। जितना विश्वविद्यालय से लेकर महाविद्यालय में लूट हुआ है उसकी वित्तीय ऑडिट भी होना जरूरी है। छात्र नेताओं ने कहा कि प्रो० इरफान अली को बिहार राज्य विश्वविद्यालय अधिनियम में वर्णित प्रावधानों का खुला उल्लघंन करते हुये राजनीति विज्ञान के स्नातकोत्तर विभाग का विभागाध्यक्ष बनाया गया है। नियमानुकूल ढंग से स्नातकोत्तर विभाग का विभागाध्यक्ष प्रो० केदार प्रसाद को होना चाहिये न कि प्रो० इरफान अली को इसलिये इनको अविलंब राजनीति शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष के पद से मुक्त करते हुये, रामजयपाल महाविद्यालय छपरा में भेजा जाना चाहिए इसको लेकर कुलपति को आवेदन भी दिया गया था लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। पूरे विश्वविद्यालय में नियम कानून से कोई काम नहीं हो रहा है।यह देश का यह पहला विश्वविद्यालय है जो शपथ पत्र पर छात्र-छात्राओं का परीक्षा फॉर्म भरवा रहा है। समय से अंक पत्र छात्र-छात्राओं का नहीं दिया जा रहा है। प्रवेश से लेकर परिणाम ठीक ढंग से जारी नहीं हो रहा है। इन तमाम मुद्दों को लेकर संगठन चरणबद्ध तरीके से आंदोलन प्रारंभ करेगी। पहले चरण में तीनों जिलों के मुख्यालय में पुतला दहन किया जाएगा। उसके बाद धरना,प्रदर्शन एवं अनशन के माध्यम से विश्वविद्यालय में फैले भ्रष्टाचार जातीयता के खिलाफ संघर्ष किया जाएगा। जब तक विश्वविद्यालय में नियम कानून से काम नहीं होगा एवं प्रवेश, पढ़ाई,परीक्षा और परिणाम में सुधार नहीं होंगे तब तक संघर्ष जारी रहेगा। प्रेस वार्ता में प्रमुख रूप से शिवम सिंह, द्रवेश आनंद, आदित्य सिंह, राजेंद्र कुमार, सिमरन भारती, निशु कुमारी थी।

कृष्ण भक्ति ने भगवान शिव को बनाया गोपेश्वर : चंद्रभान द्विवेदी

बाल कलाकार कृति के कृष्ण भजन पर झूमे श्रोता

रसूलपुर।भक्ति की शक्ति अपरंपार होती है।कृष्ण भक्ति ने भगवान शिव को गोपेश्वर बना दिया।अतरसन मेदूछपरा गांव में श्री राधाकृष्ण प्राण प्रतिष्ठा महायज्ञ में प्रवचन करते प्रसिद्ध कथावाचक पं. चन्द्रभान द्विवेदी उर्फ केन बाबा ने उक्त बातें कहीं।कहा कि भगवान कृष्ण की रासलीला भक्ति प्रेम ने भगवान शिव को गोपेश्वर नाम दे दिया।गोकुल में आज भी पहले गोपेश्वर मंदिर का ही दर्शन भक्तों को होता है।भागवत कथा के क्रम में केन बाबा ने कहा कि वाणी कभी क्षय नहीं होती ,इसलिए मानव को सोच समझ कर बोलना चाहिए और गलत नहीं बोलना चाहिए।हमारी वाणी ब्रह्माण्ड में हमेशा विद्यमान रहती है।अर्जुन- द्रौपदी स्वयंवर की संगीतमय कथा केन बाबा ने कही।कहा कि कथा श्रवण से धरती ही नहीं बल्कि कथा श्रवण करने वाले भक्तों के पूर्वज पितर की आत्मा भी अपने को धन्य मानती है।प्रवचन की समाप्ति बाद स्थानीय बाल कलाकारा कृति कुमारी के झूला लागे कदम की डारी झूले राधा नंद किशोर कजरी और महेन्द्र मिश्र रचित कृष्ण भजन गीतों की प्रस्तुति हुई जिस पर लोग झूमते नजर आये।मौके पर जजमान बने नागेंद्र यादव,मुखिया प्रतिनिधि रंजीत यादव गुड्डू ,समाजसेवी सत्यनारायण यादव आदि समेत बड़ी संख्या में महिला पुरूष भक्त श्रद्धालु उपस्थित थे।

एचआईवी एवं संबंधित स्वास्थ्य विषयों पर युवाओं में जागरूकता हेतु जिला स्तरीय प्रशिक्षण, कार्यक्रम का आयोजन

प्रात : किरण संवाददाता

छपरा कार्यालय। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण समिति (इरअउर) के दिशा-निदेशों के अनुरूप आज दिनांक 03 जून 2025 को सारण जिला के प्रतिष्ठित राजेंद्र कॉलेज, छपरा में रेड रिबन क्लब के पियर एजुकेटर्स के लिए एक दिवसीय जिला स्तरीय क्षमतावर्धन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कॉलेज एवं विश्वविद्यालय स्तर पर नामित रेड रिबन क्लबों के पियर एजुकेटर्स को एचआईवी/एड्स और युवा स्वास्थ्य संबंधी जैसे संवेदनशील विषयों पर जागरूक एवं प्रशिक्षित करना था, ताकि वे अपने स्तर पर युवाओं के बीच प्रभावी जागरूकता फैला सकें। कार्यक्रम का उद्घाटन राजेंद्र कॉलेज के प्राचार्य प्रो. उदय शंकर पांडे व कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. तनु गुप्ता ने संयुक्त रूप से किया। प्राचार्य ने बताया कि यह प्रशिक्षण युवाओं में न केवल एचआईवी/एड्स के प्रति जागरूकता बढ़ाएंगे, बल्कि एक सशक्त, स्वस्थ एवं जागरूक युवा समाज के निर्माण में भी सहायक सिद्ध होंगे। बिहार राज्य स्वास्थ समिति से राहुल सिंह ने युवाओं को प्रशिक्षित किया और विभिन्न सत्रों में प्रशिक्षण और प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की । उन्होंने एचआईवी संक्रमण के कारण, लक्षण, रोकथाम एवं उपचार, युवा वर्ग में एचआईवी की संवेदनशीलता और उससे निपटने के उपाय, सुरक्षित यौन व्यवहार, स्वैच्छिक परामर्श एवं जांच केंद्र (क्ळळउ) की भूमिका आदि के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. तनु गुप्ता ने कहा कि पियर एजुकेटर्स की भूमिका, संचार कौशल एवं लीडरशिप समाज के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा । प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्रिंस कुमार सिंह, राजेंद्र कॉलेज, द्वितीय - साक्षी कुमारी, राजेंद्र कॉलेज, तृतीय - रूपेश कुमार निषाद, राजेंद्र कॉलेज, चतुर्थ - सिमरन कुमारी, जगदम कॉलेज और पंचम - सलोनी कौशिक, राजेंद्र कॉलेज के छात्र रहे। सभी चयनित छात्रों को प्राचार्य महोदय के द्वारा पुरस्कृत किया गया । कार्यक्रम में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों से आए पियर एजुकेटर ने भाग लिया, जिसमें सचिन, रूपेश, रोबिन, निकिता, रुचि, सपना, मंजीत, अंकिता, सिमरन, राधा, स्वीटी आदि शामिल थे ।सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण पश्चात प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

महाविष्णु यज्ञ एवं राम जानकी मूर्ति का प्राण-प्रतिष्ठा सम्पन्न

जय श्री राम के नारो से गूंज उठा भलुई गांव

नगरा सारण। मढ़ौरा विधानसभा क्षेत्र के बरदहियां पंचायत के भलूही गांव में मंगलवार को भक्ति और श्रद्धा के माहौल में महाविष्णु यज्ञ, राम-जानकी की दिव्य प्रतिमा और शिवलिंग की प्राण-प्रतिष्ठा विधिपूर्वक सम्पन्न हुई।इस धार्मिक अवसर पर भव्य जलभरी शोभा यात्रा का आयोजन किया गया,जिसमें हजारों की संख्या में महिला- पुरुष श्रद्धालु उत्साहपूर्वक शामिल हुए। गांव की गलियों से लेकर मंदिर परिसर तक शंखनाद,मंत्रोच्चार और जयकारों की गूंज सुनाई दी.यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं का उत्साह देखते ही बन रहा था। सिर पर कलश लिए महिलाएं जय कारे की साथ चल रही थी। इस पावन अवसर पर तकिया पंचायत के मुखिया सह भाजपा नेता तथा मढ़ौरा विधानसभा से संभावित विधायक प्रत्याशी शैलेश कुमार यादव भी श्रद्धालुओं के बीच मौजूद रहे, उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यक्रम समाज में सद्भाव, समर्पण और संस्कृति के मूल मूल्यों को जीवंत रखते हैं।इस कार्यक्रम में राहुल राय, अभिषेक कुमार, विशाल राय, धर्मेंद्र राय, रंजन राय, विनोद राय, मैनजय राय, सुरेंद्र राय, दीपक कुमार, चंदन कुमार, प्रदीप कुमार समेत कई अन्य श्रद्धालु और समाजसेवी शामिल हुए। यह कार्यक्रम ग्रामीणों की मेहनत और सामूहिक भागीदारी से आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ।

बच्चे मां-बाप व गुरू का सदैव सम्मान करें: चित्राली उपाध्याय

● अमनौर के मानपुर में आचार्य के वैदिक मंत्रोच्चारण से गूंज उठा अरना कोठी

प्रात : किरण संवाददाता

भेल्दी। विवेक की खोज है सत्संग।रामचरित मानस जिन्दगी जीने के तरीके सिखाते हैं।भगवान का नाम जीवन को धन्य कर देती है।बिना श्रद्धा के परमात्मा का दर्शन असंभव है। उक्त बातें सारण की सनातनी चित्राली ने अमनौर प्रखण्ड के मानपुर अरना कोठी में चल रहे नौ दिवसीय श्री रूद्र महायज्ञ के चौथे दिन श्रद्धालु श्रोताओं के बीच प्रवचन करते हुए कहीं।उन्होंने कहा कि हर घर में कथाएं होगीं तो आपके बच्चे सांस्कारिक होगें।ध्यान रहे मां-बाप व गुरू से बढ़कर इस संसार में कोई दूसरा नहीं है इसलिए सभी बच्चे अपने मां-बाप व गुरू का सदैव सम्मान करें?उन्होनें आगे कहा कि प्रभु श्रीराम अगर ज्ञान है तो सीता शक्ति स्वरूपा हैं।भगवान के द्वारा रचित माया प्रकृति है।महान पुण्य संचित होने पर मानव जीवन प्राप्त होता है।मानव जीवन मिलने पर मानव का होना,मोक्ष की इच्छा जागना और महापुरुषों का सत्संग मिलना काफी दुर्लभ है।शांति ढूंढने के लिए परमात्मा की शरणागति में जाना होगा।उन्होंने कहा कि बिनु सत्संग विवेक न होई राम कृपा बिनु सुलभ न सोई।बिना सत्संग के विवेक होने वाला नहीं है।सत्संग सम्मेलन को यूपी अयोध्या के संत परमेश्वराचार्य जी महाराज,साध्वी अंजली,रेमता चार्य जी महाराज,आचार्य प्रवीण मिश्रा पत्रकार राजेश उपाध्याय ने संबोधित किया।पूरी रात श्रद्धालुओं ने रासलीला का भरपूर आनंद लेते हुए भक्ति भाव में सराबोर हो गए।इसके पूर्व संत परमेश्वराचार्य जी रेमता चार्य जी महाराज,राजेश उपाध्याय व सनातनी चित्राली को सम्मानित किया गया।

चुनाव में मंडल अध्यक्षों की जिम्मेवारी महत्वपूर्ण एवं अहम्भूमिका रहेगी : दीपक प्रकाश

छपरा कार्यालय। भारतीय जनता पार्टी पूर्वी एवं पश्चिमी मंडल अध्यक्षों एवं महामंत्रियों की महत्वपूर्ण बैठक मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी के मुख्य कार्यालय पर आयोजित हुई। जिसमें मुख्य अतिथि एवं वक्ता झारखंड के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं भाजपा बिहार प्रदेश सह प्रभारी व राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्रियों को बुथ सशक्तिकरण का मंत्र दिया तथा मंडल अध्यक्षों और महामंत्रियों से कहा कि चुनाव में आप सब की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण एवं अहम् होती है। आप सबको बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत बनाना जिससे एन डी ए गठबंधन के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित हो सके। आप अपना बुथ जीते तो आपने चुनाव जीत लिया, इसलिए बुथ जितना अति आवश्यक है। बुथ स्तर पर बुथ सशक्तिकरण के सभी अधूरे कार्यों को अभिलंब पूरा करना है। सभी मंडल अध्यक्ष पूर्ण रूपेण आगामी दो-तीन महीने पार्टी के लिए समर्पितों हो कर कार्य करें। आज की बैठक की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष श्रीनिवास सिंह ने किया ।संचालन जिला महामंत्री विवेक कुमार सिंह एवं धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री निरंजन शर्मा ने किया तथा आगत सभी अतिथियों का स्वागत महामंत्री धर्मेंद्र शाह ने किया। आज की इस महत्वपूर्ण बैठक में भारतीय जनता पार्टी के सभी मंडल अध्यक्षों के साथ जिला उपाध्यक्ष कृष्णा राम, जिला मंत्री राजीव कुमार सिंह ,रंजन यादव, कोषाध्यक्ष अभय कुमार सिंह ,बलवंत सिंह, सारण पश्चिमी उपाध्यक्ष चैतेंद्रनाथ सिंह, रमाशंकर शांडिल्य, प्रवक्ता राजेश फैशन,भरत मांझी, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र चौहान,रिंकू सिंह,अनूप यादव, संस्कार कुमार, चंदन सोनी,त्रिलोकी नाथ सिंह, धनंजय सिंह,नीरज कुमार, अभिषेक कुमार,सर्वेश्वर सिंह, मंटु बाबा, रामानंद सिंह,भुलन जी, हरेश्वर सिंह, शुभम वर्मा सहीत सभी मंडल अध्यक्ष मंडल महामंत्री एवं पदाधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

जार्ज फर्नांडिस की जयंती मनाई गई

मुजफ्फरपुर।भूतपूर्व रक्षा मंत्री, भारत सरकार. जॉर्ज फर्नांडीस की जयंती के अवसर पर मंगलवार को जॉर्ज उद्यान पार्क में स्थित उनकी आदमकद प्रतिमा पर जिला पदाधिकारी सहित कई अधिकारियों एवं अतिथियों ने माल्यार्पण कर अपनी श्रद्धा निवेदित की। मुख्य रूप से मा. मेयर श्रीमती निर्मला देवी साहू, मा. उपमेयर डॉ मोनालिसा गुप्ता, वरीय पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार, अपर समाहर्ता राजस्व संजीव कुमार, सिविल सर्जन डॉ अजय कुमार, अपर समाहर्ता विधि व्यवस्था सुधीर कुमार सिन्हा, अनुमंडल पदाधिकारी अमित कुमार सहित कई अतिथियों ने माल्यार्पण किया।

प्रखंड विकास पदाधिकारी से शिकायत

कल्याणपुर समस्तीपुर प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव में राष्ट्रीय जनता दल बिहार के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ प्रदेश सचिव अजय कुमार सहनी ने जनवितरण प्रणाली के विक्रेता द्वारा मुफ्त अनाज पाने वाले लाभार्थियों ने बताया कि क्लोजर पंचायत के हितलाल पासवान, सैदपुर पंचायत के ध्रुव चौधरी , सीताराम महतो, बिशन देव महतो ,सोमनाहा पंचायत के डीलर रणधीर महतो आदि द्वारा खाद्यान्न वजन में कम दी जाती है। इसको लेकर सहनी ने कई बार मौखिक रूप से प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी से शिकायत जताई। कोई कार्रवाई नहीं होने पर प्रखंड विकास पदाधिकारी जिला पदाधिकारी अनुमंडल पदाधिकारी विरोधी दल के विधानसभा के नेता तेजस्वी यादव को लिखित शिकायत भेजी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी देवेंद्र कुमार ने बताया कि शिकायत मिली है अग्रसर कार्रवाई जारी है।

मतदाता जागरूकता के लिए रैली निकाली गई

बरियारपुर(मुंगेर)। बाल विकास परियोजना कार्यालय से मतदाता जागुरुकता रैली निकाली गई।जिसकी अध्यक्षता प्रखंड बिकास पदाधिकारी स्वेता कुमारी ने संयुक्त रुप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जो राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 80 से गुजरते हुए पुनः बाल विकास परियोजना कार्यालय पहुंचे सभा मे परिणत हो गया।इस रैली मे पहले मतदान फिर जलपान।

शपथ ग्रहण समारोह का किया गया आयोजन

हवेली खड़गपुर (कोर्ट)। श्री महादेव अहिल्यादेवी स्मृति ट्रस्ट प्रबंध समिति के लिए निर्वाचित सभी सदस्यों को पद और गोपनीयता का शपथ दिलाया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्रीमती रुकमणी देवी टेकरीवाड़ महाविद्यालय के प्रोफेसर डॉक्टर प्रेमेद्र ठाकुर विधिज्ञ संघ के अध्यक्ष मनोरंजन प्रसाद सिंहा पूर्व वार्ड पार्षद रूबी देवी ने संयुक्त रूप से किया। शपथ ग्रहण समारोह की अध्यक्षता ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष मुकेश कुमार ने की जबकि इसका संचालन अधिवक्ता सह कवि अमरदीप कुमार अमर ने किया। अतिथियों का स्वागत ट्रस्टी सचिव अनुराधा कुमारी ने की। ट्रस्ट के प्रबंध समिति के लिए नवनिर्वाचित पदाधिकारी सचिव अनुराधा कुमारी कोषाध्यक्ष सदानंद नायक सदस्य श्रीमती कंचन कुमारी श्रीमती खुशबू कुमारी श्रीमती गुड़िया कुमारी और वरिष्ठ पत्रकार सदानंद झा को निर्वाचन प्रमाण पत्र दिया गया।

प्राचार्य गणेश प्रसाद यादव के प्रथम पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड अंतर्गत महिषी चौक स्थित यादव भवन परिसर में बीआरएनकेएस कालेज के पूर्व प्राचार्य प्रो गणेश प्रसाद यादव के प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सभा की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. सूर्य देव प्रसाद मिश्र ने किया। मौके पर उपस्थित महाविद्यालय के सभी कर्मी एवं अन्य लोगों ने उनके फोटो पर पुष्प माला अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। वहीं वित सम्पोषित शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी कल्याण महासंघ पटना के प्रदेश सचिव सह प्रवक्ता प्रो. पी. के. झा प्रेम ने कहा कि स्मृति शेष प्रो गणेश प्रसाद यादव हमारे महासंघ के समर्पित सिपाही थे।आज उनके नहीं होने का अभाव खटक रहा है। उनके द्वारा अनवरत संघर्ष आज हमलोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

नव पदस्थापित जिलाधिकारी कौशल कुमार ने किया पदभार ग्रहण

निवर्तमान डीएम ने कहा की जिले के लोग तरक्की करें, शांति, सुख के मार्ग पर अग्रसर हो

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा। जिलाधिकारी के कार्यालय प्रकोष्ठ में नव पदस्थापित 146 वें जिलाधिकारी कौशल कुमार ने निवर्तमान जिलाधिकारी राजीव रौशन से पदभार ग्रहण किया। पदभार ग्रहण होने के उपरांत प्रेक्षागृह दरभंगा में आयोजित विदाई समारोह में जिला प्रशासन के पदाधिकारियों की ओर से उप विकास आयुक्त चित्रगुप्त कुमार अनिल कुमार अपर समाहर्ता सह जिला लोक शिकायत निवारण पदाधिकारी आदि ने मिथिला के गौरवशाली परंपरा के अनुसार पाग और चादर से निवर्तमान जिलाधिकारी और नव पदस्थापित जिलाधिकारी का स्वागत किये। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि जिलाधिकारी के पद पर पदभार ग्रहण किया हूँ,मेरी प्राथमिकता रहेगी विधि व्यवस्था सामान्य स्थिति में रहे। उन्होंने कहा कि सरकार की सभी कल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शिता के साथ धरातल पर उतारने का प्रयास किया जाएगा। निवर्तमान डीएम ने कहा कि किसी भी जिला का दायित्व निभा कर और एक लंबी अवधि बिताकर जाना एक भावुक क्षण होता है उन्होंने कहा कि सरकार के निर्देश के आलोक में विकास कार्य क्रियान्वित किया हूँ और शेष कार्य जारी है। सभी के सहयोग से दरभंगा जिला तरक्की के मार्ग पर आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रगति यात्रा दरभंगा जिले के लिए मील का पत्थर साबित हो रहा है। मै दरभंगा जिले वासियों को धन्यवाद देता हूँ जिन्होंने कार्य करने के दौरान सहयोग दिया है। मेरा शुभकामना है कि जिले के लोग तरक्की करें, शांति, सुख के मार्ग पर अग्रसर हो। जिलाधिकारी कौशल कुमार ने कहा कि मिथिला में पूर्व के जिलाधिकारी के द्वारा किए गए विकास कार्य को आगे बढ़ाएंगे,साथ ही नंबर वन जिला बनाने का प्रयास करेंगे। विदाई समारोह में समाहरणालय द्वारा सभी कर्मियों की ओर से दोनों जिलाधिकारी को पाग और चादर आदि से सम्मानित किए,इस समारोह में प्रमंडल और जिला के सभी पदाधिकारी और कर्मचारी गण आदि उपस्थित थे।

बच्ची से कुकृत्य एवं नृशंस हत्या मामले में चलेगा स्पीडी ट्रायल : डीएम

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। जिले के कुढ़नी प्रखंड के जगरनाथपुर गांव में 11 वर्षीय बच्ची के साथ कुकृत्य एवं नृशंस हत्या के मामले में कुढ़नी थाना मे प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। इस मामले में शव परीक्षण रिपोर्ट भी प्राप्त हो गई है। इस संबंध में जिलाधिकारी ने कहा है कि पुलिस जल्द से जल्द एफएसएल रिपोर्ट प्राप्त कर आरोप पत्र दायर करेगी तथा स्पीडी ट्रायल कर दोषी को सजा दिलाई जाएगी । जिलाधिकारी ने मृतक परिवार के प्रति गहरी सहानुभूति एवं संवेदना प्रकट करते हुए परिवार को मुआवजा राशि के प्रथम किश्त के 4 लाख 12 हजार 500 रुपए का भुगतान कर दिया है। उन्होंने जिला कल्याण पदाधिकारी को निर्देश दिया है कि आरोप पत्र दायर होते ही मृतका के परिवार को मुआवजा राशि के द्वितीय किश्त 4 लाख 12 हजार 500 रुपए का भुगतान त्वरित रूप से कर दें।जिलाधिकारी ने एक्ट की सुसंगत धारा के तहत मृतका के परिवार को प्रतिमाह 7750 रुपए के पेंशन की स्वीकृति प्रदान की है तथा परिवार को स्वीकृति पत्र हस्तगत करा दिया गया है। उन्होंने जिला आपूर्ति पदाधिकारी को मृतका के परिवार को तीन माह का राशन उपलब्ध कराने का निर्देश दिया है। इस एक्ट के तहत जिला अंतर्गत अभी 56 परिवारों को पेंशन का भुगतान किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि इसमें से जून 2024 से अब तक 23 परिवारों के पेंशन की स्वीकृति प्रदान की गई है। हत्या के मामले में इस एक्ट के तहत 4 मृतक की पत्नी को सरकारी नौकरी प्रदान की गई है। मुजफ्फरपुर जिला में पहली बार फरवरी 2024 के बाद हत्या के मामले में सरकारी नौकरी दी गई है, जो उल्लेखनीय है। जिले में मुआवजा भुगतान भी त्वरित गति से हो रहा है। एक्ट का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा नियमित रूप से जिला स्तरीय निगरानी एवं अनुश्रवण समिति की बैठक की जा रही है तथा सतत मॉनिटरिंग एवं समीक्षा कर आवश्यक सुधार एवं प्रगति लाई गई है।इस प्रकार इस एक्ट के तहत पीड़ित परिवार को न केवल तेज गति से न्याय एवं राहत मिल रहा है बल्कि मुआवजा, पेंशन एवं नौकरी आदि भी तेज गति से दी जा रही है।

श्री कृष्ण गौशाला सोसायटी प्रबंधन समिति ने एसडीएम से गौशाला के विकास को लेकर मांग रखा

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी के सचिव कल्पना सिंह के नेतृत्व में प्रबंधन समिति के द्वारा अनुमंडल पदाधिकारी सह अध्यक्ष श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर को मिथिला परंपरा के अनुसार पाग,चादर एवं माला से स्वागत कर सम्मानित किया। एसडीएम सह सोसायटी के अध्यक्ष को गौशाला की विस्तृत जानकारी दी और गौशाला के विकास कार्यो को लेकर मांगों को रखा। सचिव कल्पना सिंह ने मांगो के माध्यम से दीपक कुमार अनुमंडल पदाधिकारी सह पदेन अध्यक्ष श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर को ध्यान को आकृष्ट करते हुए कहा कि श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर अभी चालू के प्रक्रिया में है, और आपका यदि सहयोग रहा तो शीघ्र गौशाला चालू हो सकेगा। सचिव कल्पना सिंह ने प्रेस को बताया कि पूर्व के एसडीएम सह सोसायटी के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार के द्वारा गौशाला चालू करने के उद्देश्य से प्रबंधन समिति के सदस्यों का निर्वाचन दिनांक 05/01/2025 को एवं मतगणना दिनांक 06/01/2025 को संपन्न कराया गया जो जयनगर के इतिहास में सुनहरा अक्षरों में लिखा जाएगा ।ज्ञातव्य है कि श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर की स्थापना 1922 ई. में हुई है, और निबंधन बिहार राज्य गौशाला एक्ट 1950 के तहत सन 1952 में किया गया था, जिसका निबंधन संख्या 08/ 08,07,1952 है। अभी वर्तमान में उक्त गौशाला के पास लगभग 15 एकड़ जमीन है, गौशाला के पदेन अध्यक्ष सह अनुमंडल पदाधिकारी जयनगर दीपक कुमार के अध्यक्षता में गौशाला का विकास होगा ऐसा प्रबंधन समिति के सभी सम्मानित सदस्यों नेआशा ही नहीं पूर्ण विश्वास व्यक्त करते हुए मांगों की ओर ध्यान को आकृष्ट कर अवगत कराया गया। गौशाला विकास पदाधिकारी बिहार पटना कार्यालय का पत्रांक 84 गो, वि, दिनांक 08/05/2025 को अवलोकनाथ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु आग्रह , खाता संचालन, सीमांकन, चहार दिवारी निर्माण, ऑडिट, मुख्य द्वार का निर्माण , श्री कृष्ण गौशाला से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध कराई जाए और गौशाला की सुरक्षा विधि व्यवस्था और विकास करने समेत अन्य मांगे शामिल है। प्रतिनिधि मंडल में प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष सुनील बैरोलिया, कोषाध्यक्ष दिनेश जहांगीर, विशंभर पूर्व, जय नारायण यादव सूर्यदेव सिंह, अधिवक्ता श्याम किशोर सिंह, पवन सिंह, राम प्रसाद राऊत शामिल थे। विश्व गुरु भारत सेवा संस्थान ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रबंधन समिति के सदस्य राम प्रसाद राऊत ने कहा कि मांगो पर सहानुभूति पूर्वक विचार करते हुए विकास कार्य करने को ले आश्वासन की बात कही। श्री कृष्ण गौशाला सोसाइटी जयनगर के लिए शुभ संकेत है। प्रबंधन समिति के सभी सम्मानित सदस्य शीघ्र गौशाला चालू और गौशाला का विकास हो उसके लिए संकल्पित है।

खरीफ जनकल्याण किसान चौपाल में दी गई कृषि संबंधी जानकारी

प्रात: किरण संवाददाता

विभूतिपुर/समस्तीपुर प्रखंड के सिंघिया बुजुर्ग उत्तर पंचायत वार्ड संख्या 02 के बच्चा पोखर के चबूतरा पर पंचायत स्तरीय खरीफ जन कल्याण किसान चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अध्यक्षता सरपंच अरविन्द कुमार तथा संचालन प्रखंड कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति के सदस्य मनोज कुमार ने किया। कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केन्द्र लादा वैज्ञानिक डॉक्ट्र इमतियाज ने किसानो को बताया कि मिट्टी जांच कराकर तथा बीजो को उपचार करके श्री विधि के द्वारा बीज बोने से बीज का खपत कम होती है साथ ही उपादन भी अधिक होती है। रोग भी फसल को कम लगता है। आत्मा जिला उप निदेशक गंगेश चौधरी ने किसानो को बीज वितरण के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि जिला के अंदर सभी प्रखंडों में धान तथा ढेंचा का बीज उपलब्ध है। किसान ऑनलाइन आवेदन करके बीज प्राप्त कर सकते हैं। प्रखंड तकनीकी सहायक शशि रंजन कुमार ने बताया कि जिन लोगो को किसी प्रकार का प्रशिक्षण लेना चाहते तो वे प्रखंड कृषि में आकर अपना आवेदन देकर विभाग से संबंधित गाय पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, मसरूम उत्पादन किसी भी तरह का प्रशिक्षण प्राप्त कर सकते हैं। कृषि समन्वयक रतिकांत ने यांत्रिक सम्बंधी जनकारी दिया। वहीं समन्वयक कैलाश ने कहा कि यदि किन्ही किसान को प्रधानमंत्री किसान सम्मान में कोई परेशानी हो तो हमसे सम्पर्क कर समस्या का समाधान करा सकते हैं। कार्यक्रम में सहायक तकनीकी प्रबंधक बिपुल कुमार, किसान सलाहकार अरुण कुमार,वार्ड सदस्य रंजीत कुमार मंडल, रवींद्र कुमार,राम इकबाल सिंह, बौए लाल सिंह, वैधनाथ पासवान, ललिता देवी, रेखा देवी, बैजनाथ सिंह, राम प्रकाश सिंह, सीतो दास आदि किसान उपस्थित थे।

दुष्कर्म पीड़िता के परिजनों से मिला भाकपा का प्रतिनिध मंडल

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी का एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने कुढ़नी प्रखंड के दलित परिवार की नाबालिग लड़की की दुष्कर्म के बाद हुई मौत की घटना का जायजा लेने के लिए मृतका के परिजनों से मिलकर संवेदना प्रकट किया तथा इस जघन्य घटना का न्याय दिलाने के लिए पार्टी द्वारा संघर्ष तेज करने का आश्वासन दिया। विदित हो कि पिछले 26 मई को नाबालिग लड़की को दुष्कर्म के बाद चाकू से हमला कर गला और सीना को काटकर बुरी तरह जख़्मी कर दिया गया था। दुष्कर्म पीड़िता का पांच दिनों तक एसकेएमसीएच, मुजफ्फरपुर में इलाज किया गया और बेहतर चिकित्सा के लिए पीएमसीएच, पटना रेफर किया गया। पीड़िता चार घंटे तक पीएमसीएच परिसर में हीं इलाज के अभाव में तड़पती रही और पीएमसीएच प्रशासन बेड खाली नहीं रहने की बात कहकर इलाज शुरू नहीं किया। अंततः दुष्कर्म पीड़िता लड़की इलाज के अभाव में ज़िन्दगी की जंग हार गई। प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर राज्य में आपराधिक घटनाओं में हो रहे अप्रत्याशित वृद्धि तथा चिकित्सा व्यवस्था में लापरवाही पर गंभीर चिंता प्रकट किया है। तथा दुष्कर्मी को फास्ट ट्रैक कोर्ट में स्पीडी ट्रायल चलाकर सजा दिलाने, पीएमसीएच के अधीक्षक पर कार्रवाई करने, राज्य के बदहाल चिकित्सा व्यवस्था के जिम्मेदार स्वास्थ्य मंत्री मंगल पाण्डेय को मंत्रिमंडल से बर्खास्त करने तथा मृतका के परिजनों को पचास लाख रुपए सहायता राशि उपलब्ध कराने की मांग की है। प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के राज्य सचिव मंडल सदस्य अजय कुमार सिंह, जिला सचिव रामकिशोर झा, बिहार महिला समाज की संरक्षिका प्रो० भारती सिन्हा, भाकपा के कुढ़नी अंचल सचिव अजित कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे।

विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित मतदाता जागरूकता साइकिल रैली

विश्व साइकिल दिवस पर मतदाता जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जिला के जयनगर में विश्व साइकिल दिवस पर मंगलवार को मतदाता जागरूकता अभियान के तहत साइकिल रैली निकाली गई। रैली को प्रखण्ड कार्यालय परिसर से जयनगर के एसडीएम दीपक कुमार ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।साइकिल रैली में स्कूली छात्र-छात्राएं ने हिस्सा लिया। जो लोगो को वोटिंग और फिटनेस के प्रति जागरूक बनाने वाली तख्तियो के साथ नगर भ्रमण किया ।इस मौके पर एसडीओ दीपक कुमार ने बताया कि रैली का उद्देश्य आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मतदाताओं को जागरूक करने के साथ ही, स्वास्थ्य के फिटनेस और पर्यावरण के प्रति प्रेम को बढ़ाना था ।उन्होने आम जनता खासकर युवाओं को मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का भी आह्वान किया ।इस मौके पर प्रखण्ड शिक्षा पदाधिकारी पूनम राजीव,अवर निर्वाचन पदाधिकारी प्राची अपूर्वा,हरिहर महरा,अखिलेश कुमार,राज किशोर यादव,विजय कुमार,द मार्गदर्शन एकेडमी के डायरेक्टर राजीव रंजन सहित अन्य मौजूद थे।

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी विश्व साइकिल दिवस के अवसर पर आयोजित मतदाता जागरूकता साइकिल रैली को अपर समाहर्ता राजेश कुमार एडीएम आपदा संतोष कुमार,डीपीआरओ परिमल कुमार,उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रशांत शेखर,उत्पाद अधीक्षक सहित वरीय अधिकारियों ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया ।साइकिल रैली वॉटसन +2 उच्च विद्यालय, मधुबनी से प्रारंभ होकर थाना मोड़, मधुबनी होते हुए स्टेशन, गाँधी मूर्ती एवं वापस बाटा चौक होते हुए वाट्शन +2 उच्च विद्यालय परिसर में समाप्त हुई ।इस अवसर

पर एनसीसी के कैडेट,स्कूली बच्चे,शिक्षक,आम नागरिक आदि उपस्थित थे ।यह रैली मधुबनी जिले में 3 से 5 जून तक आयोजित तीन दिवसीय विशेष कार्यक्रमों की शुरूआत है, जिसमें पर्यावरण और लोकतंत्र दोनों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जा रहा है। इस अवसर पर युवा और महिला मतदाताओं की भागीदारी, मतदाता पंजीकरण, और निर्वाचन साक्षरता क्लब से जुड़ी गतिविधियां संपूर्ण जिले में आयोजित की जाएंगी।

सात निश्चय योजना में मुजफ्फरपुर को मिला राज्य में 5 वां स्थान

प्रात: किरण संवाददाता

मुजफ्फरपुर ।राज्य सरकार की 7निश्चय एवं 7निश्चय-2 में मुजफ्फरपुर जिला का पूरे स्टेट की रैंकिंग में पांचवां स्थान प्राप्त हुआ है। उल्लेखनीय है कि सात निश्चय योजना सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है जिसके द्वारा विशेषकर गांवों की तस्वीर बदलने तथा सर्वांगीण विकास की रूपरेखा तैयार की गई है ।विदित हो कि सात निश्चय एवं सात निश्चय 2 की चिन्हित योजनाओं के निर्धारित सूचकांकों एवं प्राप्तांकों के आलोक में सभी जिलों की मासिक उपलब्धि के आधार पर अप्रैल माह के जिलों की रैंकिंग बिहार विकास मिशन द्वारा राज्य स्तर पर निर्धारित की गई है ।इसके तहत बिहार स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड योजना, मुख्यमंत्री निश्चय स्वयं सहायता भत्ता योजना, कुशल युवा कार्यक्रम, हर खेत तक सिंचाई का पानी, हर घर नल का जल, सभी गांव में सोलर स्ट्रीट लाइट, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन- ग्रामीण,ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन- शहरी शामिल है ।हर सूचकांक में प्रगति लाने हेतु जिला पदाधिकारी द्वारा नियमित रूप से संबंधित विभाग के अधिकारियों के साथ लगातार समीक्षा बैठक की गई तथा स्थलीय विजिट कर योजनाओं का निरीक्षण किया गया जिसके फलस्वरूप विकास के विभिन्न सूचकांकों में उल्लेखनीय प्रगति आई है। इसके परिणामस्वरूप सात निश्चय योजना में मुजफ्फरपुर जिला का राज्य स्तर पर अप्रैल माह की रैंकिंग में पांचवा स्थान प्राप्त हुआ है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारियों एवं कर्मियों को सक्रिय एवं तत्पर होकर कार्य करने तथा नंबर वन स्थान प्राप्त करने हेतु प्रेरित किया है ताकि जिला का सर्वांगीण विकास हो तथा जिला का सम्मान एवं गौरव राज्य स्तर पर स्थापित हो।

11 जून को जनाक्रोश मार्च होगा आयोजित मार्च में शामिल होंगे महागठबंधन के कई नेता : भाकपा-माले

प्रात: किरण संवाददाता

मधुबनी जयनगर भाकपा माले जयनगर प्रखंड कमिटी कि विस्तारित बैठक जयनगर बस्ती राजपूताना टोला में प्रखंड सचिव भूषण सिंह के अध्यक्षता में आयोजित किया गया जो देर संध्या में समाप्त किया गया । बैठक में उपस्थित साथियों ने वर्षो से चल रहे विगत आंदोलन कि समिक्षा के साथ साथ जयनगर थाना झूठा कांड संख्या 89 /2025 के पुलिस उपाधीक्षक जयनगर के द्वारा मनगढंत व गलत पर्यवेक्षण करने का निन्दा करते हुए चरणबद्ध आंदोलन चलाने की निर्णय लिया गया ।बैठक को संबोधित करते हुए प्रखंड सचिव भूषण सिंह ने कहा कि भाकपा-माले के नेतृत्व में आम लोगों के बुनियादी समस्याओं को लेकर जयनगर - कोरहिया कमला तटबंधों के किनारे बसे सैकड़ों भूमिहीन विस्थापित परिवारों को बसेरा योजना-2 के तहत भूमि मुहैया कराने महादलित पचार्धारी परिवारों को दखल कब्जा दिलाने ग्रामीण क्षेत्रों के बंद सभी उप स्वास्थ्य केंद्रों तथा हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर को नियमित चालू कराने व अनुमंडल अस्पताल जयनगर में रोस्टर के मुताबिक डाक्टरों की उपस्थिति कराने अवैध नर्सिंग होम पर कार्रवाई करने गरीबों को 72 हजार से निचे का आय प्रमाण-पत्र बनाने महिला समुहों कि कर्ज माफ करने सहित अन्य मांगों को लगातार आंदोलन चलाने के बावजूद समस्या समाधान नहीं हुआ है जो निंदनीय है तो दुसरी ओर जयनगर थाना के चर्चित झूठा कांड संख्या 89 का पुलिस उपाधीक्षक जयनगर ऊरढ के द्वारा मनगढंत व गलत पर्यवेक्षण कर पुलिसिया न्यायिक व्यवस्था को शर्मशार किए है। कांड संख्या 89 /2025 को उच्चस्तरीय जांच कराने कि मांग को लेकर 11 जून को जनाक्रोश मार्च निकाला जाएगा जिसमें महागठबंधन के कई नेताओं को आमंत्रित किया जाएगा और 23 जून को उपरोक्त मांगे को लेकर जन मुद्दो और जनांदोलन का समागम प्रखंड अंचल कार्यालय जयनगर के समक्ष अनिश्चितकालीन दिन-रात का महाजुटान आयोजित करने का आह्वान किए । उक्त आंदोलन के तैयारी हेतु ग्रामीण बैठक नुक्कड़ सभा प्रचार प्रसार करने कि बात कहे। बैठक में मुख्य तौर पर तस्लीम रशीद अंसारी महेश्वर पासवान रजनीश कुमार फूलो देवी नजाम जितेंद्र कुमार उमेद सीताराम राम हसनैन राधा देवी राजन कंजर हदिशा खातुन सहित अन्य साथियों ने संबोधित किया ।

कार्यकर्ता संगठन का रीढ़ होता हैं : डॉ अशोक यादव

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा ।कर्जापट्टी पंचायत के ग्राम बिरने(लाधा) प्राथमिक विद्यालय बिरने के प्रांगण में भाजपा कार्यसमिति की बैठक आयोजित कि गई । बैठक में संगठन को मजबूत एवं आगामी विधानसभा चुनाव जीतने की रणनीति पर बात की गई । बैठक की अध्यक्षता केवटी पश्चिमी 2 के मंडल अध्यक्ष पवन कुमार निराला ने किया । मौके पर संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रूप में मधुबनी के सांसद डॉ अशोक कुमार यादव ने कार्यकर्ता संगठन का रीढ़ होता हैं,सभी को मिलकर बूथ स्तर तक पार्टी को मजबूत करना होगा । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्थानीय विधायक डॉ मुरारी मोहन झा कहा कि संगठन को मजबूत करने के लिए कार्यकताओं को लगातार सक्रिय रहना होगा । हर कार्यकर्ता को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी और समर्पण भाव से काम करना होगा । आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए हर एक बूथ अध्यक्ष को बूथ सशक्तिकरण पर विशेष जोर देना होगा । बूथ स्तर पर बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति तय की जाएगी एवं केन्द्र और राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी प्रचार प्रसार करना होगा । इस अवसर पर केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार द्वारा आतंकवाद के खिलाफ चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बूथ संख्या 154 से तिरंगा यात्रा भी निकाली गई । यात्रा बिरने लाधा से शुरू हुई इसमें भाजपा कार्यकताओं और स्थानीय लोगों ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया और केन्द्र की मोदी सरकार एवं भारतीय सेना को बधाई दी गई । कार्यक्रम समाप्ति के बाद दरभंगा नगर निगम के उप महापौर नाजिया हसन के द्वारा दिए गए बीजेपी और आरएसएस पर अमर्यादित भाषा को लेकर पुतला दहन कर आक्रोश व्यक्त की गई और उन्हें जेल भेजने की मांग की । इस अवसर पर मुख्य रूप से वरीय भाजपा नेता डॉ विनोद सिंह,ललित यादव,उमेश पासवान, रामनरेश यादव,श्रवण कुमार मिश्र,अशोक कुमार,विक्की मंडल,अजीत कुमार,कालिकांत,नवल यादव,विनय यादव,बबलू पांडे,महिला मोर्चा अध्यक्ष आशा कुमारी,विनोदानंद झा एवं अन्य लोग उपस्थित रहे ।

बरियारपुर प्रखंड के पड़िया पंचायत मे विकशित कृषि प्रबंधन सह कृषि जन चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया

प्रात: किरण संवाददाता

बरियारपुर(मुंगेर)। बरियारपुर प्रखंड के पडिया पंचायत में विकसित कृषि सम प्रबंधन सह कृर्षि जन चौपाल कार्यक्रम कन्या प्राथमिक विद्यालय कुमारपुर के भवन परिसर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्षता ऐ टी एम नासरा कैयुम ने किया ।इस अबसर पर कृषक गीता देवी ने कृर्षि बिज्ञानिक डा बिनोद कुमार को बतायी हमारी खेती दियारा इलाके मे पड़ती है जहॉ अच्छी नश्ल के बीज नही प्राप्त हो रही है ।हम खेती ससमय बॉग करते है परंन्तु गंगा नदीके बाढ हो जाने से फसल बर्बाद हो जाती है या मवेशियों के चाड़ा बन कर रह जाती है ।हम कृषको को बीज भी हाथ नही आने से हतोत्साह होकर रहना पड़ जाती है ।इस पर कृर्षि बिज्ञानिक डा बिनोद कुमार ने कहा आपकी खेती से अधिक लाभ लेने के लिए आपको मक्का इस अबसर पर उपस्थित ओर गेहूं के खेती न करके आप मशालें की खेती कर अधिक से अधिक पैदावार कर अपनी आय को दुगने से चार गुनी बढा सकते हैं ।इस अबसर पर कृर्षि बिज्ञानिक बिसुनदेव,सहायक कृर्षि निर्देशक गुड्डू कुमार सिह किसान सलाहकार राजेश कुमार, अमरजीत उपस्थित रहे।

निर्विरोध निर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष को माला पहनाते राजद नेता

प्रात: किरण संवाददाता

संग्रामपुर (मुंगेर) । संग्रामपुर प्रखंड स्थित अशोक यादव के आवास पर राजद प्रखंड अध्यक्ष पद के चुनाव को लेकर राजद कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गयी। जिसमें चुनाव निर्वाचन पदाधिकारी रफी उज्जमा उर्फ भोलू व सहायक निर्वाचन पदाधिकारी हिमांशू पटेल की उपस्थिति में प्रखंड अध्यक्ष पद के चुनाव का प्रस्ताव रखा गया ।बैठक में मौजूद कार्यकताओं ने सर्वसम्मति से पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार दास को दुसरी बार निर्विरोध प्रखंड अध्यक्ष के पद पर चुना। निर्विरोध चुने गये प्रखंड अध्यक्ष का कार्यकताओं ने माला पहनाकर स्वागत किया तथा अबीर गुलाल लगाकर जश्न मनाया ।निर्वाचन पदाधिकारी रफी उज्जमा उर्फ भोलू ने घोषणा करते हुए कहा कि पूर्व प्रखंड अध्यक्ष मुकेश कुमार दास के दल के प्रति समर्पण भाव को देखते हुए कार्यकताओं ने उन्हें दुसरी बार भी मौका दिया है। राजद नेता सुनील सिंह ने कहा कि मुकेश कुमार दास राजद के समर्पित कार्यकर्त्ता हैं, जबकि प्रखंड अध्यक्ष ने कहा कि कार्यकताओं का स्नेह और प्यार मुझे फिर से मिला है, मैं सभी के आशा व विश्वास पर खड़ा उतरने का प्रयास करूंगा।

नीमा से गंडौल तक पश्चिम कोशी तटबंध पर होगा सड़क का चौड़ीकरण : सांसद

प्रात: किरण संवाददाता

दरभंगा ।कोशी क्षेत्र के अब दिन बहुरेंगे तथा सदियों से बाढ़ प्राभावित लोगों को बेहतर आवागमन की सुविधा उपलब्ध होगी जिसके लिए एनडीए सरकार के द्वारा पहल तेज कर दी गई है ।मधुबनी दरभंगा तथा सहरसा तक तीन जिलों को जोड़नेवाली भारतमाला परियोजना के तहत उच्चैठ भगवती स्थान से सहरसा उग्रतारा महिषी तक सड़क के भेजा से एसएच 17 बिरौल सहरसा को जोड़ने वाली सड़क में

कीरतपुर प्रखंड के नीमा से गंडौल तक 25 किलोमीटर की लंबाई में तीन सौ एक करोड़ रुपए की लागत से पश्चिमी कोशी तटबंध पर बने सड़क का चौड़ीकरण ऊंचीकरण तथा सुदृढ़ीकरण किया जाएगा जिससे तीनों जिलों के बीच आवागमन की बेहतर कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा आनेवाले समय में कोशी जैसे विध्वंशकारी नदी से आनेवाले बाढ़ की समस्या का भी स्थाई रूप से निदान संभव होगा। स्थानीय सांसद डा गोपाल जी ठाकुर ने संसदीय कार्यालय पर आए भाजपा नेताओं तथा बुद्धिजीवियों के बीच एनडीए सरकार के द्वारा पश्चिमी कोशी तटबंध पर सड़क के लिए शुरू किए गए पहल की जानकारी देते हुए उपरोक्त बातें कही। सांसद डा ठाकुर पश्चिमी कोशी तटबंध पर बनने वाले सड़क की महत्ता को रेखांकित करते हुए कहा कि विगत वर्ष 2024 के अक्टूबर माह के अंतिम सप्ताह में आए प्रलयनकारी बाढ़ से पश्चिमी कोशी तटबंध कीरतपुर के भुभौल के पास टूट गया था जिसके कारण लोगों को काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा था जबकि वे 22 अक्टूबर 2024 को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल से भेंट कर इस संबंध में पहल करने का आग्रह किया था। जिसके जवाब में 20 जनवरी 2025 को इसकी सभी औपचारिकताओं को पूरा कर लिए जाने की सूचना दी गई थी।

देश दुनिया की ताजा तरीन खबरें पढ़ने के लिए लॉग ऑन करें
@Pratahkiran www.pratahkiran.com
राष्ट्रीय दैनिक प्रातःकिरण
नई दिल्ली, बुधवार, 04 जून, 2025

'हाउसफुल 5' के प्रमोशन में जुटे फरदीन

अभिनेता फरदीन खान अपनी अपकमिंग फिल्म 'हाउसफुल 5' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। फिल्म को लेकर उत्साहित अभिनेता ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया, जिसमें वह फैंस से अपने किरदार के साथ जल्द मुलाकात कराने की बात करते नजर आए।

इंस्टाग्राम पर अपनी तीन तस्वीरों को शेयर करते हुए फरदीन खान ने 'हाउसफुल 5' में अपने किरदार का जिक्र करते हुए कैप्शन में लिखा, 6 जून को सिनेमाघरों में देव से आपकी जल्द होगी मुलाकात। फरदीन खान अपकमिंग 'हाउसफुल 5' में नजर आएंगे। इस साल हाउसफुल उनकी चौथी फिल्म है। खान ने हाल ही में सिनेमा जगत में अपनी वापसी और शानदार किरदार के लिए फिल्म निर्माताओं और दर्शकों का आभार जताया। फरदीन ने बताया था, जब मैं वापस आने के बारे में सोचता हूं तो ऐसा लगता है कि मैं दूसरी बार आया हूं। अपने को-स्टार्स के साथ प्यार और सम्मान के साथ मिलने और फिर से काम करने के लिए आभारी और उत्साहित हूं। फरदीन ने बताया, 12 साल की अवधि के बाद वापसी करना कुछ ऐसा नहीं है, जिसकी आप योजना बनाएं। मैंने बस इसके लिए तैयारी की है। मुझे बस इतना पता था, यह वही है, जो मैं करना जानता हूं। मुझे सेट पर होने की याद आती है। मुझे कहानियां सुनाने का हिस्सा बनने की याद आती है। मुझे उन लोगों के बीच होने वाले जुड़ाव की याद आती है, जिनके साथ आप लंबे समय तक काम कर चुके हैं और उनके साथ आपका खास रिश्ता है। उन्होंने कहा, मेरे लिए हाउसफुल 5 चौथी रिलीज होगी और यह सबसे बड़ी कॉमेडी फ्रेंचाइजी भी है। यह हिंदी फिल्म इतिहास की सबसे सफल कॉमेडी फ्रेंचाइजी होगी, जो सभी को खुशी और प्यार देने के लिए तैयार है। दर्शकों को हंसाने के लिए तैयार है। मेरे लिए इसके जरिए वापसी एक जश्न की तरह है। फरदीन ने कहा, मैं दर्शकों का और उन सभी का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझ पर विश्वास किया, जिन्होंने सोचा कि मेरे पास कुछ दौर बाकी हैं, जिन्होंने मुझे इस तरह की प्रतिभा के साथ काम करने का मौका दिया और विशेष रूप से साजिद नाडियाडवाला का आभारी हूं।

दो साल बाद बॉलीवुड में कमबैक पर बोलीं नरगिस फाखरी

बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी अपनी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 को लेकर चर्चाओं में हैं। वह इस फिल्म के जरिए दो साल बाद स्क्रीन पर वापसी कर रही हैं। इस पर एक्ट्रेस ने कहा कि वह अपने कमबैक से काफी खुश हैं, उन्हें ऐसा लग रहा है, जैसे वह कभी पर्दे से दूर गई ही नहीं थीं।

नरगिस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर कीं। ये तस्वीरें हाउसफुल 5 के ट्रेलर लॉन्च के दौरान किए गए फोटोशूट की हैं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, कमबैक... जैसे कभी गई ही नहीं थीं, अब पहले से भी ज्यादा ताकतवर और शानदार अंदाज में लौट आई हूं। एक्ट्रेस को अब से पहले 2023 में रिलीज हुई अनुपम खेर-नीना गुप्ता अभिनीत शिव शास्त्री बलबोआ में देखा गया था। इस फिल्म का निर्देशन अजय वेणुगोपालन ने किया था।

उनकी आने वाली फिल्म हाउसफुल 5 की बात करें तो, 31 मई को फिल्म से नया गाना द फुगड़ी डांस रिलीज किया गया था। फिल्म से अभी तक चार गाने, जिसमें लाल परी, दिल ए नादान, कयामत और नया द फुगड़ी डांस शामिल हैं, रिलीज हो चुके हैं। फिल्म का निर्देशन तरुण मनसुखानी ने किया है, जो इससे पहले दोस्ताना जैसी हिट फिल्म बना चुके हैं। इस फिल्म की कहानी साजिद नाडियाडवाला ने लिखी है। वह फिल्म के निर्माता भी हैं। फिल्म में 19 कलाकारों की बड़ी स्टारकास्ट है, जिनका किरदार अपनी अलग मस्ती और अंदाज लेकर आएगा। फिल्म के स्टारकास्ट में अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख, जैकलीन फर्नांडिस, सोनम बाजवा, नरगिस फाखरी, संजय दत्त, जैकी श्रॉफ, नाना पाटेकर, चित्रांगदा सिंह, फरदीन खान, चंकी पांडे, जॉनी लीवर, श्रेयस तलपड़े, डिनो मोरिया, रंजीत, सौंदर्या शर्मा, निकितिन धीर और आकाशदीप साबिर जैसे कलाकार हैं।

हाउसफुल 5, 6 जून को दुनिया भर में रिलीज होगी।

नरगिस के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने बॉलीवुड में अपनी पहचान 2011 में आई रोमांटिक ड्रामा फिल्म रॉकस्टार से बनाई, जिसमें उन्होंने रणबीर कपूर के साथ काम किया था। इस फिल्म में उनकी एक्टिंग को काफी सराहा गया। 2013 में उन्होंने राजनीतिक थ्रिलर फिल्म मद्रास कैफे में एक वॉर रिपोर्टर का किरदार निभाया। इसके बाद वह मैं तेरा हीरो और हाउसफुल 3 जैसी हिट कॉमेडी फिल्मों में नजर आईं। उन्होंने न केवल बॉलीवुड में, बल्कि हॉलीवुड में भी अपनी पहचान बनाई। उन्होंने 2015 में हॉलीवुड की एक्शन-कॉमेडी फिल्म स्पाई में भी अहम भूमिका निभाई।

एक दीवाने की दीवानियत में दिखेंगे हर्षवर्धन और सोनम

स नम तेरी कसम के बाद एक बार फिर हर्षवर्धन राणे बड़े परदे पर एक रोमांटिक स्टोरी लेकर आ रहे हैं। इसी साल उनकी फिल्म की अनाउंसमेंट हुई थी और अब रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया गया है। इस फिल्म का नाम एक दीवाने की दीवानियत है। इसमें हर्षवर्धन के साथ सोनम बाजवा भी लीड रोल में दिखाई देंगी। वहीं मेकर्स ने फिल्म से दोनों का लुक पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। मेकर्स ने इस पोस्टर को अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी शेयर किया है। उन्होंने कैप्शन में लिखा...गांधी जयंती और दशहरा पर सिनेमाघरों में देखिए मोहब्बत, नफरत और एक दीवाने की दीवानियत। फिल्म का निर्देशन मिलाप जावेरी द्वारा किया गया है। वहीं इस फिल्म का प्रोडक्शन अंशुल गर्ग तो इसे मुश्ताक शेख द्वारा लिखा गया है।

सलमान खान के शो बिग बॉस 19 के फॉर्मेट में हुए बड़े बदलाव

टी वी इंडस्ट्री के चर्चित रियलिटी शो बिग बॉस 19 के फॉर्मेट में बड़ा बदलाव किया जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक... इस बार शो के मेकर्स ने यू-ट्यूबर्स और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर्स से संपर्क न करने का फैसला किया है। मेकर्स का इस बार पूरा फोकस टीवी और फिल्मों के लोकप्रिय सितारों पर होगा। पिछले कुछ सीजन्स में एल्विश यादव, अभिषेक मल्हान, मनीषा रानी और रजत दलाल जैसे डिजिटल क्रिएटर्स ने बिग बॉस के घर के अंदर खूब धमाल मचाया। सोशल मीडिया सेलेब्स की वजह से शो की लोकप्रियता बढ़ी, लेकिन उससे ज्यादा शो की आलोचना भी खूब हुई। साथ ही इन कंटेस्टेंट्स की लोकप्रियता के कारण दूसरे कंटेस्टेंट्स को मिलने वाले वोट्स पर बुरा असर पड़ा। जिसकी वजह से शो के पुराने फैंस इससे नाराज भी दिखे। बताया जाता है कि कंटेस्टेंट्स की कास्टिंग पर जोरो-शोरो से काम शुरू हो गया है, लेकिन शो के मेकर्स की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। बिग बॉस 19 का प्रीमियर इस बार 19 जुलाई को आने की उम्मीद है। इस बार भी सलमान खान ही शो को होस्ट करेंगे। खबर है कि सलमान जून के अंत तक बिग बॉस 19 के लिए प्रोमो शूट कर लेंगे। इस बार यह शो 3 महीने के बजाय 5.5 महीने तक चलेगा। इसके अलावा सलमान जल्द ही फिल्म किक 2 में नजर आने वाले हैं।

राजकुमार राव को चुनौतियों से भरी प्रभावशाली फिल्में पसंद, इन किरदारों का किया जिक्र

अभिनेता राजकुमार राव की गिनती इंडस्ट्री के मंझे हुए कलाकारों में होती है। अभिनेता ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात की और बताया कि उन्हें प्रभावशाली और चुनौतियों से भरे किरदारों वाली फिल्में पसंद हैं।
राजकुमार राव का कहना है कि उन्हें डांस-केंद्रित भूमिकाओं के बजाय प्रभावशाली भूमिकाएं पसंद हैं। वे 'शाहिद', 'मालिक' और 'न्यूटन' जैसी फिल्मों को पसंद करते हैं। यह पूछे जाने पर कि वह क्या चुनेंगे, डांसिंग राजकुमार या 'शाहिद' और 'मालिक' जैसी फिल्में करने वाले राजकुमार, तो उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया, मैं 'शाहिद', 'मालिक' और 'न्यूटन' को चुनूंगा क्योंकि मैं किसी पार्टी में भी डांस कर सकता हूं, वीडियो बना सकता हूं और उसे अपलोड कर सकता हूं, लेकिन ऐसी फिल्मों को करने के अवसर आसानी से नहीं मिलते। राजकुमार की एक्शन-ड्रामा 'मालिक' की रिलीज डेट पहले 20 जून को थी, लेकिन अब यह 11 जुलाई को रिलीज होगी। फिल्म में राव गैंगस्टर की भूमिका निभाते नजर आएंगे। पुलकित के निर्देशन में बनी 'मालिक' का निर्माण कुमार तौरानी ने टिप्स फिल्म्स बैनर और जय शेवक्रमणी की नॉर्दर्न लाइट्स फिल्म्स के तहत किया है।
राजकुमार राव की फिल्म 'शाहिद' के बारे में बता दें, इसका निर्देशन हंसल मेहता ने किया है, जो साल 2012 में रिलीज हुई थी। 'शाहिद' वकील और मानवाधिकार कार्यकर्ता शाहिद आजमी के जीवन पर आधारित फिल्म है, जिनकी साल 2010 में हत्या कर दी गई थी। इस फिल्म में राजकुमार राव वकील आजमी की भूमिका में हैं।
फिल्म में राव के साथ मोहम्मद जीशान अय्यूब, प्रभलीन संधू और बलजिंदर कौर सहायक भूमिकाओं में हैं। 'न्यूटन' साल 2017 में रिलीज हुई थी, अमित वी. मसुरकर के निर्देशन में बनी 'न्यूटन' ब्लैक कॉमेडी-ड्रामा है। फिल्म में राजकुमार एक सरकारी कर्मचारी की मुख्य भूमिका में हैं, जिसे चुनाव ड्यूटी पर मध्य भारत के राजनीतिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र में भेजा जाता है। उनके साथ फिल्म में पंकज त्रिपाठी, अंजलि पाटिल और रघुबीर यादव अहम भूमिकाओं में हैं।

एक्शन-लव स्टोरीज पर है मेरा फोकस बच्चों से जुड़ा किरदार खोज रहा हूं

प्रतीक गांधी को हाल ही में फिल्म फुले में देखा गया था। इसके बाद वे निर्माता-निर्देशक हंसल मेहता के साथ वेब सीरीज गांधी में भी दिखाई देंगे। इसमें प्रतीक के साथ उनकी पत्नी भामिनी ओझा भी हैं। प्रतीक ने खास बातचीत की।

फुले का रोल कैसे मिला?

जब मुझे ये ऑफर मिला तो सबसे पहले स्क्रिप्ट ने मेरा ध्यान खींचा। बायोपिक तो बहुत बनती हैं, लेकिन इसकी कहानी रिसर्च पर बेस्ड थी। अनंत महादेवन की स्टोरीटेलिंग की अपनी एक दुनिया है, जो मुझे एक्सप्लोर करनी थी। फुले की जिंदगी और विचारों ने मुझे बहुत प्रभावित किया। जैसे वे अखाड़े जाते थे, फिजिकली फिट थे लेकिन हिंसा में विश्वास नहीं रखते थे। उनका मानना था कि असली हथियार विद्या है।

मडगांव एक्सप्रेस का अनुभव कैसा रहा?

बहुत पर्सनल एक्सपीरियंस रहा। मैं कभी दोस्तों के साथ गोवा नहीं जा पाया था। ये फिल्म उस अधूरे सपने जैसी थी। कुणाल की स्क्रिप्ट और नरेशन इतने शानदार थे कि बीच में ही मैंने हां कह दिया था। मुझे खुशी थी कि उन्होंने मुझे एक फिजिकल कॉमेडी के लिए चुना, जो लोगों ने पहले कभी मुझे करते नहीं देखा।

आपने गुजराती और हिंदी दोनों इंडस्ट्रीज में काम किया है, क्या फर्क नजर आया?

सबसे बड़ा फर्क स्केल और रिसोर्सेस का है। गुजराती इंडस्ट्री अभी तक एक मजबूत इंडस्ट्री नहीं बन पाई है। बजट सीमित होता है, सैटेलाइट और बाकी रेवेन्यू कम होते हैं, इसलिए सब कुछ बहुत सोच-समझकर करना पड़ता है। लेकिन पैशन दोनों जगह बराबर है।

ओटीटी को आप कैसे देखते हैं?

ओटीटी ने गेम ही बदल दिया है। बहुत सारे टैलेंट को मौका मिला, नई कहानियों को मंच मिला। पहले 40-50 मिनट की कहानी के लिए कोई स्पेस नहीं था, लेकिन अब ऐसे कंटेंट को भी दर्शक मिल रहे हैं। ये पूरा सिस्टम अब डेमोक्रेटिक हो गया है, जिसे जो देखना है, वो देख सकता है।

आपकी आने वाली वेब सीरीज गांधी के बारे में कुछ बताएं?

यह मेरा अब तक का सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है। हंसल मेहता के साथ यह तीसरा-चौथा कोलैबोरेशन है। खास बात ये है कि इसमें मेरी पत्नी भी हैं। कस्तूरबा वे के रोल में। मैं पहले मोहन का मसाला नामक स्टेज प्ले 2015 से तीन भाषाओं में स्टेज पर करता आ रहा हूं। ये गांधी जी की युवा अवस्था की अनकही कहानियों पर बेस्ड है। गांधी का पहला सीजन शूट हो चुका है, पोस्ट-प्रोडक्शन में है और म्यूजिक ए.आर. रहमान का है। इस सीरीज की रिलीज डेट अभी आनी है।

कोई जॉनर जिसे करने की चाहत हो, जो अभी तक एक्सप्लोर नहीं कर पाए ?

हां, एक्शन और लव स्टोरीज में काम करना चाहता हूं। खासकर आज के दौर में अच्छी लव स्टोरीज कम देखने को मिलती हैं। इसके अलावा बच्चों की फिल्मों में भी काम करने की ख्वाहिश है।

हंसल मेहता के साथ काम करना कैसा रहता है?

हंसल सर एक्टर्स के डायरेक्टर हैं। वो बहुत विश्वास देते हैं और उस भरोसे के चलते आप अपना बेस्ट देना चाहते हैं। उनका काम करने का तरीका ऑर्गेनिक होता है। वो लंबे शॉट्स लेते हैं, जल्दी कट नहीं बोलते। अब तो हमें बिना बात के भी एक-दूसरे की ट्यूनिंग समझ में आने लगी है।

आपके अगले प्रोजेक्ट्स कौन से हैं?

आने वाले समय में कुछ बहुत ही रोमांचक प्रोजेक्ट्स हैं। गांधी के अलावा कुछ और प्रोजेक्ट्स पर काम चल रहा है, जिनमें समाजिक मुद्दों और व्यक्तिगत संघर्षों को केंद्रित किया गया है।

डॉक्टरों को मुफ्त तोहफा देना जारी, अब दवा कंपनियों पर सख्ती की तैयारी

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने फार्मा कंपनियों की तरफ से डॉक्टरों को दी जो वाली मुफ्त सुविधाएं यानी उपहार दिए जाने को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए उनसे पिछले एक साल में मार्केटिंग पर किए गए खर्च का ब्यौरा मांगा है। सरकार के इस कदम से फार्मा उद्योग उलझन में पड़ गया है।फार्मास्यूटिकल्स विभाग द्वारा मांगे गए डिटेल्स 31 जुलाई तक प्रस्तुत किए जाने हैं, ऐसा न करने पर दवा कंपनियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

लागू होने जा रहा यूनिफॉर्म कोड– केंद्र सरकार दवा कंपनियों की मार्केटिंग गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही है, क्योंकि ऐसी खबरें आ रही हैं कि ये कंपनियां डॉक्टरों को कई तरह की मुफ्त सुविधाएं देना जारी रखे हुए हैं, जबकि अनैतिक मार्केटिंग प्रथाओं पर लगाम लगाने के लिए फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिस के लिए यूनिफॉर्म कोड लागू होने जा रहा है।

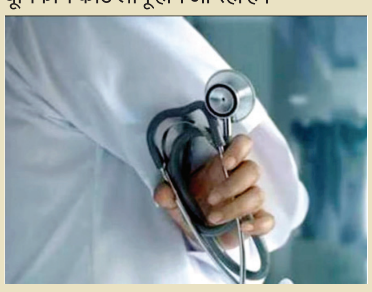

समयसीमा अब 31 जुलाई– सरकार द्वारा सभी फार्मास्युटिकल एसोसिएशनों को 29 मई को एक पत्र जारी कर तय समय–सीमा के भीतर अनुपालन पूरा करने के लिए कहा गया है। भारतीय औषधि निर्माता संघ के महासचिव दारा पटेल ने कहा, फार्मास्युटिकल विभाग ने यूनिफॉर्म कोड फॉर फार्मास्युटिकल मार्केटिंग प्रैक्टिसेज (यूसीपीएमपी) 2024 के तहत मार्केटिंग खर्च की सेल्फ डिक्लेरेशन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया है। वित्त वर्ष 25 से संबंधित प्रस्तुतियां देने की समयसीमा अब 31 जुलाई है। स्व–घोषणा एक कानूनी वचन है, जिसे कंपनी मालिकों द्वारा सरकार को आश्वस्त करने के लिए दायर किया जाता है कि वे अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए किसी भी अनैतिक मार्केटिंग प्रथाओं में लिप्त नहीं हैं। पटेल ने कहा कि यूसीपीएमपी दिशानिर्देशों के कार्यान्वयन से कंपनियों मार्केटिंग प्रैक्टिस में सतर्कता और पारदर्शिता की भावना पैदा हुई है, जो उद्योग के लिए अच्छा है। भारतीय फार्मास्युटिकल अलायंस के महासचिव सुदर्शन जैन ने कहा, यह पहली बार है कि फार्मा कंपनियों द्वारा इतने बड़े पैमाने पर अनुपालन किया जा रहा है।

आपके लोन की किस्त हो सकती है धड़ाम, आरबीआई कर सकता है जंबो रेट कट

नईदिल्ली, एजेंसी। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया शुक्रवार को 50 बेसिस पॉइंट्स की जंबो रेट कट कर सकता है। ये बात एसबीआई की रिसर्च रिपोर्ट में कही गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, क्रेडिट साइकल को फिर से बहाल करने और अनिश्चितताओं का मुकाबला करने के लिए केंद्रीय बैंक रीपो रेट में 0.5 प्रतिशत की बड़ी कटौती कर सकता है। सेंट्रल बैंक ने फरवरी और अप्रैल में प्रमुख ब्याज दर (रीपो रेट) में 25

बेसिस पॉइंट्स की कटौती की थी, जिससे ये दर 6 प्रतिशत हो गई है। आरबीआई की दरें तय करने वाली मॉनिटरी पॉलिसी कमिटी की बैठक 4 जून से शुरू होने जा रही है। एमपीसी शुक्रवार को बैठक में लिए गए निर्णय की घोषणा करेगी। एसबीआई की रिपोर्ट में कहा गया है कि हमें जून की पॉलिसी में 50 बेसिस पॉइंट की दर में कमी की उम्मीद है। वहीं, कई अर्थशास्त्रियों ने सोमवार को उम्मीद जताई है कि चूंकि महंगाई 4 प्रतिशत के औसत लक्ष्य से नीचे बनी हुई है। ऐसे में आरबीआई ग्रोथ को पुश देने के लिए लगातार तीसरी बार 25 बेसिस पॉइंट की कटौती कर सकता है।

पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) ने एफवाय25 में राजस्व में 73 प्रतिशत और शुद्ध लाभ में 100 प्रतिशत की धमाकेदार बढ़त दर्ज की!

अहमदाबाद। पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड, , जो विद्युत ठेका और उपकरण उद्योग के प्रमुख खिलाड़ियों में से एक है, ने क्यू4 एफवाय25 और एफवाय25 के अपने ऑडिटेड वित्तीय परिणामों की घोषणा की है। आर्थिक प्रदर्शन पर टिप्पणी करते हुए, श्री पद्मराज पद्मनाभन पिल्लई, प्रबंध निदेशक, पावर एंड इंस्ट्रूमेंटेशन (गुजरात) लिमिटेड ने कहा, हमें एफवाय25 में असाधारण प्रदर्शन की रिपोर्ट देते हुए गर्व महसूस हो रहा है, जो हमारी क्रियान्वयन क्षमताओं की ताकत और हमारे संचालन को मार्गदर्शित करने वाली रणनीतिक स्पष्टता को दर्शाता है।

कच्चे तेल की कीमतें एक दिन में 4 फीसदी बढ़कर 65 डॉलर पार

भारत में पेट्रोल खपत में 9 प्रतिशत उछाल

नईदिल्ली, एजेंसी। उत्पादक समूह ओपेक और अन्य देशों द्वारा जुलाई में उत्पादन वृद्धि को पिछले दो महीनों के समान स्तर पर बनाए रखने के बाद सोमवार को कच्चे तेल की कीमतें चार फीसदी बढ़कर 65 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गईं। ब्रेंट क्रूड 2.28 डॉलर की तेजी के साथ 65.06 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट क्रूड 4.9 फीसदी बढ़कर 63.78 डॉलर पर पहुंच गया।

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन और उसके सहयोगियों (ओपेक प्लस) ने शनिवार को जुलाई में लगातार तीसरे महीने 4.11 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) उत्पादन बढ़ाने का फैसला किया था। मॉर्गन स्टेनली ने कहा, अक्तूबर तक हर महीने 4.11 लाख बीपीडी की वृद्धि होगी और कुल 22 लाख बीपीडी हो जाएगी। ओनिक्स कैपिटल ग्रुप के विश्लेषक हैरी चिलिंगुइरियन ने लिंक्डइन पर लिखा, आगे चलकर तेल की कीमतों में ज्यादा तेजी आ सकती है।

पेट्रोल मांग लगातार दूसरे माह बढ़ी, 9 फीसदी तेजी

वैश्विक रिपोर्ट से इतर भारत में गर्मियों में यात्रा बढ़ने से पेट्रोल की खपत में लगातार दूसरे महीने वृद्धि हुई है। मई में पेट्रोल की खपत 8.77 फीसदी बढ़कर 37 लाख टन हो गई। एक साल पहले 34.6 लाख टन थी। डीजल की बिक्री दो फीसदी बढ़कर 85.7 लाख टन हो गई। आंकड़ों के अनुसार, अप्रैल में डीजल खपत 4 फीसदी बढ़कर 82.3 लाख टन रही थी। पिछले कुछ महीनों में डीजल की मांग घटी है।

3 महीने में 89 प्रतिशत चढ़ा शेयर, 300 करोड़ का फंड जुटाएगी कंपनी, आशीष कचौलिया ने भी लगाया है पैसा

नईदिल्ली, एजेंसी। कमजोर बाजार में भी जिन कंपनियों के शेयरों की कीमतों में तेजी देखने को मिली है उसमें से मैन इंडस्ट्रीज एक है। कंपनी के शेयरों का भाव कल 7.94 प्रतिशत की उछाल के बाद 405.35 रुपये के लेवल पर पहुंच गया था। मार्केट के बंद होने के समय पर कंपनी के शेयर बीएसई में यह स्टॉक 7.36 प्रतिशत की तेजी के साथ 403.15 रुपये के लेवल पर था। आशीष कचौलिया के निवेश वाली कंपनी ने 300 करोड़ रुपये जुटाने जा रही है। यह पैसा कंपनी प्रीफरेंशियल वार्टेंस के जरिए जुटाएगी। आज यानी मंगलवार को कंपनी के शेयरों में नरमी देखने को मिली है। यह स्टॉक मंगलवार को 1 प्रतिशत से अधिक शुरुआती कारोबार में टूट गया।

कंपनी में आशीष कचौलिया की हिस्सेदारी कितनी है– दिग्गज निवेशक आशीष कचौलिया की इस कंपनी में कुल हिस्सेदारी 2.03 प्रतिशत है। वहीं, विकास विजयकुमार खेमानी के पास 2.44 प्रतिशत हिस्सा था। दोनों का मिलाकर कंपनी में 4.47 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। यह आंकड़ा 28 मई तक के शेयरहोल्डिंग के अनुसार है।

इलेक्ट्रिक कार योजना

स्थानीय उत्पादन में निवेश के बदले घटाया गया आयात कर; विदेशी ईवी निर्माताओं को बड़ी राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार उन विदेशी वाहन निर्माता कंपनियों को आयात शुल्क (टैक्स) में राहत देगी, जो भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के विनिर्माण में निवेश का वादा करेंगी। इसका मकसद देश में स्थानीय विनिर्माण को बढ़ावा देना और वैश्विक कंपनियों को भारत में निवेश के लिए आकर्षित करना है। सरकार की नई ईवी नीति के मुताबिक, जो विदेशी वाहन निर्माता कंपनियां भारत में ईवी का संयंत्र लगाने के लिए कम से कम 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी, उन्हें 8,000 ईवी सिर्फ 15 फीसदी टैक्स देकर भारत में मंगाने की इजाजत दी जाएगी। अभी इन वाहनों पर 70 से 100 फीसदी तक का टैक्स देना पड़ता है, लेकिन निवेश के बदले यह टैक्स घटाकर 15 फीसदी कर दिया गया है। सरकार के दिशानिर्देशों के अनुसार, कंपनियों को मंजूरी मिलने के तीन साल के भीतर भारत में अपने ईवी संयंत्र की शुरुआत करनी होगी। साथ ही उन्हें वाहनों के विनिर्माण में निश्चित मात्रा में स्थानीय सामग्री का भी उपयोग करना होगा। यह शर्त भारत में इलेक्ट्रिक यात्री कारों के विनिर्माण को बढ़ावा देने की योजना के तहत रखी गई है। सरकार ने सोमवार को इस योजना के नियम आधिकारिक रूप से जारी कर दिए हैं, जिससे अब इलेक्ट्रिक कार बनाने वाली कंपनियां इसमें आवेदन कर सकेंगी। अधिकारियों के मुताबिक, आवेदन की प्रक्रिया अगले कुछ हफ्तों में शुरू हो सकती है और यह कम से कम 120 दिनों तक खुली रहेगी। भारी उद्योग मंत्रालय ने पिछले साल 15 मार्च को यह योजना अधिसूचित की थी। सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि जो विदेशी कंपनियां भारत में 4,150 करोड़ रुपये का निवेश करेंगी।

सिर्फ 1.85 लाख से शुरू किया ये काम अब 31 करोड़ का टर्नओवर

नईदिल्ली, एजेंसी। रायपुर के मनीष मोहता लर्निंग स्पाइरल प्राइवेट लिमिटेड के संस्थापक हैं। यह एक एड-टेक कंपनी है। इनफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी और एआई का इस्तेमाल करके यह असेसमेंट सॉल्यूशन प्रदान करती है। मनीष मोहता ने दिल्ली कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में अपने अंतिम वर्ष के दौरान लर्निंग स्पाइरल को लॉन्च किया। साल 2000 में उन्होंने सिर्फ 1.85 लाख रुपये के मामूली निवेश और तीन दोस्तों की मदद से इसकी शुरुआत की थी। आज लर्निंग स्पाइरल का टर्नओवर करीब 31 करोड़ रुपये है। यह कंपनी भारतीय रेलवे, ओडिशा पुलिस और जामिया मिलिया इस्लामिया जैसे बड़े क्लाइंटों को अपनी सेवाएं दे रही है। लर्निंग स्पाइरल परीक्षाओं को आसान बनाने और मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने का काम करती है। आइए, यहां मनीष मोहता की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

ऐसे आया आइडिया– इंजीनियरिंग के अंतिम वर्ष में एग्जाम और प्रोजेक्ट के बीच संतुलन बनाना मुश्किल होता है। इसी दौरान रायपुर से ताल्लुक रखने वाले मनीष मोहता को एक आइडिया आया। उन्होंने लर्निंग स्पाइरल प्राइवेट लिमिटेड नाम की एक एड-टेक कंपनी शुरू की। उनकी कंपनी परीक्षाओं को आसान बनाने के लिए तकनीक का इस्तेमाल करती है। यह कंपनी कॉलेजों और छात्रों को परीक्षा से जुड़े काम में मदद करती है। इनमें सॉफ्टवेयर बनाना, पेपर छापना और परीक्षा को सही तरीके से करवाना जैसे काम शामिल हैं।

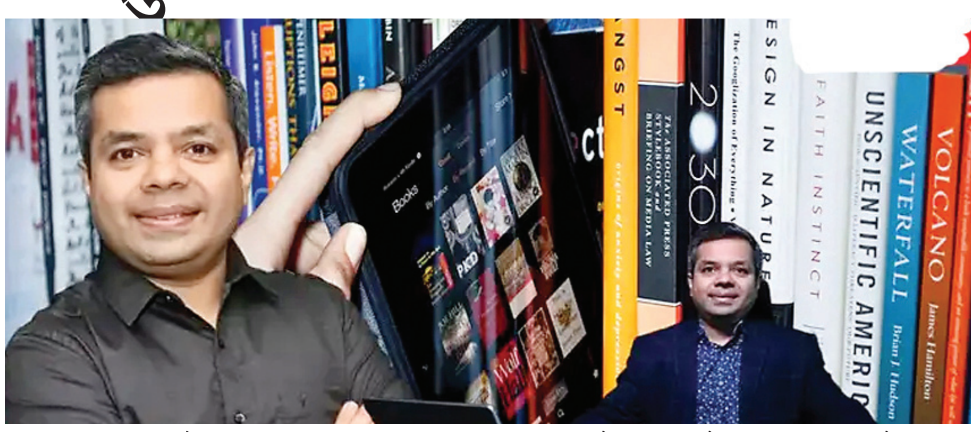

ग्राहकों की लंबी फेहरिस्त– रायपुर, छत्तीसगढ़ में स्थित लर्निंग स्पाइरल मोहता ग्रुप ऑफ कंपनीज के तहत एक सहायक कंपनी है। यह भारतीय रेलवे, ओडिशा पुलिस, जामिया मिलिया इस्लामिया और पश्चिम बंगाल स्कूल बोर्ड जैसे प्रतिष्ठित ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है। लर्निंग स्पाइरल देशभर में एंड-टू-एंड परीक्षा सेवाएं उपलब्ध कराती है। इसमें सॉफ्टवेयर समाधान, प्रबंधित सेवाएं, आउटसोर्स बिजनेस प्रोसेस, सिक्योरिटी प्रिंटिंग, प्रॉक्टरिंग और सप्लाई जैसी सेवाएं शामिल हैं। यह न केवल शैक्षणिक संस्थानों, विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को सेवा देती है, बल्कि रिक्रूटर्स, भर्ती निकायों और अन्य मूल्यांकन निकायों को भी सेवा प्रदान करती है। लर्निंग स्पाइरल का मकसद मूल्यांकन प्रक्रिया में पारदर्शिता लाना है।

आज करोड़ों का टर्नओवर– मनीष मोहता ने इंजीनियरिंग के आखिरी साल में दोस्तों के साथ मिलकर जसि लर्निंग स्पाइरल को शुरू कयिा था, आज उसका टर्नओवर 31 करोड़ रुपये है। यह कंपनी परीक्षा से जुड़े कई काम करती है, जैसे सॉफ्टवेयर बनाना, पेपर छापना और परीक्षा को सही तरीके से करवाना। मनीष मोहता ने पाया कि जब वे परीक्षा दे रहे होते थे तो पढ़ाई नहीं हो पाती थी। सब लोग परीक्षा में व्यस्त रहते थे। दो सेमेस्टर होते थे और परीक्षा का समय बहुत लंबा होता था। लगभग पांच महीने सिर्फ परीक्षा में ही चले जाते थे। इस वजह से पढ़ाई के लिए समय कम मिलता था। वह इस समस्या को बदलना चाहते थे।

शुरू में था परिवार को संदेह– मनीष मोहता एक सफल बिजनेस परिवार से आते हैं। परिवार ने उनके स्टार्टअप का समर्थन किया। लेकिन, उन्हें इसकी सफलता पर थोड़ा संदेह था। परिवार को यह डर था कि क्या वह सही रास्ते पर हैं। शुरुआत में मनीष को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। लोगों को नई तकनीक अपनाने में दिक्कत हो रही थी। लेकिन, जब लोगों ने देखा कि इससे फायदा हो रहा है तो उन्होंने इसे खुशी से अपना लिया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय और जामिया मिलिया इस्लामिया उनके पहले क्लाइंटों में थे। इन विश्वविद्यालयों के प्रोफेसरों ने भी उनकी काफी मदद की। मनीष अब अपनी कंपनी को दूसरे देशों में भी ले जाना चाहते हैं। वह अगले कुछ सालों में अपनी कंपनी को और आगे बढ़ाना चाहते हैं। वह हर साल 100 प्रतिशत विकास दर हासिल करना चाहते हैं।

कौन हैं बिलाल बिन साकिब जिन्हें मिली पाकिस्तान को बिटकॉइन किंग बनाने का जिम्मेदारी

नईदिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने पिछले हफ्ते एक बड़ा कदम उठाया। उन्होंने अपना पहला सरकारी स्ट्रैटेजिक बिटकॉइन रिजर्व बनाया है। इसका मतलब है कि पाकिस्तान अब बिटकॉइन क्रिप्टोकरेंसी को एक संपत्ति के रूप में देख रहा है। उनका मकसद है दुनिया भर से निवेश को आकर्षित करना। वे दिखाना चाहते हैं कि वे डिजिटल संपत्ति को लेकर गंभीर हैं। यह घोषणा तब हुई जब प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने 34 साल के बिलाल बिन साकिब को अपना विशेष सहायक नियुक्त किया। बिलाल बिन साकिब पाकिस्तान क्रिप्टो काउंसिल के सीईओ हैं। उन्हें राज्य मंत्री का दर्जा दिया गया है। इसका मतलब है कि सरकार उन्हें क्रिप्टो के मामलों में बहुत महत्व दे रही है।

क्या करते हैं बिलाल

बिलाल बिन साकिब तयाबा नाम की एक संस्था के को-फाउंडर हैं। यह संस्था पाकिस्तान में पानी की समस्या को हल करने के लिए काम करती है। फोर्ब्स के अनुसार, उनका फेमस प्रोडक्ट एच2ओ व्हील है। यह एक पहिया है जिससे लोग 40 लीटर तक पानी आसानी से ले जा सकते हैं। इससे ग्रामीण इलाकों में महिलाओं और बच्चों को पानी लाने में बहुत मदद मिलती है। तयाबा ने पाकिस्तान में 5500 से ज्यादा पहिए बांटे हैं।

लंदन से की है पढ़ाई– बिलाल बिन साकिब के पास लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से इनोवेशन और एंटरप्रेन्योरशिप की डिग्री है। वे क्वीन मैरी यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन के सलाहकार बोर्ड में भी हैं। साल 2017 में ब्लॉकचेन में आने से पहले, उन्होंने 10 साल तक एक अंतरराष्ट्रीय रणनीति सलाहकार के रूप में काम किया। उन्होंने ज्यादातर यूके की कंपनियों को एशिया और अफ्रीका में विस्तार करने में मदद की।

फोर्ब्स 30 अंडर 30 में शामिल– साल 2023 में बिलाल को किंग चार्ल्स ने एमबीई से सम्मानित किया। यह सम्मान उन्हें यूके में कोविड-19 के दौरान वन मिलियन मील्स पहल के माध्यम से राहत कार्य करने के लिए मिला। उन्हें

फोर्ब्स 30 अंडर 30 लिस्ट में भी शामिल किया गया है। यह लिस्ट उन युवाओं की है जिन्होंने समाज में अच्छा काम किया है।

क्या होगा बिलाल का काम– बिलाल बिन साकिब को कई जिम्मेदारियां दी गई हैं। उन्हें डिजिटल संपत्ति के लिए स्न्रञ्जस्न के नियमों के अनुसार एक ढांचा बनाना है। स्न्रञ्जस्न एक संस्था है जो यह देखती है कि कहीं पैसे का गलत इस्तेमाल तो नहीं हो रहा है। उन्हें राष्ट्रीय बिटकॉइन माइनिंग प्रोजेक्ट शुरू करने हैं। बिटकॉइन माइनिंग का मतलब है बिटकॉइन बनाना। उन्हें फाइनेंस, जमीन के रिकॉर्ड और सरकारी कामकाज में ब्लॉकचेन तकनीक को शामिल करना है।

अडानी ग्रुप के शेयरों में गिरावट, ईरान से गैस मंगाने का आरोप, अमेरिका में हो रही जांच

नईदिल्ली, एजेंसी। देश के तीसरे सबसे बड़े औद्योगिक घराने अडानी ग्रुप के शेयरों में आज शुरुआती कारोबार में गिरावट देखी जा रही है। इनमें दो फीसदी तक गिरावट आई है। अमेरिका के बिजनस अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी अधिकारी गौतम अडानी की कंपनियों की जांच कर रहे हैं। आरोप है कि अडानी की कंपनियों ने ईरान से एलपीजी गैस मुंद्रा पोर्ट के जरिए भारत में मंगाई। हालांकि अडानी ग्रुप ने इन आरोपों को गलत बताया है। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि उसने जानबूझकर किसी भी तरह से प्रतिबंधों का उल्लंघन नहीं किया है और न ही ईरान से एलपीजी का कारोबार किया है। शुरुआती कारोबार में अडानी ग्रुप की 10 लिस्टेड कंपनियों में से आठ में गिरावट आई है। सबसे ज्यादा गिरावट ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज में आई है। कंपनी का शेयर बीएसई पर 2452.70 रुपये तक गिरावट गया था। इसी तरह अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकनॉमिक जोन, अडानी टोटल गैस, अडानी ग्रीन एनर्जी, अडानी एनर्जी सॉल्यूशन, अडानी पावर, एनडीटीवी और अंबूजा सीमेंट्स में गिरावट आई है।

यूवा ने चार नई स्टाइलिश पेंसिलें पेश कीं- रिट्ज़, ड्रीमी, क्रिप और ल्यूमिनो

मुंबई, एजेंसी। नवनीत एज्युकेशन के स्टेशनरी ब्रांड यूवा ने अपनी नई रंगीन पेंसिल रेंज - रिट्ज़, ड्रीमी, क्रिप और ल्यूमिनो लॉन्च की है। पर्सनैलिटी, काम की उपयोगिता के अनुसार आसान डिज़ाइन और किफायती कीमत - इन तीनों को मिलाकर तैयार की गई यह सीरीज़ छात्रों, क्रिएटर्स और स्टाइल के साथ लिखने वालों के लिए एक नया पसंदीदा विकल्प बनने जा रही है।

रोज़मर्रा के लेखन और ड्रॉइंग के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए सोच-समझकर डिज़ाइन की गई ये पेंसिलेंअल्ट्रा-डार्क 2क्वलीड के साथ आती हैं, जो स्मूद और बोल्ड स्ट्रोक्स देती हैं। प्रीमियम मेटैलिक फिनिश वाली पैकेजिंग और आरामदायक हेक्सागोनल ग्रिप के साथ ये पेंसिलें देखने में जितनी आकर्षक हैं, हाथ में पकड़ने पर उतनी ही शानदार लगती हैं – उपयोगिता और स्टाइल का यह परफेक्ट कॉम्बिनेशन है।

रिट्ज़, ड्रीमी, क्रिप और ल्यूमिनोका हर पैक 10 पेंसिलों के साथ आता है, जो रचनात्मकता और व्यक्तिगत स्टाइल को दर्शाने के लिए खासतौर पर डिज़ाइन की गई हैं।

रिट्ज़ में मैट ब्लैक फिनिश के साथ तीन अलग-अलग रंगीन पैटर्न दिए गए हैं, जो उन लोगों के लिए परफेक्ट हैं जिन्हें हल्के से बोल्ड लुक के साथ रंगों का तड़का पसंद है। इसके विपरीत, ड्रीमी एक नर्म और फैंटेसी जैसी फील लेकर आती है – सॉफ्ट पेस्टल शेड्स, मोती चमक कोटिंग और हर पेंसिल पर बना एक प्यारासा मिनी पॉ डिज़ाइन इसे और खास बनाता है।हर पैक में एक फ्री शार्पनर और इरेज़र शामिल है, जिससे यह एक कम्प्लीट स्टेशनरी सेट बन जाता है।

हेक्सागोनल शेप वालीक्रिप पेंसिलों पर उपयोगकर्ताओं को प्रेरित करने के लिए एक प्रेरणादायक उद्धरण उत्कीर्ण किया गया है। इस पैक में निःशुल्क शार्पनर और इरेज़र भी दिया गया है, जिससे यह लेखन और चित्रांकन के लिए एक परफेक्ट सेट बन जाता है। ट्रायंगल शेप वाली ल्युमिनो परचमकदार फ्लोरेसेंट शेड्स शामिल हैं। यह पेंसिल अतिरिक्त सुविधा के लिए इरेज़र टिप के साथ आती हैं और साथ में एक निःशुल्क शार्पनर भी दिया जाता है।

रोहित शर्मा ने साथी खिलाड़ियों को बांटे बैट, कर्ण शर्मा रह गए खाली हाथ

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस को रविवार को आईपीएल 2025 क्वालीफायर 2 मुकाबले में पंजाब किंग्स से हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद मुंबई के पूर्व कप्तान और ओपनर बल्लेबाज रोहित शर्मा ने अपनी किट साथी खिलाड़ियों में बांट दी जिसमें बैट, जर्सी आदि थे। हालांकि इस दौरान कर्ण शर्मा अनलकी रहे क्योंकि उन्हें बैट नहीं मिल सका। दरअसल रोहित शर्मा ने कई खिलाड़ियों को बल्ला गिफ्ट में दिया जिसमें सलामी बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो का नाम भी शामिल है। इस दौरान कर्ण शर्मा जब रोहित से बल्ला लेने के लिए पहुंचे तो रोहित ने उन्हें मना करते हुए कहा कि किट बैग पूरा खाली हो गया है। हालांकि उसमें बैट थे लेकिन वह उन्होंने अपने लिए रखे थे और कर्ण खाली हाथ रह गए। हालांकि उन्होंने खिलाड़ी को निराश नहीं किया और उन्हें अपने ऑटोग्राफ वाली जर्सी दी। मुंबई इंडियंस द्वारा शेयर वीडियो में रोहित शर्मा ने कहा, 'अब मेरे पास बैट नहीं है। 6 बैट ले लिए यार सबने। पूरा भरा हुआ था बैग। मेरा बैग खाली हो गया।' रोहित शर्मा ने आईपीएल 2025 में काफी अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने 15 मैचों में 418 रन बनाए। इस दौरान उनका औसत 29.86 का रहा। उन्होंने आईपीएल 2025 में चार अर्धशतक लगाए।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को हराया, अब अर्जेंटीना से मुकाबला

रोसारियो (अर्जेंटीना) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में नियमित समय में 2-2 से ड्रा के बाद हुए शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराया। खेले गए मुकाबले में भारतीय टीम की उप-कप्तान हिना ने (10वें) और लालरिनपुई ने (24वें) मिनट में मैच की शुरुआत में गोल दागे। गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने 10वें मिनट हिना के गोल से शानदार शुरु की, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया। हाफटाइम तक भारत के पास 2-0 की बढ़त थी। उरुग्वे ने अंतिम क्वार्टर में इनेस डी पोसादास ने 54वें मिनट और इसके बाद मिलग्रोस सीगल ने 57वें मिनट बाद गोल करके स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। इसके बाद मुकाबला शूटआउट में चला गया। शूटआउट में गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने भारत के लिए लगातार तीन गोल किए।

श्रीहरि नटराज ने 200 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। ओलंपियन श्रीहरि नटराज ने 20वीं सिंगापुर राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए पुरुषों की 200 मीटर फ्रीस्टाइल में सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय निकालकर स्वर्ण पदक जीता।

तोक्यो और पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने रविवार को सिंगापुर स्पोर्ट्स स्कूल में 1.48.66 सेकंड का समय निकालकर सजन प्रकाश के 2021 में निकाले गए 1.49.73 सेकंड के समय को पीछे छोड़ा। नटराज ने इससे पहले 100 मीटर फ्रीस्टाइल स्पर्धा में रजत पदक जीता था। तैराकी में किसी समय को राष्ट्रीय रिकार्ड तभी माना जाता है जब उसे राष्ट्रीय तैराकी चैंपियनशिप में हासिल किया गया हो। इसलिए अन्य प्रतियोगिताओं में दर्ज समय को सर्वश्रेष्ठ भारतीय समय कहा जाता है।

पीवी सिंधू दूसरे दौर में, सेन और प्रणय इंडोनेशिया ओपन से बाहर

जकार्ता (एजेंसी)। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने मंगलवार को यहां संघर्षपूर्ण जीत दर्ज करके इंडोनेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में जगह बनाई, लेकिन लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय पहले दौर में हारकर बाहर हो गए।

सिंधू ने महिला एकल में अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी जापान की नोजोमी ओकुहारा को एक घंटे 19 मिनट तक चले रोमांचक मुकाबले में 22-20, 21-23, 21-15 से हराया। सिंधू ने मैच के बाद कहा, 'पहले दौर में जीत हासिल करना महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे निश्चित तौर पर मेरा हौसला बढ़ेगा। मैं पहले दौर में हारती रही हूं, इसलिए इस तरह के मैच जीतना मेरे लिए बहुत उपयोगी और महत्वपूर्ण है।

सेन ने एक घंटे और पांच मिनट तक चले पुरुष एकल मुकाबले में दुनिया के नंबर दो खिलाड़ी चीन के शि यू क्यू से 11-21 22-20 15-21 से हारने से पहले कड़ी चुनौती पेश की। भारत के इस 23 वर्षीय खिलाड़ी ने पीठ की चोट से उबरकर वापसी की। चोट के कारण वह पिछले सप्ताह मलेशिया ओपन में मैच के बीच से हट गए थे लेकिन यहां उन्होंने टुकड़ों में अच्छा प्रदर्शन किया।

पहला गेम आसानी से गंवाने और दूसरे गेम में 11-17 से पीछे होने के बाद सेन ने जोरदार वापसी की। उन्होंने एक मैच प्वाइंट बचाया और 22-20 से गेम जीतकर मुकाबला निर्णायक गेम तक खींच दिया। लेकिन इसके बाद वह अपनी लय बरकरार नहीं रख पाए। पुरुष एकल में एचएस प्रणय भी इस 1,450,000 डॉलर इनामी टूर्नामेंट से बाहर हो गए। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 17-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा। सिंधू और ओकुहारा के बीच गलतियों से भरा मैच रोमांचक रहा, जिसमें काफी गेम प्वाइंट और मैच प्वाइंट मिले। सिंधू ने पहला गेम 22-20 से जीता।

भारतीय खिलाड़ी ने इस दौरान एक गेम प्वाइंट बचाया और महत्वपूर्ण क्षणों में आक्रामक शॉट लगाए। दूसरे गेम में सिंधू ने शुरुआत में दो अंकों की मामूली बढ़त हासिल की, लेकिन इंटरवल तक वह 7-11 से पीछे थीं। उन्होंने वापसी की और जोरदार क्रॉस-कोर्ट स्मैश के साथ दो मैच प्वाइंट हासिल किए। लेकिन सिंधू ने लगातार गलतियां की जिसका फायदा उठाकर ओकुहारा 20-20 से बराबरी पर आ गई। जापानी खिलाड़ी ने आखिरकार दूसरा गेम 23-21 से जीत लिया।

निर्णायक गेम में ब्रेक तक सिंधू 11-9 से आगे थीं और फिर उन्होंने लगातार विनर्स लगाते हुए आठ मैच प्वाइंट हासिल किए और पांचवें मैच प्वाइंट को भुनाकर अगले दौर में प्रवेश किया। सिंधू महिला एकल के अगले दौर में जगह बनाने वाली एकमात्र भारतीय खिलाड़ी रही। अब उनका मुकाबला थाईलैंड की छठी वरीयता प्राप्त पोर्नपावी चोचिवोंग से होगा। मालविका बंसोड़ इंडोनेशिया की पुत्री कुसुमा वर्दानी के खिलाफ महिला एकल मैच के बीच में ही रिटायर हो गईं।

भारतीय खिलाड़ी जब 21-16 16-15 से आगे चल रही थीं तब वह कोर्ट पर फिसलने के कारण चोटिल हो गई और उन्हें कोर्ट छोड़ना पड़ा। अनुपमा उपाध्याय कोरिया की किम गा इयुन से सीधे गेम में 15-21, 9-21 से जबकि रक्षिता रामराज थाईलैंड की सुपानिडा से 21-14, 15-21, 12-21 से हार गईं।

आईपीएल विजेता टीम पर नोटों की बारिश

विजेता पर बरसे पैसे, उपविजेता भी नहीं जाएगा खाली हाथ, इन अवॉर्ड्स से भी मिलेंगे लाखों

अहमदाबाद (एजेंसी)। हर बार की तरह इस बार भी खिताब की विजेता टीम पर नोटों की बारिश होगी। पिछले आईपीएल से ज्यादा पैसा इस बार मिलेगा। पिछले वर्ष भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए थे। वहीं, उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद को 12.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली थी। इस बार भी बीसीसीआई अपना खजाना खोलेगा। आईपीएल का 18वां सत्र का समापन हो गया।

इस सीजन की शुरुआत कोलकाता नआइट राइडर्स–आरसीबी की टक्कर से हुई थी

इस सीजन की शुरुआत आरसीबी और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच मैच से हुई थी। आरसीबी और पंजाब का प्रदर्शन इस सीजन शानदार रहा है। पंजाब जहां ग्रुप चरण में शीर्ष पर रही, वहीं आरसीबी ने दूसरे स्थान पर रहकर लीग स्टेज का अंत किया। आरसीबी की टीम का रिकॉर्ड इस सीजन घर से बाहर शत प्रतिशत रहा है। अहमदाबाद में आरसीबी और पंजाब की टीमें एक बार 2021 में भिड़ी थी जिसमें पंजाब ने जीत दर्ज की थी। हालांकि, क्वालिफायर-1 मुकाबले में आरसीबी ने पंजाब को हराया था। अब यह देखने वाली बात होगी कि मंगलवार को कौन सी टीम बाजी मारती है।

पिछले वर्ष बीसीसीआई ने दिए थे 20 करोड़

हर बार की तरह इस बार भी खिताब की विजेता टीम पर नोटों की बारिश होगी। पिछले वर्ष भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने कोलकाता नाइट राइडर्स को 20 करोड़ रुपये इनाम के तौर पर दिए थे। वहीं, उपविजेता सनराइजर्स हैदराबाद को 12.5 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि मिली थी। इस बार भी बीसीसीआई अपना खजाना खोलेगा।

आईपीएल में खर्च होने वाली रकम को लेकर लीग हमेशा चर्चा में रहती है। टीमों को मिलने वाली इनामी राशि के अलावा कई और अवॉर्ड भी दिए जाते हैं। इनमें ऑरेंज कैप, पर्पल कैप, फेयर प्ले अवॉर्ड जैसे अवॉर्ड शामिल हैं। हम आपको इन सभी अवॉर्ड और उसमें दी जाने वाली इनामी राशि के बारे में बता रहे हैं। आइए जानते हैं विजेता से लेकर उपविजेता तक को कितने रुपये मिलेंगे।

फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच 5 लाख रुपये

- **आईपीएल ऑरेंज कैप** –यह अवॉर्ड पूरे आईपीएल सीजन में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज को दिया जाता है।
- **फेयर प्ले अवॉर्ड –यह** अवॉर्ड उस टीम को दिया जाता है जिसने पूरे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा अनुशासन के साथ खेला है ।
- मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर– उस खिलाड़ी को यह अवॉर्ड दिया जाता है जो पूरे आईपीएल सीजन में बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में बेहतरीन रहा हो।
- **आईपीएल पर्पल कैप** –इस अवॉर्ड का विजेता वह गेंदबाज होता है जिसने आईपीएल के पूरे सीजन में सबसे अधिक विकेट लिए हैं।
- **इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन – यह** अवॉर्ड सीजन में उभरते सितारे को दिया जाता है। विजेता को 10 लाख रुपये का चेक दिया गया।

जोकोविच की फ्रेंच ओपन में 100वीं जीत

लंदन (एजेंसी)। नोवाक जोकोविच ने फ्रेंच ओपन 2025 में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने ब्रिटेन के कैमरन नॉरी को चौथे दौर में 6-2, 6-3, 6-2 से हराकर इस टूर्नामेंट में अपनी 100वीं जीत दर्ज की। इस उपलब्धि के साथ जोकोविच फ्रेंच ओपन में 100 जीत हासिल करने वाले केवल दूसरे खिलाड़ी बन गए हैं, पहले खिलाड़ी राफेल नडाल हैं, जिनके नाम 112 जीत दर्ज हैं।

इस जीत के साथ जोकोविच लगातार 16वें साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। अब उनका सामना क्वार्टर फाइनल में जर्मनी के एलेक्जेंडर ज्वेरेव से होगा, जो टैलन ग्रिकस्पूर के चोट के कारण रिटायर होने के बाद अगले दौर में पहुंचे हैं।

जर्मन टेनिस खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने लगातार चौथी बार इस टूर्नामेंट के अंतिम आठ में प्रवेश किया है।

केन विलियमसन ने फिर से ठुकराया केंद्रीय अनुबंध, पहले भी कर चुके हैं ऐसा

वेलिंगटन (एजेंसी)। पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने फिर से न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ केंद्रीय अनुबंध ठुकरा दिया है और संभवतः अगले महीने जिम्बाब्वे के दो टेस्ट मैचों के लिए ब्लैक कैप्स के दौरे से चूक जाएंगे। विलियमसन ने पिछले साल भी केंद्रीय अनुबंध स्वीकार नहीं करने का फैसला किया था, ताकि वे टी20 और दुनिया भर की अन्य लीगों में खेलने के लिए स्वतंत्र रह सकें। इसके बजाय उन्होंने पिछले साल एक आकस्मिक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए और 2024 में न्यूजीलैंड के 13 टेस्ट मैचों में से 9 में खेले जिसमें उन्होंने 1,000 से अधिक रन बनाए।

विलियमसन मंगलवार को न्यूजीलैंड क्रिकेट द्वारा जारी 20 अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची में अनुपस्थित थे। डेवोन कॉनवे, फिन एलन, टिम सीफर्ट और लॉकी फर्ग्यूसन भी थे जो विदेशों में टी20 लीग में खेल रहे हैं। उनसे फिर से एक आकस्मिक अनुबंध पर हस्ताक्षर करने की उम्मीद है। ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास और जैक फाउलकेस, विकेटकीपर मिच हे और स्पिनर आदि अशोक को पहली बार अनुबंधित किया गया है। टिम साउथी, जो रिटायर हो चुके हैं, ईश सोढ़ी, एजाज पटेल और जोश क्लार्कसन की अनुपस्थिति में ऐसा पहली बार हुआ है।

विलियमसन वर्तमान में इंग्लिश काउंटी चैंपियनशिप और टी20 ब्लास्ट में मिडिलसेक्स के लिए और द हंड्रेड में लंदन स्पिरिट के लिए खेल रहे हैं। जुलाई के अंत और अगस्त की शुरुआत में न्यूजीलैंड के जिम्बाब्वे से खेलने के दौरान उनके काउंटी प्रतिबद्धताओं की उम्मीद है। पिछले महीने लंदन में एक समाचार सम्मेलन में विलियमसन ने कहा कि एक आकस्मिक अनुबंध पर उनका भविष्य बस प्रगति पर है और न्यूजीलैंड क्रिकेट ने इसके साथ बहुत अच्छा काम किया है और मैं पूरे समय भाग्यशाली रहा हूं।अनुबंधित 20 खिलाड़ियों को पिछले साल के घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन के आधार पर रैंक किया गया था। न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य कार्यकारी स्कॉट वेनिंक ने कहा, मिच, मुहम्मद, आदि और जैक के साथ अनुबंध हमारे सिस्टम के माध्यम से आने वाली अविश्वसनीय प्रतिभा को दर्शाता है। इन खिलाड़ियों ने दिखाया है कि वे उच्चतम स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और ब्लैक कैप्स का प्रतिनिधित्व करने की उनकी भूख रोमांचक है।

विश्व चैम्पियन डी गुकेश की मैग्नस कार्लसन क्यूँ है इतनी खास !

स्टावेंगर (एजेंसी)। नॉर्वे शतरंज 2025 के छठे राउंड में विश्व शतरंज को उस पल का गवाह बनने का मौका मिला, जिसका इंतज़ार लंबे समय से था। भारत के 18 वर्षीय विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल फॉर्मेट में पहली बार हराकर...

स्टावेंगर (निकलेश जैन) नॉर्वे शतरंज 2025 के छठे राउंड में विश्व शतरंज को उस पल का गवाह बनने का मौका मिला, जिसका इंतज़ार लंबे समय से था। भारत के 18 वर्षीय विश्व चैम्पियन डी गुकेश ने विश्व नंबर 1 मैग्नस कार्लसन को क्लासिकल फॉर्मेट में पहली बार हराकर इतिहास रच दिया।

मैच में शुरुआत से कार्लसन बेहतर स्थिति में नज़र आ रहे थे और उन्होंने अधिकांश समय दबाव बनाए रखा। लेकिन जैसे-जैसे समय कम होने लगा कार्लसन नें कई गलत चाले चली और जब खेल बेहतर से कार्लसन के लिए बराबर था उन्होने 52वीं चाल पर घोड़े की चाल से भारी भूल कर दी । गुकेश ने तुरंत सटीक चालों से जवाब देते हुए अपना हाथी को देकर कार्लसन का हाथी और घोडा दोनों मारते हुए स्थिति को अपने पक्ष में मोड़ लिया। अंततः 62 चालों के बाद कार्लसन को हार माननी पड़ी।

खेल के बाद कार्लसन गुस्से में दिखाई दिए और उन्होंने टेबल पर जोर से मुक्का मारा, जिससे मोहरे गिर गए। पर उन्होने तुरंत ही खुद पर काबू पाते हुए गुकेश को जीत की बधाई दी और अपने व्यवहार के लिए क्षमा मांगी वह बिना किसी से बात किए सीधे स्थान छोड़कर चले गए।

दूसरी ओर गुकेश ने बहुत शांत और विनम्र प्रतिक्रिया दी मैंने ऐसा जीतने की उम्मीद नहीं की थी, लेकिन जब मौका मिला तो मैंने उसे अपनाया। वैसे मैंने भी अपने करियर में कई बार टेबल पर हाथ मारा है, उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा।

आनंद ने 'पीढ़ियों की टक्कर' में फॉस्टिनो ओरो को 2-0 से हराया

पिएत्रासांता (इटली) (एजेंसी)। इटली के पिएत्रासांता स्थित ला वर्सिलियाना में आयोजित ऐतिहासिक मुकाबले 'पीढ़ियों की टक्कर' में भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद ने अर्जेंटीना के 11 वर्षीय बाल प्रतिभा फॉस्टिनो ओरो को 2–0 से पराजित किया। मुकाबला एकतरफा रहा, लेकिन ओरो ने अपने प्रदर्शन में अनुशासन और आत्मविश्वास दिखाया। आनंद ने पहला मुकाबला सफेद मोहरों से और दूसरा काले मोहरों से जीतते हुए लगातार दबाव बनाए रखा। उद्घाटन समारोह में दोनों खिलाड़ी पारंपरिक घोड़ागाड़ी में बैठकर कार्यक्रम स्थल पहुँचे। इसके बाद 'चेस रोड्स' महोत्सव की शुरुआत हुई, जिसमें 40 दुर्लभ और ऐतिहासिक शतरंज बोर्डों की प्रदर्शनी का शुभारंभ आनंद, ओरो, विश्व प्रसिद्ध संगीतकार आंद्रे बोचेली और ला वर्सिलियाना फाउंडेशन की अध्यक्ष पाओला रोवेलिनी ने संयुक्त रूप से किया। मुख्य मुकाबले में आनंद ने पहले गेम में राय लोपेज ओपनिंग से खेलते हुए 40वीं चाल में ओरो की गलती का फायदा उठाकर 57 चालों में जीत हासिल की। दूसरे गेम की शुरुआत फीडे अध्यक्ष आर्कडी द्वोर्कोविच ने की, जहाँ आनंद ने फ्रेंच डिफेंस खेलते हुए 37वीं चाल की चूक का लाभ उठाकर 48 चालों में दूसरा मुकाबला भी अपने नाम किया।

संक्षिप्त समाचार

वेदांतु के छात्र दक्ष ने कर्नाटक में पहला स्थान हासिल किया

बेंगलूरू। जेईई परीक्षा की तैयारी करवाने वाला भारत का अग्रणी शिक्षा संस्थान वेदांतु, जेईई एडवांस्ड 2025 में अपने छात्रों के असाधारण प्रदर्शन की गर्व से घोषणा करता है। साल दर साल शीर्ष रैंक और लगातार समान नतीजों के साथ, यह साल उच्च गुणवत्ता, व्यक्तिगत और परिणाम-केंद्रित शिक्षा प्रदान करने में वेदांतु की निरंतर सफलता की पुष्टि करता है। उत्कृष्ट उपलब्धि प्राप्त करने वालों में बैंगलोर के दक्ष तायलिया भी शामिल हैं, जिन्होंने गणित में पूरे 120 अंक प्राप्त कर अखिल भारतीय स्तर पर 15वाँ स्थान प्राप्त किया है और कर्नाटक राज्य में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। वेदांतु के 3 वर्षीय दीर्घावधि बैच के छात्र दक्ष का अटूट अनुशासन, प्रतिबद्धता और प्रक्रिया में विश्वास वास्तव में प्रेरणादायक रहा है। इसके अलावा वेदांतु परिवार को गौरवान्वित करने वाले गोरखपुर के प्रखर सिंह भी हैं, जिन्होंने लॉन्ग टर्म बैच में अखिल भारतीय 92वीं रैंक हासिल की है - जो केंद्रित प्रयास, दृढ़ता और विशेषज्ञ-निर्देशित मार्गदर्शन का परिणाम है।ये उपलब्धियाँ अकेली नहीं हैं।

इम्युनिटी को प्राकृतिक तरीके से बढ़ाना चाहते हैं तो रोज़ाना खाएं बादाम, हल्दी और अदरकः डॉ. रोहिणी

भोपाल। देशभर में कोविड और फ्लू के मामले एक बार फिर बढ़ रहे हैं। ऐसे में अपनी इम्युनिटी को मजबूत और संतुलित बनाए रखना बहुत ज़रूरी हो गया है। संक्रमण की इस मौसमी लहर के साथ खांसी, जुकाम, पाचन की परेशानी और कमजोरी जैसी दिक्कतें भी आम हो गई हैं। एमबीबीएस और न्यूट्रीशनिस्ट डॉ. रोहिणी पाटिल बताती हैं कि यदि आप अपने रोज़ के खानपान में बादाम, हल्दी और अदरक जैसे पोषक तत्वों से भरपूर सुपरफूड्स को शामिल करें, तो इम्युन सिस्टम को मज़बूती मिलती है और आप बेहतर सेहत बनाए रख सकते हैं। आइए जानते हैं डॉ. रोहिणी किन-किन सुपरफूड्स को रोज़मर्रा के आहार में शामिल करने की सलाह देती हैं, ताकि इस संक्रमण के मौसम में आपका शरीर सुरक्षित रह सके- कैलिफोर्निया बादाम- ड्राय फ्रूट्स में बादाम को राजा कहा जाता है और कैलिफोर्निया बादाम खास तौर पर सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। इनमें 15 ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं, जैसे हेल्दी फैट, प्रोटीन, जिंक, मैग्नीशियम, एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन ई। ये न केवल दिल की सेहत का ख़्याल रखते हैं, बल्कि शरीर में ऊर्जा बनाए रखने में भी मदद करते हैं। फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया भी रोज़ाना बादाम खाने की सलाह देती है, जिससे आपकी इम्युनिटी बेहतर हो सकती है और समग्र स्वास्थ्य में सुधार आ सकता है। साथ ही, कैलिफोर्निया बादाम त्वचा को स्वस्थ बनाए रखने और वजन संतुलित करने में भी मदद करते हैं, क्योंकि इनमें प्राकृतिक रूप से पेट भरने का गुण पाया जाता है। हल्दी- हल्दी अपने सूजन-रोधी और एंटीऑक्सिडेंट गुणों के लिए जानी जाती है। यह इम्युनिटी को मजबूत करती है और संक्रमण से लड़ने में मदद करती है। इसलिए फ्लू के मौसम में हल्दी को अपने आहार में ज़रूर शामिल करें। अदरक पाचन को बेहतर बनाती है, सूजन को कम करती है और इसमें जबरदस्त जीवाणुरोधी गुण होते हैं। मौसम बदलने के दौरान होने वाली सर्दी-जुकाम और गले की खराश से राहत दिलाने में यह बेहद असरदार है। लहसुन में एलिसिन जैसे तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाते हैं और संक्रमण से लड़ते हैं। फ्लू के मौसम में इसका सेवन काफी फायदेमंद माना जाता है।

ये कुल्लू कौन है? जिसे खोजने के लिए इंजीनियर ने रखा इनाम; 130 जगह चस्पा कराए पोस्टर

प्रयागराज, एजेंसी। देशी कुत्ते कल्लू को बंदरों ने ऐसा काटा कि जल निगम के इंजीनियर पुष्कर गोयल नौ दिनों से व्यथित हैं। व्यथा ऐसी कि उसको ढूंढने वाले को उन्होंने दस हजार रुपये इनाम देने की घोषणा तक कर दी है। इसके लिए ना केवल प्रयागराज शहर भर में उन्होंने 130 स्थानों पर पोस्टर चस्पा कराए हैं बल्कि अपने फतेहपुर कार्यालय से छुट्टी लेकर कल्लू को ढूंढने में लगे हैं। इंजीनियर के इस कुल्लू प्रेम की खूब चर्चा हो रही है। उधर, इंजीनियर पुष्कर कुल्लू को ढूंढने के लिए दिन-रात एक किए हुए हैं। तीन वर्ष पहले पुष्कर झूंसी के कटका कार्यालय में कार्यरत थे।

टॉयलेट खुद साफ करें गुरुकुल स्कूलों के छात्र, आईएएस अधिकारी के निर्देश पर बवाल

हैदराबाद, एजेंसी।
तेलंगाना में एससी गुरुकुल स्कूलों के छात्रों के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने इस मुद्दे पर संज्ञान लेते हुए राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशक को नोटिस जारी किया है। आयोग ने आईएएस अधिकारी डॉ. वी एस आलागु वर्षिणी के खिलाफ की गई शिकायत पर 15 दिनों के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट मांगी है।

तेलंगाना सोशल वेलफेयर रेसिडेंशियल एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स सोसायटी की सचिव डॉ. आलागु वर्षिणी एक ऑडियो क्लिप को लेकर विवादों में घिर गई हैं। इस वायरल क्लिप में उन्होंने निर्देश दिया कि गुरुकुल स्कूलों के छात्रों से शौचालय और हॉस्टल के कमरे साफ करवाए जाएं। यह घटना करीब एक सप्ताह पुरानी बताई जा रही है।

ऑडियो में वह कहती हैं, उन्हें (छात्रों को) कमरे की सफाई करनी चाहिए ... वे अपने शौचालयों की सफाई क्यों नहीं कर सकते ... ये छात्र

पॉश परिवारों से नहीं हैं, जहां जैसे ही वे जाते हैं और बैठते हैं, भोजन मेज पर आ जाता है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को आत्मनिर्भर बनाना जरूरी है, क्योंकि स्कूल छोड़ने के बाद उन्हें अपने दैनिक कार्य स्वयं करने होंगे।

इस बयान पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेता और टीजीएसडब्ल्यूआरईआईएस के पूर्व सचिव डॉ. आर. एस. प्रवीन कुमार ने मुख्यमंत्री से पूछा, क्या आपके बच्चे भी उस स्कूल में बाथरूम धोते हैं जहां वे पढ़ते हैं? उन्होंने आरोप लगाया कि यह आदेश दलित छात्रों के प्रति भेदभावपूर्ण है और उन्होंने अधिकारी को बर्खास्त करने की मांग की।

बीआरएस की एमएलसी और पूर्व सांसद कलवकुंतला कविता ने एक्स पर ऑडियो क्लिप शेयर करते हुए कांग्रेस सरकार पर हमला बोला। उन्होंने लिखा, कांग्रेस सरकार का गरीब विरोधी रवैया इस अधिकारी के व्यवहार में साफ दिखता है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस शासन के दौरान प्रत्येक स्कूल को सफाई कर्मचारियों की अस्थायी नियुक्ति के लिए 40,000 रुपये प्रति माह दिए जाते थे, जिसे कांग्रेस सरकार ने मई से बंद कर दिया है। कविता ने यह भी कहा कि राज्य की 240 गुरुकुल स्कूलों से सहायक वार्डन हटा दिए गए हैं, जिससे छात्रों को ही रसोई और साफ-सफाई का जिम्मा उठाना पड़ रहा है। उन्होंने इसे बच्चों के अधिकारों और सम्मान के खिलाफ बताया और कहा कि यह रवैया जातिगत भेदभाव और शोषण को बढ़ावा देता है।

विवाद बढ़ने के बाद एक अन्य ऑडियो में आईएएस अधिकारी वर्षिणी ने मीडिया से अपील की कि उनके बयान को राजनीतिक रंग न दिया जाए और संदर्भ से बाहर न निकाला जाए। उन्होंने कहा कि सफाई कर्मियों की कमी का आरोप निराधार है। वर्षिणी ने कहा, घर में माता-पिता की मदद करना बच्चों की सामान्य दिनचर्या का हिस्सा है, इससे उनमें आत्मनिर्भरता आती है। उन्होंने आगे कहा, अगर आप विदेश जाएं या किसी अन्य राज्य में पढ़ाई करें, तो अपने काम खुद करना पड़ता है- जैसे कि कमरा साफ करना, कपड़े धोना, बाथरूम साफ करना। बच्चों के लिए यह बदलाव एक प्रक्रिया है और इसे अपनाने में समय लगता है।

मैरिज ब्यूरो चलाने वाली का लूट कांड, पति की दूसरे से करा दी शादी, 7 लाख लूटे

रायपुर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक अजीबों गरीब मामला सामने आया है। मैरिज ब्यूरो चलाने वाली महिला ने अपने ही पति की दूसरी युवती से शादी करवा दी। महिला ने युवती को पति की प्रोफाइल भेज कर उसे सरकारी टीचर बताया। युवती को रिश्ता पसंद आया और उसने युवक से शादी कर ली। शादी के बाद पीड़िता से लगभग 7 लाख रूपये लेकर आरोपी पति अपनी पहली पत्नी के साथ फरार हो गया था।

मैरिज ब्यूरो की आड़ में अपने ही पति का सौदा कर लाखों की ठगी करने वाली सतनाम मैरिज ब्यूरो संचालिका समेत आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पीड़िता की शिकायत के बाद पुलिस ने 2 दिन के अंदर ठग दंपत्ति को ढूंढ निकला। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जांजगीर-चांपा जिले के शिवरीनारायण की रहने वाली युवती ने जुलाई 2024 में एक मैरिज ब्यूरो में शादी के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था। इस मैरिज ब्यूरो को चित्रा चलाती थी। शुरू में कुछ प्रोफाइल दिखाने के बाद जब कोई लड़का पसंद नहीं आया तो चित्रा ने युवती को अपने ही पति संजय चौधरी का प्रोफाइल भेज दिया। संजय को उसने सरकारी शिक्षक बता दिया।

संजय की पहले से शादीशुदा होने की बात से अनजान युवती को लड़के का प्रोफाइल पसंद आ गया और गिरौधपुरी धाम में संजय और युवती की शादी करा दी गई। शादी के बाद संजय अपनी नई नवेली पत्नी को हरियाणा के सिरसा ले गया, फिर दोनों बिलासपुर लौट आए और विनोबा नगर में किराए के मकान में रहने लगे। वहां उन्होंने ब्यूटी पार्लर खोला, लेकिन असली ड्रामा तो इसके बाद शुरू हुआ।

संजय ने बीमारी और अन्य निजी समस्याओं का हवाला देकर अपनी नई पत्नी से धीरे-धीरे 7 लाख रुपये ले लिए और उन पैसों से एक कार भी खरीद ली, लेकिन कुछ समय बाद संजय अचानक गायब हो गया। पति के गायब होने से परेशान पत्नी ने तलाश शुरू की। महिला को पता चला कि चित्रा कोई और नहीं, बल्कि संजय की पत्नी है और दोनों ने मिलकर उसके साथ धोखा किया है।

हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की: अजित पवार

मुंबई, एजेंसी।
महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता अजित पवार ने सोमवार को माना कि पिछले साल शुरू हुई लाडकी बहिन योजना के तहत वित्तीय सहायता का भुगतान सभी महिला आवेदकों को कर बड़ी चूक हुई है। पवार ने कहा कि जांच के माध्यम से इस गलती को ठीक किया जाएगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि केवल वास्तविक लाभार्थियों को ही सहायता प्राप्त हो। उन्होंने इस चूक के लिए जल्दबाजी में योजना के क्रियान्वयन को जिम्मेदार ठहराया। लाडकी बहिन योजना की घोषणा पिछले साल नवंबर में हुए राज्य विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले की गई थी।

वित्त मंत्रालय का कार्यभार संभाल रहे पवार ने बारामती में संवाददाताओं से कहा, हमने सभी महिला आवेदकों को वित्तीय लाभ देकर गलती की। हमारे पास आवेदनों की जांच करने और अयोग्य लोगों की पहचान करने के लिए बहुत कम समय था। उस समय, दो से तीन महीने में चुनावों की घोषणा होनी थी। हालांकि, उन्होंने कहा कि महिलाओं के बैंक खातों में जमा धनराशि वापस नहीं ली जाएगी। पवार ने कहा, जब इस योजना की शुरुआत की गई थी, तो सरकार ने अपील की थी कि केवल पात्र

महिलाएं ही आवेदन करें, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। इसकी जांच की जा रही है। केवल जरूरतमंद महिलाओं को ही मासिक सहायता राशि मिलेगी। अजित पवार के इस गलती की बात स्वीकार करने के बाद शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने उनके इस्तीफे की मांग की है। राउत ने आरोप लगाया कि राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नेता पवार के नेतृत्व वाले वित्त विभाग ने वोटों की खातिर सरकारी धन की लूट को बढ़ावा दिया।

मुख्यमंत्री माजी लाडकी बहिन योजना 17 अगस्त 2024 को शुरू की गई थी, जिसका लक्ष्य 21 से 65 साल की आयु की उन महिलाओं को सहायता प्रदान करना है, जिनकी अधिकतम वार्षिक आय 2.5 लाख रुपये से कम है। आवेदकों को सितंबर महीने से लाभ मिलना शुरू हो गया था।

चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो? यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है: हिमंत विश्व शर्मा

गुवाहाटी, एजेंसी।
असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पाकिस्तान द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के पानी को लेकर फैलाए जा रहे भय को खारिज करते हुए तथ्यों के साथ करारा जवाब दिया है। शर्मा ने स्पष्ट किया कि ब्रह्मपुत्र भारत में बढ़ती है, घटती नहीं और चीन द्वारा इसके प्रवाह को रोकने की आशंका बेबुनियाद है। मुख्यमंत्री का यह बयान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के सलाहकार राणा एहसान अफजल के उस बयान के बाद आया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर भारत पाकिस्तान के साथ सिंधु जल संधि को निलंबित करता है, तो चीन भी भारत के लिए ब्रहमपुत्र का पानी रोक सकता है।

अफजल ने जियो न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में कहा, अगर भारत पाकिस्तान की तरफ पानी रोकने जैसा कदम उठाता है, तो चीन भी यही कर सकता है। लेकिन अगर ऐसा होने लगा, तो पूरी दुनिया युद्ध की स्थिति में आ

जाएगी। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत द्वारा सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से हटने के बाद, पाकिस्तान अब एक नया काल्पनिक डर गढ़ रहा है- 'अगर चीन ब्रह्मपुत्र का पानी भारत की तरफ रोक दे तो?' यह पूरी तरह से एक काल्पनिक और तथ्यहीन नैरेटिव है। मुख्यमंत्री ने भौगोलिक और जलविज्ञान से जुड़े तथ्यों का हवाला देते हुए कहा कि ब्रह्मपुत्र के कुल जलप्रवाह का केवल 30-35प्रतिशत हिस्सा चीन के तिब्बत क्षेत्र से आता है, वो भी मुख्यतः ग्लेशियर के पिघलने और सीमित वर्षा के कारण। उन्होंने बताया कि इस नदी की 65-70प्रतिशत जलधारा भारत में उत्पन्न होती है, जिसमें पूर्वोत्तर भारत के राज्यों - अरुणाचल प्रदेश, असम, नागालैंड और मेघालय - में होने वाली मूसलधार मॉनसूनी वर्षा और इसकी कई सहायक नदियां मुख्य भूमिका निभाती हैं। सीएम ने कहा, ब्रह्मपुत्र की शक्ति भारत में प्रवेश के बाद ही बढ़ती है। इंडो-चीन बॉर्डर (तूतिंग) पर इसका प्रवाह मात्र 2,000-3,000 घन मीटर/सेकंड होता है, जबकि असम के मैदानी इलाकों (जैसे गुवाहाटी) में मॉनसून के दौरान यह बढ़कर 15,000-20,000 घन मीटर/सेकंड तक पहुंच जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर चीन वाकई ब्रह्मपुत्र का प्रवाह कुछ कम भी कर दे तो इससे भारत को फायदा ही हो सकता है, खासकर असम में हर साल आने वाली बाढ़ को लेकर। बता दें कि चीन ने अभी तक कभी किसी मंच पर ब्रह्मपुत्र को लेकर कोई बयान नहीं दिया है। असम सीएम ने आगे कहा, हर साल असम में लाखों लोग बाढ़ से बेघर होते हैं और आजीविका प्रभावित होती है। अगर चीन थोड़ी बहुत जलधारा रोके भी (जो कि न के बराबर संभावना है), तो यह भारत के लिए बाढ़ नियंत्रण में सहायक हो सकता है। हिमंत ने पाकिस्तान को यह भी याद दिलाया कि सिंधु जल संधि के तहत उसे 74 वर्षों तक भारत के पानी पर प्राथमिकता मिलती रही है, और अब जब भारत ने अपने संप्रभु अधिकारों की पुनः प्राप्ति की ओर कदम बढ़ाया है।

रूस-यूक्रेन में दूसरे दौर की शांतिवार्ता एक घंटे में खत्म, कैदियों की अदला-बदली पर सहमति

दोनों देश 6000 मृत सैनिकों के शव भी लौटाएंगे

इस्तांबुल, एजेंसी।
रूस और यूक्रेन की बीच सोमवार को तुर्किये से इस्तांबुल में दूसरे दौर की शांति वार्ता 1 घंटे में खत्म हो गई। दोनों देश गंभीर रूप से घायल और बीमार युद्धबंदियों की अदला-बदली पर सहमत हो गए हैं। इसके साथ ही दोनों पक्ष 6,000-6,000 मारे गए सैनिकों के शव भी वापस लौटाएंगे। यूक्रेन के रक्षा मंत्री रुस्तम उमेरोव ने कहा कि हम सभी युद्धबंदियों की रिहाई और सभी दिव्यांग बच्चों और कैदियों की वापसी चाहते हैं। वहीं, रूसी प्रतिनिधिमंडल के प्रमुख व्लादिमीर मेंडिस्की ने कहा- इस समझौते के तहत गंभीर रूप से घायल और 18 से 25 साल के युवा सैनिकों की भी अदला-बदली की जाएगी।

यह वार्ता ऐसे वक्त में हुई जब कुछ घंटे पहले ही यूक्रेन ने रूस के साइबेरिया में बड़े पैमाने पर ड्रोन हमला किया। इस बारे में पूछे जाने पर रूसी प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि कल का इंतजार कीजिए। इससे पहले दोनों देशों का डेलिगेशन 16 मई को इस्तांबुल में मिला था, तब भी दोनों के बीच 2 घंटे बातचीत हुई थी।

यूक्रेन के हमले में रूस को काफी नुकसान पहुंचा है, इसके बाद पलटवार करते हुए रूस ने भी यूक्रेन पर अपने मिसाइल और ड्रोन हमले बढ़ा दिए हैं। यूक्रेन का प्रतिनिधिमंडल बातचीत के लिए मिलिट्री यूनिफॉर्म में पहुंचा है। यूक्रेन की तरफ से रक्षा मंत्री रुस्टेम उमेरोव और रूस की तरफ से राष्ट्रपति पुतिन के करीबी व्लादिमिर मेंडिस्की इस बातचीत में भाग लिया। कैदी अदला-बदलीः 16 मई को इस्तांबुल में रूसी और यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडलों के बीच हुई बातचीत के बाद दोनों देशों ने 1-1 हजार कैदियों की अदला-बदली पर सहमति जताई थी। जिसके बाद दोनों ने कैदी रिहा किए।

सीजफायरः यूक्रेन ने 30 दिन के सीजफायर की मांग की थी, लेकिन रूस ने

इसे स्वीकार नहीं किया। रूस ने शर्त रखी कि यूक्रेन को चार इलाकों (दोनेत्स्क, लुहान्स्क, जपोरिझिया, खेरसॉन) से पूरी तरह पीछे हटना होगा, जिनमें लगभग 1.1 करोड़ यूक्रेनी नागरिक रहते हैं। जिसे यूक्रेन ने अस्वीकार कर दिया था।

शांति समझौताः तुर्की के विदेश मंत्री हाकन फिदान ने कहा था कि दोनों देश दोबारा मिलने को तैयार हैं, लेकिन कोई नई तारीख तय नहीं हुई। रूस ने यूक्रेन को शांति समझौते का मसौदा देने की बात कही।

क्षेत्रों पर नियंत्रणः दोनों देशों के बीच सुरक्षा गारंटी और प्रतिबंधों पर चर्चा हुई, लेकिन कोई सहमति नहीं बनी। रूस ने क्रीमिया और अन्य कब्जे वाले क्षेत्रों पर नियंत्रण की मांग की, जबकि यूक्रेन ने अपनी संप्रभुता की रक्षा पर जोर दिया।

रूसी रक्षा मंत्रालय ने 1 जून को माना की यूक्रेन के किए गए ड्रोन हमलों में देशभर के 5 सैन्य एयरबेस को निशाना बनाया गया, जिससे कई विमानों को नुकसान पहुंचा था। हालांकि, कितने विमान क्षतिग्रस्त हुए हैं, इसका सटीक आंकड़ा नहीं बताया है। अपने बयान में रूसी रक्षा मंत्रालय ने यूक्रेन पर आरोप लगाया कि उसने मुरमान्स्क, इरकुत्स्क, इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों में स्थित हवाई अड्डों पर फर्स्ट पर्सन व्यू ड्रोन से आतंकी हमला किया। मंत्रालय ने कहा कि इवानोवो, रयाजान और अमूर क्षेत्रों के सैन्य एयरबेसों पर सभी आतंकी हमलों को नाकाम कर दिया गया। पहली बार आधिकारिक रूप से यह भी पुष्टि की गई है कि कुछ ड्रोन हमले एयरबेस के बहुत पास से ही किए गए थे।

रूसी अधिकारियों के मुताबिक, मुरमान्स्क क्षेत्र के ओलेनोगोर्स्क एयरबेस और इरकुत्स्क (साइबेरिया) के स्रेद्नी एयरबेस को ट्रेलर ट्रकों की मदद से पास के इलाकों से ड्रोन लॉन्च करके निशाना बनाया गया।

नेपाल में राजशाही समर्थक आंदोलन कुचलने की तैयारी, गिरफ्तारी के डर से नेता अंडरग्राउंड हुए

आंदोलन में शामिल 61 लोगों पर मुकदमा दर्ज

काठमांडू, एजेंसी।
नेपाल की सड़कों पर राजशाही की बहाली और हिंदू राष्ट्र की मांग को लेकर उठती आवाजें अब सरकार के निशाने पर हैं। बीते पांच दिनों से जारी इस आंदोलन के तेज होने से सत्ता के गलियारों में बेचैनी भी बढ़ा रही है। अब पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने इस आंदोलन को कुचलने की खुली तैयारी कर ली है। काठमांडू के रिंग रोड क्षेत्र को दो महीने के लिए प्रतिबंधित घोषित कर दिया गया है। वहीं, राजशाही आंदोलन में शामिल राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के दो शीर्ष नेता रवींद्र मिश्र और धवल शमशेर राणा समेत 61 लोगों पर सरकार ने मुकदमा भी दर्ज किया है। सभी 61 लोगों पर राज्य के खिलाफ अपराध, अशांति फैलाने और संगठित अपराध जैसे गंभीर

आरोपों में केस दर्ज हुआ है। मिश्र और राणा व अन्य बड़े नेता ओली सरकार की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो चुके हैं। सूत्र बताते हैं कि ये नेता पार्टी की आंतरिक रणनीतिक बैठकों में शामिल हो रहे हैं, लेकिन सरकार की गिरफ्तारी की कार्रवाई से बचने के लिए अंडरग्राउंड हो गए हैं। इनके मोबाइल स्विच ऑफ हैं और बाकी कई नेताओं ने भी अपना संपर्क सीमित कर लिया है। आंदोलन का संचालन अब सोशल मीडिया, निजी चैनलों और पार्टी नेटवर्क से हो रहा है। पीएम ओली की सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कांग्रेस व माओवादी केंद्र तीनों दलों ने मिलकर आंदोलन का मुकाबला करने का ऐलान किया है। सोमवार को सिंगदरबार स्थित प्रधानमंत्री कार्यालय में हुई बैठक में ओली, नेपाली कांग्रेस प्रमुख शेर बहादुर देउबा व माओवादी नेता पुष्पकमल दहल प्रचंड ने इस मुद्दे पर संयुक्त रुख अपनाने पर सहमति जताई। तीनों दलों ने यह स्पष्ट किया कि वे संविधान-लोकतंत्र विरोधी आंदोलन को सफल नहीं होने देंगे।

पूर्व नेपाल नरेश ज्ञानेंद्र शाह ने काठमांडू से दूरी बना ली है। वे झापा के दमक में 'मिनी पैलेस' में रह रहे हैं। दो हफ्ते वहीं रहेंगे। सूत्रों का कहना है कि वे निजी स्तर पर राजनीतिक मुलाकातें कर रणनीति बना रहे हैं। हालांकि उनके सचिवालय ने किसी भी औपचारिक राजनीतिक कार्यक्रम से इनकार किया है। प्रेस सचिव फणिन्द्र पाठक ने कहा, यात्रा पूव-निर्धारित है। वे झापा जाते रहते हैं। पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह ने राजशाही समर्थकों के साथ दीप जलाकर नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर श्रद्धांजलि दी। फोटोः प्रकाश चन्द्र तिमिल्सेना काठमांडू में रविवार को नारायणहिटी राजदरबार हत्याकांड की 23वीं बरसी पर राजशाही समर्थकों ने मोमबत्तियां जलाकर दिवंगत शाही परिवार को श्रद्धांजलि दी। इस कार्यक्रम की खास बात पूर्व राजकुमारी हिमानी शाह और उनके पुत्र हृदयेंद्र शाह की मौजूदगी रही। यह पहली बार है जब हालिया आंदोलन के दौरान शाही परिवार की सक्रियता सार्वजनिक रूप से सामने आई है। श्रद्धांजलि कार्यक्रम के दौरान नेपाल की पूर्व राजकुमारी के साथ हजारों की संख्या में राजशाही समर्थक भी जुटे थे। राजकुमारी ने समर्थकों संग सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि कार्यक्रम में शामिल होकर यह संदेश दिया कि नेपाल की आबादी का एक बड़ा वर्ग अब भी राजशाही में आस्था रखता है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, संपादक देवन प्रसाद द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं - बी-126, मायापुरी इंडस्ट्रीयल एरिया, फेस-1, नई दिल्ली-110064 से प्रकाशित। सह संपादकः रंजीत राय फोन नं-011-45795464 (नोटः प्रकाशित सभी लेखों आदि से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं और किसी भी कानूनी वाद-विवाद का निपटारा दिल्ली उच्च न्यायालय में ही किया जाएगा।) RNI. No. DELHIN/2010/32488, Email: news@pratahkiran.com, मो. 9212228045, 8130691216, 9971557129